THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 75 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ पूर्णिमा 2082 बुधवार, 11 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देश में 6800 कोरोना केस, 68 मौतें

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोनावायरस के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। एक्टिव केसों की संख्या 6815 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 324 नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2053 केस हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट्स से 12 राज्यों में 68 मरीजों की मौत हुई हैं। सोमवार को केरल, दिल्ली और झारखंड में 1-1 मरीज ने जान गंवाई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 18 मौतें हुई हैं। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सोमवार को 3 डॉक्टर समेत 6 नए केस सामने आए। इसके बाद से जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर है। एमपी में फिलहाल 43 एक्टिव केस हैं।

'अब हम आतंकवाद के साथ और नहीं जीएंगे'

हमला हुआ तो करारा जवाब देंगे : जयशंकर

ब्रूसेल्स, 10 जून (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के करीब तीन हफ्ते बाद भारतीय विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है और कहा है कि अगर फिर से आतंकी हमला हुआ तो भारत फिर से करारा जवाब देने में बिल्कुल नहीं हिचकेगा। जयशंकर इन दिनों ब्रूसेल्स के दौरे पर हैं। वहां एक इंटरव्यू के दौरान जयशंकर ने कहा कि अगर आतंकी ठिकाने पाकिस्तान के भीतर मौजूद हैं तो हम पाकिस्तान में भीतर जाकर ही हमला करेंगे। भारत सरकार की तरफ से लगातार कहा जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और अगर पाकिस्तान की तरफ से फिर से आतंकी हमला हुआ तो भारत फिर से सैन्य कार्रवाई से हिचकेगा नहीं। विदेश मंत्री ने भी सरकार के इसी स्टैंड को दोहराया। विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद इस देश (पाकिस्तान) की राष्ट्रीय नीति का हिस्सा है। यही समस्या है।

बीती अप्रैल में भारत के जम्मू कश्मीर में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों की धर्म पूछकर हत्या कर दी गई थी। भारत ने इसका आरोप पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन पर लगाया। इसके बाद मई में भारत ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भारत पर हमले की कोशिश की। भारत ने 10 मई को बड़ा हमला कर पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह कर दिए। जिसके बाद पाकिस्तान ने लड़ाई रोकने की अपील की, जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया।

लड़ाकू विमान गिराने के दावे पर क्या बोले विदेश मंत्री :

पाकिस्तान ने भारत के लड़ाकू विमान गिराने का दावा किया था। जब इसे लेकर विदेश मंत्री से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन जल्द ही संबंधित प्राधिकरण द्वारा सही समय आने पर इस पर पूरी जानकारी दी जाएगी। जयशंकर ने कहा कि भारत के हमले में पाकिस्तान को काफी नुकसान उठाना पड़ा और भारत के लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों ने बेहद सटीकता से हमले किए और पाकिस्तान के तबाह एयरबेस की तस्वीरें गूगल पर मौजूद हैं।

* हजारों आतंकी दक्षिण सीमा पर मौजूद

जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंकियों को पनाह और प्रशिक्षण देता आ रहा है और हजारों आतंकी दक्षिणी सीमा पर मौजूद हैं।

जयशंकर ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि हम आतंकवाद के साथ अब और नहीं जीएंगे। हमारा संदेश साफ है कि अगर आगे भी अप्रैल जैसे हमले जारी रहे तो हम जवाबी कार्रवाई करेंगे और यह कार्रवाई आतंकी संगठनों और आतंकी नेतृत्व के खिलाफ होगी।

तकनीक दोधारी तलवार : चीफ जस्टिस गवाई

न्यायिक कामकाज के लिए हो इस्तेमाल, फैसले लेने के लिए नहीं

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि तकनीक एक दोधारी तलवार की तरह है। इसका उपयोग न्यायिक कामकाज को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि फैसले लेने की प्रक्रिया की जगह लेने के लिए। सीजेआई कैंब्रिज विश्वविद्यालय में 'न्याय तक पहुंच में तकनीक की भूमिका' विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े और विविध देश में न्याय तक पहुंच को आसान बनाने में तकनीकी की बहुत बड़ी भूमिका हो सकता है। भारतीय न्यायपालिका ने तेजी से तकनीक को अपनाया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा, हमें यह भी मानना होगा कि तकनीक एक दोधारी तलवार की तरह काम कर सकती है, जो असमानता को और बढ़ा सकती है। एक बड़ी चिंता 'डिजिटल डिवाइड' यानी तकनीकी असमानता है, जहां इंटरनेट, उपकरणों और डिजिटल ज्ञान की समान पहुंच न होने के कारण वे लोग पीछे छूट सकते हैं जो पहले से ही न्याय तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अगर तकनीक को सच में न्याय के लिए इस्तेमाल करना है, तो उसकी योजना बनाते समय समानता और समावेशन को आधार बनाना होगा। हालांकि, जस्टिस गवई ने कहा कि नीतिगत दखल के बिना न्याय प्रदान करने की प्रणाली में कोई क्रांति नहीं लाई जा सकती। उन्होंने कहा, शासन का ऐसा ढांचा विकसित किया जाना चाहिए, जो मानवीय निगरानी, एल्गोरिदम संबंधी पारदर्शिता और तकनीक आधारित मध्यस्थ फैसलों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करे। सीजेआई ने आगे कहा, आगे बढ़ने का रास्ता बुनियादी सिद्धांतों का पालन मांगता है। तकनीक का इस्तेमाल न्यायिक काम को खत्म करने के लिए नहीं, बल्कि उसे बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, खासकर सोच-समझकर फैसले लेने और हर मामले को अलग-अलग देखने में।

हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वचालिक प्रणाली (ऑटोमैटिक सिस्टम) न्यायिक सोच की जगह न लें, बल्कि उसकी मदद करें। जस्टिस गवई ने कहा, न्याय तक पहुंच किसी भी निष्पक्ष और न्यायसंगत कानून प्रणाली की रीढ़ का प्रतिनिधित्व करती है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी व्यक्ति कानूनी प्रक्रियाओं में प्रभावी रूप से भाग ले सकें और उनसे लाभ उठा सकें, भले ही उनकी सामाजिक-आर्थिक, भौगोलिक या व्यक्ति स्थिति कुछ भी हो।

ऑस्ट्रिया के स्कूल में भीषण गोलीबारी, 11 की मौत

> कई घायल, हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

विएना, 10 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रिया से एक हैरान करने वाली खबर आई है। यहां पर एक स्कूल में हमलावर द्वारा भीषण गोलीबारी की गई। इसमें 11 लोगों की मौत की खबर है। समाचार एजेंसी ने वहां के स्थानीय अखबार के हवाले से बताया कि ऑस्ट्रिया के शहर ग्राज में मंगलवार को एक स्कूल में एक शूटर द्वारा गोलीबारी की गई। इसमें 11 लोगों की मौत हुई है। इस घटना के हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली और उसकी मौत हो गई। वहीं ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय ने कितने लोगों की मौत हुई है, इसकी पुष्टि नहीं की है। गृह मंत्रालय ने कहा कि वारदात को किसने और क्यों अंजाम दिया, इसके बारे में भी कोई जानकारी नहीं है।

ऑस्ट्रिया की पुलिस के अनुसार उन्हें सुबह 10 बजे इस घटना की सूचना मिली। इसके कुछ ही देर बाद स्कूल की इमारत के अंदर से गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं। पुलिस ने घटना को देखते हुए स्कूल को खाली कराया और सभी को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। हालांकि इसमें 11 लोगों की मौत हो गई। बता दें कि जिस ग्राज शहर में यह घटना हुई है, वह इस देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। यहां की आबादी भी लगभग 3 लाख है। इस घटना के बाद लोग दहशत में हैं और इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसबलों की तैनाती की गई है।

'भारत माता' की तस्वीर पर विवाद जारी

राज्यपाल ने अर्पित किए पुष्प, सीपीआई ने हटाए पोस्टर

तिरुवनंतपुरम, 10 जून (एजेंसियां)। केरल में भारत माता की तस्वीर को लेकर छिड़ा विवाद तेज होता जा रहा है। राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने गोवा दिवस समारोह के दौरान भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। वहीं सीपीआई ने भारत माता की तस्वीर वाले स्थानीय पार्टी कार्यक्रम के पोस्टर को हटा दिया। राज्यपाल कार्यालय ने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत के तहत केरल राजभवन में गोवा स्थापना दिवस मनाया गया। वहीं सीपीआई ने 13 से 15 जून तक होने वाले स्थानीय पार्टी कार्यक्रम के पोस्टर हटा दिया। इस पोस्टर में तिरंगे की साड़ी पहने और राष्ट्रीय ध्वज पकड़े हुए भारत माता की तस्वीर लगी थी। सीपीआई जिला सचिव वीबी बीनू ने बताया कि पोस्टर के बारे में जानकारी मिलते ही अनावश्यक विवाद से बचने के लिए इसे सोशल मीडिया से हटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज को पार्टी कार्यक्रमों या प्रतीकों के साथ जोड़ना सही नहीं है।

सिब्बल ने पूछा सवाल : धनखड़ ने महाभियोग प्रस्ताव पर क्यों नहीं की कार्रवाई?

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मामले में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने महाभियोग प्रस्ताव लाने के नोटिस पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? ऐसा लगता है कि सरकार न्यायाधीश को बचाने की कोशिश कर रही है। जस्टिस की टिप्पणी पूरी तरह से सांप्रदायिक थी।

सिब्बल ने कहा कि पूरी घटना में भेदभाव की बू आती है, क्योंकि एक ओर तो राज्यसभा के महासचिव ने भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि वे यादव के खिलाफ आंतरिक जांच न करें, क्योंकि उनके खिलाफ उच्च सदन में एक याचिका लंबित है। मगर न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले में ऐसा नहीं किया गया। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जब संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति छह महीने में संवैधानिक दायित्वों को पूरा नहीं करता है तो सवाल उठना लाजिमी है। कपिल सिब्बल ने कहा कि 13 दिसंबर 2024 को हमने राज्यसभा के सभापति को महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दिया था। इस पर 55 सांसदों के हस्ताक्षर थे, छह महीने बीत गए हैं, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया है।

'धर्म नहीं, ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए पिछड़ापन ही एकमात्र मानदंड'

कोलकाता, 10 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को ओबीसी दर्ज तय करने को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने राज्य विधानसभा में कहा कि पिछड़ापन ही लोगों के ओबीसी दर्जे को तय करने का एकमात्र मानदंड है, धर्म नहीं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओबीसी श्रेणी में किसी व्यक्ति को शामिल करने का धर्म से कोई संबंध नहीं है। ममता बनर्जी ने राज्य में ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए पिछड़ापन को एकमात्र मानदंड बताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने एक आयोग का गठन किया है, जो ओबीसी में जोड़ने के लिए 50 नए उपवर्गों का सर्वे कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ओबीसी-ए के तहत 49 उपवर्गों और ओबीसी-बी के तहत 91 उपवर्गों को शामिल किया गया है।

कांग्रेस ने फिर उठाया लोकसभा उपाध्यक्ष का मुद्दा

> खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने एक बार फिर लोकसभा उपाध्यक्ष के चुनाव का मुद्दा उठाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर चुनाव प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस पद को रिक्त रखना भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए अच्छा संकेत नहीं है और यह संविधान के प्रावधानों का भी उल्लंघन है। खड़गे ने यह मांग 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले की है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र में लिखा कि मैं लोकसभा में उपाध्यक्ष के पद की रिक्तता से संबंधित चिंताजनक मामले की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 में लोक सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव का प्रावधान है। संवैधानिक रूप से उपाध्यक्ष, लोक सभा अध्यक्ष के बाद दूसरा सबसे बड़ा पीठासीन अधिकारी होता है।

खड़गे ने कहा कि उपाध्यक्ष का चुनाव लोकसभा के दूसरे या तीसरे सत्र में किया जाता है। इस चुनाव की प्रक्रिया अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया के समान ही है। अंतर केवल इतना है कि उपाध्यक्ष के चुनाव की तारीख लोकसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों के नियम 8(1) के अनुसार अध्यक्ष द्वारा तय की जाती है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में खरगे ने कहा कि पहली से सोलहवीं लोकसभा तक प्रत्येक सदन में एक उपाध्यक्ष रहा है। यह एक स्थापित परंपरा है कि उपसभापति की नियुक्ति मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों में से ही की जाती है। खड़गे ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार यह पद लगातार दो लोकसभा कार्यकालों के लिए रिक्त रहा है। सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था और यह अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है। यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए शुभ संकेत नहीं है और यह संविधान के प्रावधानों का भी उल्लंघन है।

जयराम बोले-शाह का कश्मीर-मणिपुर में शांति का दावा निराधार

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा-शाह के जम्मू-कश्मीर-मणिपुर में शांति को लेकर किए गए दावे बेतुके और निराधार हैं। ये दावे वास्तव में उनकी अपनी बड़ी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए किए गए हैं। नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर 9 जून को अमित शाह ने एक्स पोस्ट की थी। इसमें लिखा था- 11 वर्ष की सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हुआ है। उन्होंने लिखा था कि देश में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में शांति स्थापित हुई है। भारत अब आतंकवादियों के घर में घुसकर आतंकवादी हमलों का जवाब देता है। यह मोदी सरकार के तहत भारत की बदलती तस्वीर को दर्शाता है। मणिपुर अभी भी जल रहा है। यहां कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। राज्य में राष्ट्रपति शासन पूरी तरह विफल साबित हुआ है। आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और आजीविका की बदहाली ने उनमें पीड़ा, निराशा और गुस्सा पैदा किया है। जिसे हर जगह महसूस किया जा सकता है।स्वतंत्र भारत के इतिहास में शायद ही कोई ऐसा केंद्रीय गृह मंत्री हुआ हो, जिसका पूरा कार्यकाल ज्यादातर शेखी बघारने और कम उपलब्धियों से भरा रहा हो।

काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा

21 फर्जी पुजारी-पंडा गिरफ्तार

वाराणसी, 10 जून (एजेंसियां)। वाराणसी के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं से फर्जी पंडा-पुजारियों द्वारा ठगी और दुर्व्यवहार की घटनाएं लगातार सामने आ रही थीं। इसी को गंभीरता से लेते हुए वाराणसी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 फर्जी पंडा-पुजारियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी श्रद्धालुओं को 'सुगम दर्शन' और 'वीआईपी दर्शन' का झांसा देकर मोटी रकम ऐंठते थे और अक्सर उनके साथ दुर्व्यवहार भी करते थे। दरअसल, काशी विश्वनाथ मंदिर में कॉरिडोर बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जिससे इस तरह के फर्जीवाड़े के लिए जमीन तैयार हो गई. ठग खुद को पंडा या पुजारी बताकर श्रद्धालुओं को भ्रमित करते थे। इनमें से कई ने पारंपरिक वेषभूषा भी धारण कर रखी थी, जिससे वे असली पुजारियों जैसे प्रतीत होते थे। इस मामले में दशाश्वमेध सर्किल के एसीपी डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी के नेतृत्व में दशाश्वमेध और चौक थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया।

राजनाथ सिंह बोले-मोदी सरकार में बदली रक्षा क्षेत्र की तस्वीर

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी और दूरदर्शी नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत का रक्षा क्षेत्र एक बड़ी परिवर्तन से गुजरा है। अब भारत एक आयात-आधारित देश से बदलकर एक विश्वसनीय वैश्विक निर्यातक बन गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह 11 साल भारत की ताकत, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में उठाए गए मजबूत कदमों का प्रतीक हैं।

2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये हुआ रक्षा निर्यात :

राजनाथ सिंह ने बताया कि 2014-15 में जहां रक्षा निर्यात सिर्फ 1,940 करोड़ रुपये था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' जैसे अभियानों की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान भारत ने अपने पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत, मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलिकॉप्टर एलसीएच प्रचंड, तेजस फाइटर जेट, ब्रह्मोस मिसाइल जैसे महत्वपूर्ण हथियार सिस्टम खुद बनाए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, आज भारत 100 से ज्यादा देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है। हमारे रक्षा कॉरिडोर में भारी निवेश हो रहा है और सेना का आधुनिकीकरण तेजी से हो रहा है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न सैन्य अभ्यास, पूर्वोत्तर में उग्रवाद में कमी और सशस्त्र बलों में नारी शक्ति को दिखाया गया है। राजनाथ सिंह ने कहा, रक्षा शक्ति के 11 वर्ष के दौरान, भारत की रक्षा क्षमताएं पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुई हैं।

शरद पवार ने केंद्र की विदेश नीति की आलोचना की

> कहा-भारत पड़ोसियों के साथ सार्थक संवाद नहीं करता

पुणे, 10 जून (एजेंसियां)। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र की विदेश नीति की आलोचना की और कहा कि भारत पड़ोसी देशों के साथ सार्थक संवाद के लिए अनुकूल माहौल बनाने में विफल रहा है।

एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस के मौके पर मंगलवार को पुणे में सम्मेलन आयोजित किया गया। पार्टी सम्मेलन को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान भारत के अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध थे। शरद पवार ने आगे कहा कि उनकी पार्टी ने कभी भी राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमने सरकार की आलोचना नहीं करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि हमले के जवाब में हमने केंद्र द्वारा की गई किसी भी कार्रवाई का समर्थन करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, अगर कोई भारत के नक्शे को देखे, तो उत्तर में पाकिस्तान और चीन है, और पूर्व और दक्षिण में क्रमशः बांग्लादेश और श्रीलंका हैं। इन देशों के साथ भारत के संबंधों की वर्तमान स्थिति क्या है? शरद पवार ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री नेहरू के नेतृत्व में भारत सभी पड़ोसी देशों को साथ लेकर चलता था। उन्होंने कहा कि आज पाकिस्तान और चीन के साथ हमारे संबंध खराब हो गए हैं। भारत के समर्थन से बना बांग्लादेश भी हमारे साथ खड़ा नहीं है। श्रीलंका को लेकर पवार ने कहा कि चीन का बढ़ता प्रभाव भारत के साथ उसके संबंधों पर संदेह पैदा करता है। उन्होंने कहा कि आज हम विश्वास के साथ यह नहीं कह सकते कि भारत वर्तमान में अपने किसी भी पड़ोसी के साथ सार्थक बातचीत कर रहा है। देश को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। शरद पवार ने जोर देकर कहा कि एनसीपी (एसपी) इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करेगी, लेकिन उन्होंने पुष्टि की कि उनकी पार्टी, कांग्रेस और वाम दलों के साथ देश की बेहतरी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर काम करना जारी रखेगी। इसके अलावा, पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि मिस्र, कतर, इथियोपिया और दक्षिण अफ्रीका के नेताओं ने महात्मा गांधी को याद किया और नेहरू की यात्राओं और भाषणों को याद किया।

भूपेंद्र यादव का आरोप-घुसपैठियों को बसा रही टीएमसी

कोलकाता, 10 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सीमा पार से आने वाले घुसपैठियों को राज्य में बसाने में मदद कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2011 में ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद महिलाओं पर हमलों की घटनाएं बढ़ गई हैं।

केंद्रीय मंत्री ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल सरकार विदेशी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने में केंद्रीय बलों की मदद नहीं कर रही है, बल्कि घुसपैठियों को राज्य में बसाने में मदद कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की तुष्टिकरण की नीति के कारण अपराध की घटनाएं बढ़ गई हैं।

भारत अब ड्रैगन को देगा मुंहतोड़ जवाब, करने जा रहा बड़ी तैयारी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' में जिस तरह से भारतीय आर्म्ड फोर्सेज ने पाकिस्तान पर कार्रवाई की उसने पड़ोसी मुल्क को घुटनों पर ला दिया। हालात ऐसे हो गए कि पाकिस्तान खुद सीजफायर को मजबूर हो गया। इस एक्शन के बाद भारतीय वायुसेना लगातार अपनी ताकत को और बढ़ाने में जुटा है। इसके लिए एडब्ल्यूएसीए सिस्टम और हवा में ईंधन भरने वाले एयरक्राफ्ट खरीदने की तैयारी चल रही है। रक्षा मंत्रालय ने छह और एम्ब्रेयर विमान खरीदने का प्रस्ताव रखा है। इन विमानों में डीआरडीओ की ओर से विकसित 'नेत्र मार्क 1ए' रडार लगाए जाएंगे। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिले चीन और तुर्की के मिसाइल और ड्रोन के डेटा की भी स्टडी की जाएगी। इस रिसर्च में चीन और तुर्की के मिसाइल से जुड़े हर राज को समझने की योजना है, जिससे ड्रैगन को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बड़ी तैयारी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद, यह महसूस हुआ कि भारत को अपनी क्षमताओं को और बेहतर बनाने की जरूरत है। रक्षा मंत्रालय जल्द ही रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) के सामने एक प्रस्ताव रखेगा। इस प्रस्ताव में ब्राजील से छह और एम्ब्रेयर एयरक्राफ्ट खरीदने की बात है। इन एयरक्राफ्ट को हवा में निगरानी और नियंत्रण प्रणाली (एईडब्ल्यू&सी) में बदला जाएगा। इन पर डीआरडीओ की ओर से बनाया गया 'नेत्र मार्क 1ए' रडार लगाया जाएगा। इससे भारत की हवाई सुरक्षा और मजबूत होगी। एचडी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी उन लोगों ने दी है जो इस मामले से जुड़े हुए हैं।

चीन तुर्की के मिसाइल-ड्रोन के राज आएंगे सामने :

इसके अलावा, सरकार ने अमेरिका की मेट्रिया कंपनी से एक केसी-135 मिड एयर रिफ्यूलर को लीज पर लेने की मंजूरी दे दी है। यह विमान हवा में ईंधन भरने का काम करेगा। साथ ही, रक्षा मंत्रालय ने छह और ऐसे विमान खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अभी भारत के पास रूस से खरीदे गए छह ईंधन भरने वाले विमान हैं। एईडब्ल्यू&सी एयरक्राफ्ट की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि पाकिस्तान की वायुसेना (पीएएफ) के पास एसएएबी-2000 विमान हैं। इन एयरक्राफ्ट में एरिये रडार सिस्टम लगा है। इसके अलावा, उनके पास चीन के जेडडीके-03 एयरक्राफ्ट भी हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और इलेक्ट्रॉनिक सपोर्ट में काम आते हैं।

पाकिस्तान एयरफोर्स के पास तीन डसॉल्ट फाल्कन डीए-20 विमान भी हैं, जिनका इस्तेमाल युद्ध में किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तान के पास सात एसएएबी-2000 एरिये एईडब्ल्यू&सी एयरक्राफ्ट हैं। इस ऑपरेशन के दौरान, भारत के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के एक एयरक्राफ्ट को 314 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया था।

चिप्स पैकिंग के गोदाम में भीषण आग, आधे घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

गाजियाबाद, 10 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद के अमृत स्टील कंपाउंड स्थित शीतल एंटरप्राइजेज के गोदाम में मंगलवार की सुबह आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते गोदाम का सारा सामान जलकर राख हो गया। गनीमत इतनी रही कि इस आग में कोई जान हानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे आग गोदाम में आग लगी, जिसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई शुरू की और लगभग आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया।

रॉबर्ट वाड्रा नहीं पहुंचे ईडी ऑफिस

हरियाणा जमीन घोटाले मामले में होनी है पूछताछ

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा को कथित हरियाणा जमीन घोटाले के मामले में समन किया है। लेकिन रॉबर्ट वाडरा अभी तक ईडी दफ्तर नहीं पहुंचे हैं। वाड्रा को हरियाणा जमीन घोटाले में पीएमएलए के तहत समन किया गया है। इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा से ईडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है। पहले ही पूछताछ में वाड्रा ने आरोपों से और किसी भी तरह की गलत गतिविधि में शामिल होने से इनकार कर दिया था।

रॉबर्ट वाड्रा पर क्या है आरोप?

संजय भंडारी के मामले में रॉबर्ट वाड्रा पर आरोप है। भंडारी साल 2016 में भारत से भाग गया था और फिलहाल वो यूनाइटेड किंगडम में रहता है, कथित तौर पर रॉबर्ट वाड्रा का करीबी सहयोगी है। ईडी के आरोप के मुताबिक, संजय भंडारी के पास करोड़ो की अघोषित विदेशी आय और संपत्तियां हैं, जिनमें नंबर 12 ब्रायनस्टन स्क्वायर, लंदन और 6 ग्रोसवेनर हिल कोर्ट, लंदन की संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने आरोप लगाया, पीएमएलए के प्रावधानों के अनुसार ये संपत्तियां काली कमाई से अर्जित हैं और सीसी थंपी और सुमित चड्ढा को इनको छिपाने और उपयोग करने में शामिल पाया गया है।

जांच में पाया गया कि थंपी रॉबर्ट वाड्रा का करीबी सहयोगी है। रॉबर्ट वाड्रा ने न सिर्फ सुमित चड्ढा के जरिए से लंदन के 12 ब्रायनस्टन स्क्वायर में उपरोक्त संपत्ति का रेनोवेशन किया, बल्कि उसी में रहे भी।

ईडी ने पहले भी की पूछताछ

ईडी ने दावा किया, रॉबर्ट वाड्रा और थंपी ने फरीदाबाद में जमीन का एक बड़ा हिस्सा खरीदा और एक-दूसरे के साथ वित्तीय लेनदेन किया। इस मामले में वाड्रा से ईडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है और उन्होंने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। ईडी इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है, लेकिन उसमें वाड्रा बतौर आरोपी नहीं हैं।

"10 घंटे तक पूछताछ की गई थी"

इससे पहले भी अप्रैल के महीने में इसी केस में वाड्रा को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। इस दौरान वाड्रा पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के साथ पहुंचे थे। इस दौरान वाड्रा ने पूछताछ को लेकर कहा था कि, मैं एजेंसी के दूसरे समन को देखकर हैरान था क्योंकि मैं पहले ही इसी मामले के संबंध में एजेंसी के सामने 15 बार पेश हो चुका हूं। मुझसे 10 घंटे तक पूछताछ की गई और मैंने 23,000 दस्तावेज दिए। मैंने एजेंसी को 2019 के अपने बयान दिखाए और आप वही सवाल पूछ रहे हैं जिनका मैंने 2019 में जवाब दिया था और एजेंसी के लोग भी हैरान थे। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

मोगा के कॉलेज में 'मुन्नाभाइयों' को ब्लूटूथ से करवाया पेपर, पुलिस ने 'सर्किट' को पकड़ा

मोगा, 10 जून (एजेंसियां)। बॉलीवुड फिल्म 'मुन्नाभाई' कई लोगों ने देखी होगी। इसमें मुन्नाभाई (अभिनेता संजय दत्त) कक्षा में बैठकर परीक्षा दे रहा होता है और दूसरी ओर से उसका दोस्त सर्कट (अभिनेता अरशद वारसी) एक डॉक्टर की मदद से संजय दत्त को ब्लूटूथ के जरिए नकल करवाकर पेपर हल करवाता है। ठीक उसी तरह ब्लूटूथ के जरिए नकल करवाने का मामला मोगा में भी पहली बार सुर्खियों में आया है। खास बात यह है कि यहां नकल सामूहिक रूप से कॉलेज के विद्यार्थियों को करवाई जा रही थी। ब्लूटूथ से गुरु नानक कॉलेज की परीक्षा में नकल करवाने का पंजाब का पहला मामला माना जा सकता है। कालेज में पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) चंडीगढ़ की दूसरे सेमेस्टर की सोमवार दोपहर के समय ली जा रही परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल करवाई जा रही थी। डिप्टी कमिश्नर (डीसी) सागर सेतिया ने इसकी सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार के नेतृत्व में टीम गठित की। उन्होंने मौके पर जांच की तो नेचर पार्क बैठकर ब्यूटुथ से नकल करवा रहे एक युवक को हिरासत में लिया। बाद में परीक्षा केंद्र में तीन विद्यार्थियों की चेकिंग की गई तो तीनों के पास ब्लूटूथ डिवाइस मिली। उन्होंने मोबाइल फोन जुराबों में छुपाए हुए थे। तीन विद्यार्थियों की चेकिंग के बाद परीक्षा कक्ष में पहुंची प्रिंसिपल ने डीसी की ओर से जांच करने आई टीम का विरोध किया।

344 घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने पर सुनाई गई

182 साल की सजा को हाई कोर्ट ने रखा बरकरार

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने पर सुनाई गई 182 वर्ष की आसाधारण सजा को दिल्ली हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है। उपभोक्ता फोरम की ओर से बिल्डर को यह सजा सुनाई गई थी, जिसके खिलाफ बिल्डर ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। तिरुपति बिल्डर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 344 घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी की गई थी। इस मामले में घर खरीदारों ने उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले में सुनवाई करते हुए उपभोक्ता फोरम ने बिल्डर को दोषी करार दिया था और 182 साल की असाधारण जेल की सजा सुनाई थी। मिल्लत को सभी 344 मामलों में अलग-अलग सजा मिली थी, तो मिलकार 182 वर्ष हो रही है।

अब दिल्ली हाई कोर्ट ने 182 वर्ष की सजा को बरकरार रखते हुए तिरुपति बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के 75 वर्षीय पूर्व निदेशक राजेंद्र मित्तल की याचिका को खारिज कर दिया है। एक मामले में लगातार कई जेल की सजा देने के उपभोक्ता फोरम के अधिकार को बरकरार रखते हुए अदालत ने कहा कि ये सजाएं जुर्माना अदा न करने के लिए दी गई हैं। अदालत ने कहा कि इस सजा का उद्देश्य केवल अनुपालन सुनिश्चित करना है। हाल ही में सुनाए अपने निर्णय में न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने जिला उपभोक्ता अदालत की ओर से दी गई सजा में संशोधन की मांग वाली राजेंद्र मित्तल की याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही पीठ ने कहा कि सजा वैध और लागू करने योग्य हैं।

गौरतलब है कि उपभोक्ता फोरम ने मिल्लत को यह सजा इस लिए सुनाई थी क्योंकि उन्होंने उपभोक्ताओं को बुकिंग अमाउंट नहीं वापस किया था। मित्तल ने दिल्ली-बागपत रोड पर प्रस्तावित तिरुपति टाउनशिप के नाम पर लोगों से प्लॉट के एवज में बुकिंग अमाउंट लिया था, लेकिन प्लॉट न मिलने पर इसे लौटाया नहीं जा रहा था।

अहमदपुर नाबालिग दुष्कर्म-मौत मामला

चार जिलों के समाजजन आज अहमदपुर में निकालेंगे कैंडल मार्च

सीहोर, 10 जून (एजेंसियां)। जिले के अहमदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम में घटित हुई नाबालिग से दुष्कर्म और मौत का मामला राजनीतिक मुद्दे के बाद अब सामाजिक मुद्दा भी बनने लगा है। पीड़ित परिवार के पक्ष में 11 जून को अहमदपुर में चार जिलों के कुर्मी समाज के लोग एकत्रित होंगे। इस दौरान शाम 6 बजे से शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला जाएगा। बताया जा रहा है कि इस दौरान करीब ढाई से तीन हजार समाजजन उपस्थित रहेंगे। गौरतलब है कि सीहोर विधानसभा क्षेत्र के अहमदपुर के ग्राम अंतर्गत मृतका के पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी दो बेटियां ग्राम में बीते सोमवार रात करीब दस बजे पानी भरने के लिए गई थीं। वहां जगपाल और कुलदीप उर्फ कान्हा सोलंकी ने मेरी बड़ी बेटी को पकड़ लिया और एक शटर वाली दुकान में अंदर बंद कर उसके साथ दुष्कृत्य किया। छोटी बेटी मेरे पास आई और बोली कि बड़ी बहन को जगपाल और कान्हा ने पकड़ लिया है, जब तक मैं मौके पर पहुंचा तब तक दोनों ने उसे जहर की गोलियां खिला दी थीं। बेटी की हालत गंभीर होने पर हम लोग थाने लेकर पहुंचे तो थाने में हमारी सुनवाई नहीं हुई और हमें भगा दिया गया। इसके बाद इलाज के दौरान में मेरी बेटी की मौत हो गई थी। घटना के बाद मंगलवार को मृतका के परिजनों ने थाने के सामने शव रखकर चक्काजाम किया था, इस दौरान पत्थरबाजी हुई थी तो पुलिस ने भी हल्का बल प्रयोग किया था। इस घटना के बाद से जिले सहित प्रदेश की राजनीति सरगर्म बनी हुई है, अब सामाजिक स्तर पर भी विरोध जताया जा रहा है।

बंगलूरू भगदड़ मामले में 12 जून को कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई

बंगलूरू, 10 जून (एजेंसियां)। बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर चार जून को आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट में 12 जून को अगली सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी को सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।भगदड़ में 11 लोग मारे गए थे। बंगलूरू भगदड़ मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान याचिका पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सीएम जोशी ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता शेट्टी ने कहा कि उन्होंने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। एक न्यायिक आयोग का गठन किया गया है, जिसने रिपोर्ट के लिए एक महीने का समय दिया है। पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। शेट्टी ने सीलबंद लिफाफे में दलीलें पेश करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि लंबित जमानत याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हो रही है और मामले में दिए गए बयान का इस्तेमाल आरोपी द्वारा किया जा रहा है। वहीं विधान परिषद के एक पूर्व सदस्य ने याचिका में पक्षकार बनने की मांग की।

सरकार से कोर्ट ने पूछे थे नौ सवाल

इससे पहले कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल पूछे थे। पीठ ने इस पैमाने के खेल आयोजनों और सार्वजनिक समारोहों के लिए 50,000 से अधिक लोगों की भीड़ को प्रबंधित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अस्तित्व पर भी सवाल उठाए थे।

भूमिहीन कैंप पहुंची पूर्व सीएम आतिशी पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में इन दिनों कई इलाकों में बुलडोजर एक्शन देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों मद्रासी कैंप और कालकाजी में कार्रवाई की गई। इसके बाद से ही विपक्ष सरकार पर हमलावर है। तो वहीं दूसरी तरफ दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी आज कालका जी के भूमिहीन कैंप पहुंची थीं, यहां से उन्हें हिरासत में लिया गया है। जिन लोगों के घर टूट रहे हैं आतिशी उनसे मिलने पहुंची थी। हिरासत में लिए जाने पर पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि बीजेपी कल इन झुग्गियों को ध्वस्त करने जा रही है और मुझे आज जेल भेजा जा रहा है, क्योंकि मैं इन झुग्गीवासियों के लिए आवाज उठा रही हूं। बीजेपी और रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी। बीजेपी कभी वापस नहीं आएगी। आतिशी ने दावा किया था कि कालकाजी स्थित भूमिहीन कैंप में तोड़फोड़ अभियान से पहले बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की तरफ से झुग्गी-झोपड़ी कैंप में मौजूद घरों को खाली करने के आदेश चस्पा कि किए थे। इस आदेश में अतिक्रमणकारियों" को तीन दिन के भीतर जगह छोड़ने का अल्टीमेटम दिया गया था। कालकाजी के भूमिहीन कैंप में डीडीए की बुलडोजर कार्रवाई से पहले मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष आतिशी झुग्गीवासियों से मिलने पहुंचीं। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरान आतिशी ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर नारेबाजी की और डीडीए की कार्रवाई का विरोध किया। इस दौरान पुलिस के साथ पूर्व सीएम आतिशी की नोंक-झोंक भी देखने को मिली। कोर्ट ने पिछले दिनों ही भूमिहीन कैंप से जुड़ी सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इसके बाद तय हो गया था कि आने वाले दिनों में यहां भी बुलडोजर एक्शन देखने को मिलेगा। कोर्ट के आदेश के डीडीए ने नोटिस लगा दिया। यहां किसी भी वक्त बुलडोजर की कार्रवाई हो सकती है।

दिल्ली को मिलने वाली है गर्मी से राहत

मौसम विभाग ने बताया- आज शाम से शुरू होगी बारिश

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। दिल्ली भीषण गर्मी और हीटवेव की चपेट में है। अनुमान है कि अगले 24 घंटों के दौरान दिल्ली का तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। यही नहीं, एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। मौसम विभाग ने हीटवेव को लेकर ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। हालांकि, मौसम विभाग ने 11 जून को देर शाम तक बारिश के होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों के लिए जो पूर्वानुमान जारी किया है, उसके अनुसार 11 जून तक अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। 11 जून को दिल्ली में अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। 11 जून तक दिन में गर्म हवाएं चलेंगी और कुछ इलाकों में धूल भरी आंधी (20-30 किमी प्रति घंटा) भी चल सकती है।

12 जून से बदलेगा मौसम

विभाग के मुताबिक, 12 जून से दिल्ली-एनसीआर के मौसम में बदलाव की संभावना है। इस दिन से आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। इस दिन "हॉट एंड ह्यूमिड कंडीशन" का अनुमान जताया गया है और येलो अलर्ट जारी किया गया है। 13 से 15 जून के बीच गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। 13 से 15 जून के बीच तेज हवाएं और गरज के साथ बारिश के होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इन दिनों अधिकतम तापमान के घटकर 37-41 डिग्री सेल्सियस पर आने की संभावना जताई है।

अन्य राज्यों में कैसा रहेगा मौसम?

केवल दिल्ली ही नहीं, समूचे उत्तर भारत में गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में अगले तीन दिनों के लिए हीटवेव की स्थिति को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब और हरियाणा में भी हीटवेव को लेकर चार दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। राजस्थान में हालात और गंभीर हैं। पश्चिमी राजस्थान में हीटवेव के साथ 'वॉर्म नाइट' (गर्म रातों) की चेतावनी दी गई है। क्षेत्र में अगले दो दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पूर्वी राजस्थान में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश भी इस भीषण गर्मी से अछूते नहीं हैं। पश्चिमी व पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा उत्तर मध्यप्रदेश में भी तापमान में वृद्धि की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

द्वारका के एक अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल पर लगी भीषण आग, पिता और दो बच्चों की गई जान

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। द्वारका में एक अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में आग लग गई। मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंचीं। दमकल विभाग ने भीषण आग पर काबू पाया। हादसे के दौरान तीन लोगों की मौत भी हो गई है। ये हादसा द्वारका सेक्टर 13, सबद सोसाइटी एमआरवी स्कूल के पास बिल्डिंग में हुआ। जहां हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो बच्चे (एक लड़का और एक लड़की, दोनों की उम्र 10 साल) खुद को बचाने के लिए बालकनी से कूद गए, जिन्हें आकाश अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। बाद में उनके पिता यश यादव उम्र 35 साल भी बालकनी से कूद गए, जिन्हें भी आईजीआई अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। वह फ्लैक्स बोर्ड के व्यवसाय से जुड़े थे। यश यादव की पत्नी और बड़ा बेटा आग से बच गए और जीवित हैं।

उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए आईजीआई अस्पताल भेजा गया है। सोसाइटी के सभी निवासियों को बाहर निकाल लिया गया है और बिजली और पीएनजी कनेक्शन जैसी सभी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। संरचनात्मक स्थिरता का आकलन करने के लिए डीडीए तथा एमसीडी को सूचित कर दिया गया है। परिवार की सहायता के लिए आकाश तथा आईजीआई अस्पताल दोनों में टीमें तैनात की गई हैं।

माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली मेघा परमार पहुंचीं कोर्ट

एकलपीठ ने सरकार से मांगा जवाब

जबलपुर, 10 जून (एजेंसियां)। माउंट एवरेस्ट सहित विश्व की चार पर्वत चोटी फतह करने के बावजूद विक्रम अवार्ड नहीं दिये जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जस्टिस अमित सेठ की एकलपीठ ने सुनवाई के बाद सरकार को दो सप्ताह में जवाब पेश करने निर्देश जारी किए हैं। एकलपीठ ने इस दौरान याचिकाकर्ता को सरकार के समक्ष अभ्यावेदन पेश करने निर्देश जारी किए हैं।याचिकाकर्ता मेघा परमार की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि वह माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली प्रदेश की पहली महिला है। उसके दल में भावना डेहरिया भी शामिल थीं, जो उनके बाद चोटी पर पहुंची थीं। इसके अलावा माउंट कोस्कियस,माउंट किलिमन तथा माउंट एल्ब्रस की चोटी भी उसने भावना से पहले फतह की थी। याचिका के साथ दोनों का टाइमिंग डाटा भी पेश किया गया था। याचिका में राहत चाही गई थी कि योग्यता के अनुसार भावना के साथ उसे भी विक्रम अवॉर्ड प्रदान किया जाना चाहिए था। याचिका पर पहले चरण में हाईकोर्ट जस्टिस एके सिंह तथा जस्टिस अमित सेठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता की तरफ से बताया गया कि साल 2019 में विक्रम अवार्ड रूल्स में संशोधन करते हुए एडवेंचर गेम को भी शामिल किया गया था। नियम के अनुसार एडवेंजर गेम में लिए एक खिलाड़ी को विक्रम अवार्ड दिया जाए। साल 2016 में एवरेस्ट फतह करने वाले प्रदेश के दो पुरुष को साल 2022 में विक्रम अवार्ड प्रदान किया गया था। सरकार पूर्व में एडवेंचर गेम में सिर्फ एक खिलाड़ी को विक्रम अवार्ड देने का नियम शिथिल कर चुकी है। दोनों खिलाड़ी योग्य हैं तो दोनों को विक्रम अवार्ड प्रदान किया जाना चाहिए। युगलपीठ ने याचिका पर सुनवाई करते एकलपीठ ने निर्देश जारी किये थे। दूसरे चरण में जस्टिस अमित सेठ की एकलपीठ के द्वारा याचिका की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से बताया गया कि विक्रम अवार्ड प्रदान करने के लिए खिलाड़ियों के नाम की घोषणा हो चुकी है। उसमें परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा याचिका में भावना को अनावेदक नहीं बनाने जाने का मुद्दा भी उठाया गया। याचिकाकर्ता की तरफ से बताया गया कि वह भावना को विक्रम अवार्ड दिए जाने के खिलाफ नहीं है।

इसलिए उसे अनावेदक नहीं बनाया गया था। कानूनी प्रक्रिया के तहत आवश्यक होने पर वह याचिका में संशोधन करना चाहते हैं। एकलपीठ ने सुनवाई के बाद उक्त आदेश जारी किये। एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी है कि वह इस संबंध में सरकार के समक्ष अभ्यावेदन पेश कर सकती है। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने पैरवी की।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पहुंचे चीन बॉर्डर सरहद वन उद्यान की रखी आधारशिला

शिमला, 10 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू किन्नौर जिले के शिपकी-ला में चीन बॉर्डर पर पहुंचे। उन्होंने यहां सरहद वन उद्यान की आधारशिला रखी। इसके बाद स्थानीय जनता, सेना और आईटीबीपी के अधिकारियों, जवानों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने शिपकी-ला के सामरिक महत्व पर बल दिया और सैनिक, अर्ध-सैनिक बलों के जवानों में भारत माता की जय के नारों के साथ जोश भरा। मुख्यमंत्री शिपकी-ला में इंदिरा पॉइंट तक भी गए और बॉर्डर का जायजा लिया। सुखविंद्र सिंह सुक्खू इस स्थल पर पहुंचने वाले हिमाचल प्रदेश के दूसरे मुख्यमंत्री हैं। देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी 1968 में हिमाचल के मुख्यमंत्री यशवंत सिंह परमार के साथ यहां आई थीं। उस समय शिपकी-ला पहुंचने के लिए सड़क मार्ग नहीं हुआ करता था।

सेंट्रलाइज कमेटी-ड्रोन-नए 40 एसटीपी

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने समझा दिया यमुना सफाई का प्रोसेस

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में समय-समय पर यमुना की सफाई का मुद्दा उठता रहता है। साथ ही सीएम रेखा गुप्ता की सरकार ने भी यमुना की सफाई का संकल्प लिया था। इसी के चलते सीएम रेखा गुप्ता से जब यमुना की सफाई को लेकर सवाल पूछा गया तो सीएम ने पूरा प्रोसेस समझा दिया। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना सफाई को लेकर 20 नहीं बल्कि एक ही सेंट्रलाइज कमेटी होगी जिसमें केंद्र से लेकर दिल्ली सरकार, एमसीडी और सभी संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। सीएम ने कहा कि दिल्ली में यमुना में गिरने वाले नालों का ड्रोन सर्वे किया जाएगा। साथ ही 40 नए सेंट्रलाइज सीवेज उपचार संयंत्र बनाए जाएंगे। इसी के साथ यमुना पर प्रदूषण की 67 लोकेशन चिन्हित की जाएगी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, मैंने पहले भी जिक्र किया है कि यमुना की सफाई को लेकर पिछली सरकारें सीरियस ही नहीं थी। अब यमुना की सफाई को लेकर जो गंभीरता केंद्र से लेकर दिल्ली तक आई है, उसकी वजह से इस समस्या का एक बेहतर आकलन जरूरी था। इसीलिए ड्रोन के जरिए पूरी यमुना में जितने भी नाले गिरते हैं उनको देखा जाएगा। उनके अंदर कितना पानी बह रहा है, उनको किस तरीके से और बेहतर किया जा सकता है। यह चीजें ड्रोन के जरिए समझी जाएंगी। साथ ही सीएम ने कहा, पिछले 3 महीने में इन नालों के 20 लाख मैट्रिक टन पानी को डिसिल्ट किया गया है, अभी यह रास्ता बहुत लंबा है।

बताया यमुना की सफाई का प्रोसेस

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, हमने 40 सेंट्रलाइज एसटीपी को मंजूरी दे दी है। साथ ही उन्होंने बताया कि यमुना की सफाई के लिए 4,000 करोड़ की लागत से काम शुरू हो गया है। मौजूदा एसटीपी को पुनर्जीवित किया गया है। सीएम ने साथ ही पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब हमने यमुना की सफाई की शुरुआत की, तो हमने देखा कि वहां लगभग 20 समितियां थीं, जो सिर्फ अपने-अपने लेवल पर बैठती होंगी, लेकिन काम जिस तरह से होना चाहिए वो नहीं हो पा रहा था, अब सभी कमेटियों को हटा कर एक नया संगठन बनाया जा रहा है। जिसमें सारे अधिकारी एक प्लेटफॉर्म पर बैठकर जो निर्णय होगा वो लेंगे और उस दिशा में काम करेंगे।

दो महिला डॉक्टरों को तीमारदारों ने पीटा, कपड़े फाड़े और नोंचा

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। रोहिणी स्थित बाबा भीमराव आंबेडकर अस्पताल की एक महिला डॉक्टर ने मरीज के साथ आए तीमारदारों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि दोपहर करीब दो बजे एक महिला मरीज के साथ स्त्री रोग विभाग में तीन से चार महिलाएं आई थीं। किसी बात पर कहासुनी के बाद उन महिलाओं ने पहले महिला डॉक्टर का गला दबाया, फिर उनके कपड़े फाड़ दिए। डॉक्टर को नोंच लिया, उनके शरीर पर नाखून के निशान भी मिले हैं। वहीं, डॉक्टर को बचाने आई एक अन्य महिला डॉक्टर के साथ भी तीमारदारों ने मारपीट की। आरोप है कि वहां तैनात सुरक्षाकर्मी ने भी महिला डॉक्टर को बचाने की कोशिश नहीं की। आंबेडकर अस्पताल के रेजिडेंट डाक्टर एसोसिएशन का आरोप है कि इस मामले में मारपीट करने वाली महिलाओं के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं है और कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि इस मामले में डॉक्टरों की बैठक अस्पताल प्रशासन के साथ होगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
बुधवार, 11 जून, 2025

सुविचार
आपके भूतकाल में जो हुआ है उसकी चिंता छोड़ो और भविष्य को बेहतर बनाने पर कार्य करो।

जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर तेलंगाना में राजनीति गरमाई

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक मगंती गोपीनाथ के निधन के बाद हैदराबाद जिले के जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव अपरिहार्य हो गया है। जिले में एक साल के भीतर चुनाव होने की संभावना के साथ, क्या चुनाव सर्वसम्मति से होंगे? बीआरएस पार्टी अपनी मौजूदा सीट को बरकरार रखने के लिए क्या कदम उठाएगी? क्या सत्तारूढ़ कांग्रेस सिकंदराबाद कैंटोनमेंट विधानसभा सीट की तरह इस सीट पर भी कब्जा करेगी? भाजपा और एमआईएम पार्टियों की रणनीति क्या है? इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि अगर उम्मीदवारों को टिकट नहीं मिलता है तो राजनीतिक दल उनका कितना साथ देते हैं? जुबली हिल्स सीट पर उपचुनाव के लिए हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक कवायद शुरू नहीं हुई है, लेकिन टिकट के लिए उम्मीदवार राजनीतिक रूप से अपनी कोशिशें तेज कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने अपने गॉडफादर के जरिए पार्टी हाईकमान से पैरवी शुरू कर दी है। जब भी ऐसी स्थिति बनती है, बीआरएस पार्टी अपने परिवार के सदस्यों को टिकट देती रही है। अगर ऐसा होता है तो पूर्व विधायक गोपीनाथ की पत्नी मगंती सुनीता को टिकट दिए जाने की संभावना है। हालांकि, पीजेआर के बेटे और पूर्व विधायक पी. विष्णुवर्धन रेड्डी और रावुला श्रीधर रेड्डी जैसे नेताओं के नाम गुलाबी पार्टी में सुनाई दे रहे हैं।

पिछले चुनाव में कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़े और हार गए पूर्व टीम इंडिया के क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन, पीजेआर की बेटी पी. विजया रेड्डी और नवीन यादव का नाम भी कांग्रेस पार्टी की ओर से सामने आ रहा है। पिछले चुनाव में भाजपा से चुनाव लड़ने वाले लंकाला दीपक रेड्डी के साथ-साथ जुतुर कीर्ति रेड्डी, डॉ. पद्मा वीरपनेनी और बंडारू विजया लक्ष्मी का नाम भाजपा में उम्मीदों की सूची में है। जुबली हिल्स क्षेत्र में मुस्लिम अल्पसंख्यक वोट उपचुनाव में निर्णायक होंगे।

राशिद फराजुद्दीन ने पिछले विधानसभा चुनाव में एमआईएम पार्टी की ओर से चुनाव लड़ा था और हार गए थे। हालांकि, ताजा राजनीतिक हालात को देखते हुए ऐसी उम्मीदें हैं कि अगर एमआईएम पार्टी मुकाबले से दूर रहती है तो कांग्रेस पार्टी की जीत की संभावना बढ़ जाएगी। फिलहाल तेलंगाना में मुख्य राजनीतिक दलों के बीच राजनीति चल रही है। कांग्रेस सरकार अपने किए गए वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वह हर योजना को लागू करके आगे बढ़ेगी। दूसरी ओर, बीआरएस पार्टी और भाजपा यह कहकर रेवंत रेड्डी सरकार को चुनौती दे रही है कि जनता का विरोध बढ़ गया है और अगर राज्य में उपचुनाव होता है तो जीत उनकी होगी। ऐसे में जुबली हिल्स क्षेत्र में उपचुनाव होना बीआरएस और भाजपा के लिए चुनौती बन जाएगा। कांग्रेस पार्टी के जीतने या हारने से कोई अतिरिक्त लाभ नहीं है। लेकिन, अगर बीआरएस पार्टी अपनी मौजूदा सीट हार जाती है तो संभावना है कि जनता को यह संकेत जाएगा कि उनकी बढ़ती ताकत के बारे में वे सालों से जो प्रचार कर रहे हैं वह व्यर्थ हो जाएगा। दूसरी ओर, भाजपा दावा कर रही है कि राज्य में उनका समर्थन बढ़ रहा है और लोग रेवंत सरकार का विरोध कर रहे हैं। इस दावे को सच साबित करने के लिए पार्टी को इस चुनाव में अपनी ताकत भी दिखानी होगी। इसके साथ ही यह चुनाव भाजपा के लिए भी चुनौती बन जाएगा। इस क्रम में सीएम रेवंत रेड्डी क्या रणनीति लागू करने जा रहे हैं? कैंटोनमेंट विधानसभा सीट के अनुभव के बाद केसीआर का नया खाका क्या है, यह आने वाले दिनों में देखने लायक होगा।

उत्तम कुमार रेड्डी को तत्काल दिल्ली बुलाए जाने के बाद कांग्रेस में सस्पेंस

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने नई दिल्ली तलब किया है, जबकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सोमवार से ही हाईकमान के साथ बैठक कर रहे थे। सिंचाई मंत्री अपनी पत्नी और कोडाद विधायक एन पद्मावती रेड्डी के साथ पहले ही राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हो चुके हैं, जिससे अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। मुख्यमंत्री सोमवार से ही तीन नए मंत्रियों को विभाग आवंटित करने के लिए दिल्ली में हैं, इसलिए सस्पेंस बना हुआ है। सिंचाई मंत्री को राष्ट्रीय राजधानी बुलाए जाने के बाद, तीन नए मंत्रियों को विभाग आवंटित करने के अलावा विभागों में फेरबदल की संभावना पर चर्चा जोर पकड़ रही है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार रात को एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की थी। इसके बाद एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ इंदिरा भवन में एक और बैठक हुई, जो एक घंटे से अधिक समय तक चली। इन बैठकों के बीच, सिंचाई मंत्री को नई दिल्ली पहुंचने का निर्देश देने वाले आलाकमान ने कई अटकलों को जन्म दिया है। दरअसल, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि उत्तम कुमार रेड्डी बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी जाने वाले थे, जहां वे कुछ अधिकारियों और केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर लंबित आधिकारिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

नेता ने कहा कि सिंचाई मंत्री को हाईकमान द्वारा अचानक दिए गए आदेश पर कोई स्पष्टता नहीं है। मंत्रिमंडल विस्तार से उन उम्मीदवारों में असंतोष पैदा हो गया है जो मंत्री पद की उम्मीद कर रहे थे। इब्राहिमपट्टनम के विधायक मालरेड्डी रंगारेड्डी ने जोर देकर कहा कि पूर्ववर्ती रंगारेड्डी जिले से एक विधायक को मंत्री बनाया जाना चाहिए और अगर पार्टी उनकी याचिका पर विचार नहीं करती है तो वे विधायक पद छोड़ने की अपनी पिछली प्रतिज्ञा पर अड़े हुए हैं, वहीं बोधन विधायक सुदर्शन रेड्डी के समर्थकों ने पार्टी को अल्टीमेटम दिया है कि स्थानीय निकाय चुनावों से पहले उनके नेता को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना चाहिए। मंत्रिमंडल में अभी भी तीन रिक्तियां हैं, इसलिए इस बात पर भी अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या असंतुष्ट विधायकों को पार्टी के भीतर और अधिक विद्रोह से बचने के लिए पद देकर शांत किया जा सकता है।

बीआरएस कार्यकर्ताओं ने बस भवन पर धरना दिया, कविता गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी के प्रदेश अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव के नेतृत्व में छात्रों ने आज बस भवन पर धरना दिया और बस पास शुल्क में वृद्धि को कम करने की मांग की। पुलिस ने गेलू श्रीनिवास यादव, उपाध्यक्ष पडाला सतीश, कादरी स्वामी यादव, साथ ही धरने में भाग लेने वाले बीआरएसवी कार्यकर्ताओं और छात्रों को हिरासत में लिया। इस अवसर पर बोलते हुए गेलू श्रीनिवास यादव ने कहा कि आरटीसी बस पास शुल्क में वृद्धि से गरीब छात्रों पर वित्तीय बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा, प्रत्येक छात्र पर 250 से 350 रुपये का बोझ पड़ रहा है। केसीआर के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान छात्रों पर ऐसा कोई बोझ नहीं डाला गया था। गेलू श्रीनिवास यादव ने रेवंत सरकार पर महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा प्रदान करने और एक तरफ बसों की संख्या न बढ़ाकर और दूसरी तरफ किराए में वृद्धि करके छात्रों को गंभीर कठिनाई देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह मांग कर रहे हैं कि कांग्रेस सरकार तुरंत बढ़े हुए बस किराए को रद्द करे।

तेलंगाना जागृति के संस्थापक अध्यक्ष और बीआरएस पार्टी के एमएलसी कलवकुंतला कविता को मंगलवार को तेलंगाना जागृति कार्यकर्ताओं के साथ बस भवन को अवरूद्ध करने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया। उन्होंने टीजीएसआरटीसी प्रबंधन द्वारा बढ़ाए गए बस पास की कीमतों में तत्काल कमी की मांग करते हुए बस भवन को अवरूद्ध करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने उनके प्रयास को रोक दिया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कविता ने पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयासों का विरोध किया और सड़क पर बैठ गईं। इससे भारी ट्रैफिक जाम हो गया।

पेंटर को धमकाने के आरोप में कुख्यात गुंडे समेत 3 गिरफ्तार

आदिलाबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को यहां ऋण पर ब्याज वसूलने के दौरान एक व्यक्ति को कथित तौर पर धमकाने के आरोप में एक कुख्यात गुंडे सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में आदिलाबाद के डीएसपी जीवन रेड्डी ने कहा कि सलीम नामक कथित गुंडे को मुज्जू और समीर के साथ शहर के क्रांतिनगर के एक पेंटर मोथकुलवर राजू उर्फ बालू को कर्ज चुकाने में देरी के कारण आतंकित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सलीम पर पहले भी बड़ी दरांतियों के साथ तस्वीरें पोस्ट करके लोगों में डर पैदा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

राजू ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि सलीम ने उसे कर्ज न चुकाने पर जान से मारने की धमकी दी और उसकी जेब से जबरन 2,000 रुपये निकाल लिए। उसने सलीम, मुज्जू और समीर पर आरोप लगाया कि वे उसके घर पर 25,000 रुपये के कर्ज पर ब्याज वसूलने आए थे, जो उसने तीन महीने पहले मुज्जू से लिया था। पुलिस ने चेतावनी दी कि जनता को धमकाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तेलंगाना में खो दीं 19,000 से अधिक उम्मीदवारों ने डिग्री सीटें

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 19,000 से अधिक उम्मीदवारों ने अपनी डिग्री सीटें खो दी हैं क्योंकि वे दिशानिर्देशों के अनुसार डिग्री ऑनलाइन सेवा तेलंगाना (डीओएसटी) 2025 वेबसाइट पर ऑनलाइन रिपोर्ट करने में विफल रहे। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, दोस्त 2025 में वेब काउंसलिंग के पहले चरण में 60,428 उम्मीदवारों को सीटें आवंटित की गईं। हालांकि, केवल 41,285 उम्मीदवारों ने अपनी सीट आवंटन की पुष्टि की क्योंकि ऑनलाइन स्व-रिपोर्टिंग 6 जून को समाप्त हो गई। टीजीसीएचई ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यदि कोई अभ्यर्थी ऑनलाइन स्व-रिपोर्टिंग के माध्यम से आवंटित सीट आरक्षित करने में विफल रहता है, तो वह सीट खो देगा तथा डीओएसटी पर उसका पंजीकरण स्वतः ही रद्द हो जाएगा।

दूसरे चरण की काउंसलिंग के लिए 35,954 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था, 34,276 ने अपने आवेदन पूरे किए, जबकि 33,409 ने पंजीकरण शुल्क का भुगतान किया, और पहले चरण के उम्मीदवारों सहित 46,886 उम्मीदवारों ने सीटों और कॉलेजों के आवंटन के लिए अपने वेब विकल्पों का इस्तेमाल किया। सीटें 13 जून को आवंटित की जाएंगी और उम्मीदवारों को 13 से 18 जून के बीच इसकी पुष्टि करनी होगी। वेब काउंसलिंग के तीसरे चरण के लिए पंजीकरण एवं वेब विकल्प 13 से 19 जून तक होंगे, जिसका शुल्क 400 रुपये होगा।

विशेष श्रेणी के प्रमाण-पत्रों (पीएच, सीएपी, एनसीसी और पाठ्येतर गतिविधियां) का सत्यापन 18 जून को किया जाएगा। इसके बाद 23 जून को सीटें आवंटित की जाएंगी और अभ्यर्थियों को 23 से 28 जून के बीच ऑनलाइन रिपोर्ट करनी होगी।

एओसी सेंटर के रंगरूटों ने औपचारिक परेड में पास आउट किया

एओसी सेंटर के कमांडेंट मेजर जनरल राकेश मनोचा ने परेड की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सेना आयुध कोर (एओसी) के रंगरूटों की औपचारिक पासिंग आउट परेड (पीओपी) एओसी सेंटर, सिकंदराबाद में आयोजित की गई, जो 34 सप्ताह के गहन सैन्य प्रशिक्षण के सफल समापन का प्रतीक है। नए भर्ती किए गए सैनिकों ने युद्ध के मैदान में शारीरिक सहनशक्ति, ड्रिल, हथियार प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट और अन्य आवश्यक सैन्य अनुशासनों में कठोर तैयारी की है- जो उन्हें भारतीय सेना में सेवा की मांगों के लिए तैयार करती है। एओसी सेंटर के कमांडेंट मेजर जनरल राकेश मनोचा ने परेड की समीक्षा की।

परेड को संबोधित करते हुए, समीक्षा अधिकारी ने रंगरूटों को उनके प्रशिक्षण के सफल समापन पर बधाई दी और उनसे कर्तव्य, सम्मान और साहस के मूल सैन्य मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे अपने कर्तव्यों का पालन अत्यंत समर्पण, व्यावसायिकता और ईमानदारी के साथ करने का आग्रह किया। मेजर जनरल मनोचा ने उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण प्रदान करने में उनकी अटूट प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता के लिए अनुदेशात्मक कर्मचारियों की भी सराहना की। इस कार्यक्रम में रंगरूटों के गौरवान्वित माता-पिता और रिश्तेदार भी मौजूद थे, जो इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को साझा करने के लिए मौजूद थे। समीक्षा अधिकारी ने प्रशिक्षण के दौरान असाधारण प्रदर्शन के लिए उत्कृष्ट रंगरूटों को सम्मानित किया। रंगरूट (ऑर्ड) मनीष कुमार को सर्वश्रेष्ठ रंगरूट घोषित किया गया और उन्हें दक्षिणी कमान रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। परेड का समापन युवा सैनिकों द्वारा निष्ठा की शपथ लेने के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सम्मान, गौरव और अटूट संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लिया।

साइबर अपराधियों ने सुप्रीम कोर्ट के जज बनकर पूर्व सीई से 1.5 करोड़ रुपये लूटे

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के दिनों में साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं और आसानी से उन्हें ठग रहे हैं। पुलिस द्वारा कई बार साइबर अपराधियों के जाल में न फंसने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद कुछ मासूम लोग अपना सब कुछ खो रहे हैं। पुलिस द्वारा बार-बार लोगों को सावधान रहने की चेतावनी दिए जाने के बाद भी अगर कोई जालसाज बैंक अधिकारी या कुछ खास लोग बनकर फोन करके बैंक अकाउंट नंबर और ओटीपी मांगता है तो साइबर अपराधियों ने भी अपना रास्ता बदल लिया है। इस बार जालसाजों ने सुप्रीम कोर्ट के जज का नाम लेकर एक पीड़ित के साथ नई ठगी की है। सुप्रीम कोर्ट के जज का नाम लिए जाने पर पीड़ित घबरा गया और उसने अपने सारे पैसे जालसाजों को सौंप दिए। आखिरकार सच्चाई जानकर पीड़ित के होश उड़ गए। अब देखते हैं कि साइबर अपराधियों ने किस तरह से ठगी की। वनस्थलीपुरम में पूर्व चीफ इंजीनियर से जालसाजों ने करीब 1.5 करोड़ रुपये ठग लिए । एक दिन पीड़ित को एक व्यक्ति का फोन आया। साइबर अपराधियों ने उसे धमकाया कि उसका नाम एक मामले में आया है। जालसाजों ने उसे यह कहकर आश्वस्त किया कि मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जांच की जाएगी। उन्होंने उसे झूठा बताया कि मामले की जांच खुद जस्टिस कर रहे हैं। उन्होंने उसे यह भी कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट के जज का वीडियो कॉल आए तो वह झुककर विनम्रता से बात करे। पीड़ित को लगा कि फोन कॉल और वीडियो कॉल सुप्रीम कोर्ट के जज की तरफ से है। कुछ ही मिनटों में फर्जी जज वीडियो कॉल पर आ गया। उसने इंजीनियर को चेतावनी दी कि यह मामला गंभीर है और उसे गिरफ्तार करना होगा। फर्जी जज ने उसे केस से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के खाते में पैसे जमा करने को कहा। उसने उसे आश्वस्त किया कि केस खत्म होने के बाद पैसे वापस कर दिए जाएंगे।

फर्जी जज पर विश्वास करने वाले रिटायर्ड चीफ इंजीनियर ने निर्देशानुसार बैंक में करीब 1.50 करोड़ रुपये जमा कर दिए। कई दिन बीत जाने के बाद भी पैसे वापस नहीं आए और रिटायर्ड चीफ इंजीनियर को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो उसने राचकोंडा पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें किस तरह का फोन आया और उन्होंने किस तरह से पैसे जमा किए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस एक बार फिर लोगों को साइबर अपराधियों से सावधान रहने की चेतावनी दे रही है। दूसरी ओर, एक बैंक अधिकारी से भी साइबर अपराधियों ने करीब 4 लाख रुपये ठग लिए। उन्होंने पीड़ित को फोन कर पता अपडेट करने की बात कही और उनके बैंक खाते से 3.92 लाख रुपये उड़ा लिए। साइबर अपराधियों ने मुशीराबाद के एक सरकारी कर्मचारी को फोन किया। उन्होंने पीड़ित को बताया कि वह वाई बैंक का रिलेशनशिप मैनेजर है और उसे पता अपडेट करने के लिए राजी कर लिया। पीड़ित ने एपीके फाइलें भेजे जाने के बाद उन्हें इंस्टॉल कर लिया। देखते ही देखते पीड़ित के खाते से 3.92 लाख रुपये गायब हो गए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

कर्ज चुकाने के बढ़ते दबाव से परेशान होकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ते कर्ज और दोस्तों द्वारा ऋण चुकाने के दबाव से परेशान होकर सोमवार को चंद्रायनगुट्टा के केशवगिरी में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। ओडिशा से निर्माण मजदूर सागर राजू (57) शहर में आकर बस गए थे और पिछले छह सालों से विभिन्न निर्माण स्थलों पर काम कर रहे थे। वह चंद्रायनगुट्टा में पीली दरगाह के पास किराए के मकान में अकेले रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, सागर की दोस्ती नरसिम्हुलु नामक एक राजमिस्त्री से हुई और 2020 में महामारी के दौरान काम न मिलने के कारण उसने नरसिम्हुलु से कुछ समय के लिए 5 लाख रुपये का ऋण लिया था। हालांकि, बार-बार याद दिलाने और अनुरोध करने के बाद भी, वह वादे के अनुसार इसे चुकाने में विफल रहा।

रविवार की रात को नरसिंहुलु सागर को जबरन अपने दोस्त यूसुफ के घर पटेलनगर ले गया। वहां नरसिंहुलु, यूसुफ और उनके दोस्त कासिम ने कथित तौर पर सागर को घर में बंधक बना लिया और तुरंत कर्ज चुकाने या फिर कर्ज चुकाने की समयसीमा बताने वाले वचन पत्र पर हस्ताक्षर करने की मांग की। तीनों घर से बांड का मसौदा तैयार करने के लिए चले गए और सागर को घर में अकेला छोड़ दिया। घटनाक्रम से परेशान होकर उसने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। बंडलागुडा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता पोस्टर का अनावरण

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 12 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम विरोधी दिवस के अवसर पर तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एससीपीसीआर) ने महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग (डब्ल्यूसीडी) के सहयोग से "बाल श्रम समाप्त करें" के संदेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सप्ताह तक चलने वाला जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस महत्वपूर्ण अभियान की प्रतीकात्मक शुरूआत के रूप में महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने मंगलवार को मसाब टैंक स्थित दामोदर संजीवैया कल्याण भवन में एक पोस्टर का अनावरण किया। कार्यक्रम में एससीपीसीआर की अध्यक्ष सीता दयाकर रेड्डी और आयोग के सदस्य भी मौजूद थे। इस संदेश को जमीनी स्तर पर फैलाने के लिए आयोग ने तेलंगाना के सभी जिला कलेक्टरों को आधिकारिक संदेश जारी किया है, जिसमें उनसे 12 जून से जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया गया है। एक महत्वपूर्ण जन सहभागिता प्रयास के तहत, आयोग 12 जून को ऐतिहासिक चारमीनार में जन जागरूकता बढ़ाने और सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करने के लिए एक सार्वजनिक बैठक आयोजित कर रहा है।

एससीआर ने रद्द की कम यात्रियों के कारण सिकंदराबाद से काकीनाडा जाने वाली ट्रेन

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कम यात्रियों के कारण, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने 12 जून को चलने वाली सिकंदराबाद-काकीनाडा टाउन (07041) ट्रेन और 13 जून को चलने वाली काकीनाडा टाउन-सिकंदराबाद (07042) ट्रेन को रद्द कर दिया था। एससीआर प्राधिकारियों ने रेल उपयोगकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं और असुविधा से बचें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Sapna Hunsnale, W/o, No. 14667360W, NK, Sopan, R/o, Bidar Dist, Karnataka, changed my name from Sapna Hunsnale to Sapna vide Affidavit dt 06.06.2025, before 1st Special Metropolitan Magistrate, Cyberabad.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग सं.CAT-PnU-00045

Seq. सं.AA/1: लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-MKRD-Toi-50-25-1 (Pay and Use-Toilets), विवरण: माछकुण्ड रोड पर पे एंड यूज टॉयलेट।

Seq. सं.AA/2: लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-SUKU-Toi-52-25-1 (Pay and Use-Toilets), विवरण: सुकु रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज टॉयलेट।

Seq. सं.AA/3: लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-DMNJ-Toi-51-25-1 (Pay and Use-Toilets), विवरण: दामनजोडि रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज टॉयलेट।

Seq. सं.AA/4: लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-BGUA-Toi-53-25-1 (Pay and Use-Toilets), विवरण: बाईगुड़ा रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज टॉयलेट।

Seq. सं.AA/5: लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-RGDA-Toi-47-25-1 (Pay and Use-Toilets), विवरण: रायगड़ा रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज टॉयलेट।

Seq. सं.AA/6: लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-DVD-Toi-45-24-1 (Pay and Use-Toilets), विवरण: दुव्वाडा स्टेशन पर पे एंड यूज टॉयलेट।

दर यूनिट: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (सभी Seq. सं.के लिए), ट्रिप/दिवस: 1096 (सभी Seq. सं.के लिए), लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय: दिनांक : 12.06.2025 को 1100 बजे (सभी Seq. सं.के लिए) , लॉट समाप्त होने की तिथि व समय: दिनांक : 12.06.2025 को 1130 बजे (Seq. सं.AA/1 के लिए), 1140 बजे (Seq. सं.AA/2 के लिए), 1150 बजे (Seq. सं.AA/3 के लिए), 1200 बजे (Seq. सं.AA/4 के लिए), 1210 बजे (Seq. सं.AA/5 के लिए) एवं 1220 बजे (Seq. सं.AA/6 के लिए), न्यूनतम वृद्धि(%): 0.2 (सभी Seq. सं.के लिए), लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (सभी Seq. सं.के लिए)।

विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल वणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-214/Q/25-26

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the general public that M/S Sanghi Poly Zips Pvt Ltd., M/s K.M.S Constructions Pvt Ltd., M/s Sanghi Plantations Ltd., M/s SZF Pvt Ltd., M/s Sanghi Textiles Pvt. Ltd and M/s Sanghi Spinners India Ltd., having entered into Agreement of Sale dt.05.08.2006 to sell the lands mentioned in the schedule, totally admeasuring Ac.685.05 Guntas, in favour of my client **M/s SANGHI SEZ PVT LTD,** rep by its Director. My client subsequently validated the said agreement with the District Registrar Ranga Reddy District vide proceeding No.5809/AR/07. The vendors of my client also executed a memorandum of understanding in favour of my client on the same day. Subsequently the vendors of my client also executed deeds of confirmation dt.13.09.2006 in favour of my client and further the vendors of my client confirmed the possession of my client over the said land. The Govt of India by GO No.1475, dt. 12.12.2006, my client **M/S SANGHI SEZ PVT LTD,** granted permission for setting up a SEZ for Information Technology, etc. The vendors of my client having inducted my client into the actual, physical and vacant possession of the same, now the below 4 Companies by suppressing the subsisting Agreement of Sale in favour of my client are offering the schedule mentioned lands for sale, development and mining etc. to cause loss to my client. In view of the said facts, the general public are hereby cautioned not to negotiate and enter into any transactions with below 4 companies in respect of the schedule mentioned property. Inspite of this public notice, if any person deals with the said companies in respect of the schedule mentioned property, they will be doing so at their own risk and costs.

SCHEDULE PROPERTY

The lands agreed to be sold by M/s Sanghi Poly Zips Pvt Limited: Land admeasuring Ac.70.24 Gts, covered by Sy Nos.278, 296, 297, 298, 420, 421, 422, 423, 426, 427, 428, 429, 430, 508 & 509, situated at Koheda village, Hayath Nagar Mandal, Ranga Reddy District.
The lands agreed to be sold by M/s Sanghi Plantations Limited: Land admeasuring Ac.117.26 Gts, covered by Sy Nos.21, 129, 130, 262, 263, 264, 269, 270, 271, 277, 279, 280, 281, 282, 285, 287, 288, 289, 290, 292, 294, 296, 297, 300, 415, 420, 428, 429, 430, 432, 439 & 498, situated at Koheda village, Hayath Nagar Mandal, Ranga Reddy District.
The lands agreed to be sold by M/s SZF Pvt Limited: Land admeasuring Ac.73.02 Gts, covered by Sy Nos 296, 297, 298, 420, 421, 423, 426, 430, 431, 432, 497, 508 & 509 situated at Koheda village, Hayath Nagar Mandal, Ranga Reddy District.
The lands agreed to be sold by M/s Sanghi Spinners India Limited: Land admeasuring Ac. 33.26 Gts, covered by Sy Nos.67/9, 166, 167/2, 167/7, 167/8, 167/10, 363, 364, 369, situated at Koheda village, Hayath Nagar Mandal, Ranga Reddy District.

Sd/- T.RADHAKISHAN RAO
Advocate
Plot No.26, H.No. 2-3-930, Road No.2, Arunodaya Colony, Nagole, Hyderabad 500 068.
Phone : 9866599013

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the general public that M/S Sanghi Industries Ltd, M/S Sanghi Leathers Pvt Ltd, M/s Sanghi Zip Fasteners Pvt Ltd, M/s Sanghi Textiles Pvt. Ltd, M/s Sanghi Plantations Ltd, M/s Sanghi Spinners India Limited & M/s Sanghi Poly Zips Pvt Ltd, having entered into Agreement of Sale to sell the lands mentioned in the schedule, totally admeasuring Ac.652-22 Guntas, in favour of my client **M/s SANGHI SEZ PVT LTD,** rep by its Director, vide registered Agreement of Sale bearing Document No.7496/2007, dt.04.06.2007, have inducted my client into the actual, physical and vacant possession of the same and also conferred all the powers to deal with the said lands including sale. The said 7 Companies suppressing the subsisting Agreement of Sale in favour of my client are offering the schedule mentioned lands for sale, development and mining etc, to cause loss to my client. In view of the said facts, the general public are hereby cautioned not to negotiate and enter into any transactions with above said 7 companies in respect of the schedule mentioned property. Inspite of this public notice, if any person deals with the said companies in respect of the schedule mentioned property, they will be doing so at their own risk and costs.

SCHEDULE PROPERTY

[illegible]

Sd/- T.RADHAKISHAN RAO
Advocate
Plot No.26, H.No. 2-3-930, Road No.2, Arunodaya Colony, Nagole, Hyderabad 500 068.
Phone : 9866599013

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the general public that M/s Sanghi Industries Ltd, M/s Sanghi Spinners India Ltd & M/s Sanghi Textiles Pvt Ltd, having entered into Agreement of Sale to sell the lands mentioned in the schedule, totally admeasuring Ac.1123.17 Gts, in favour of my client **M/s SANGHI SEZ PVT LTD,** rep by its Director, vide registered Agreement of Sale bearing Document No.7497/2007, dt.04.06.2007, have inducted my client into the actual, physical and vacant possession of the same and also conferred all the powers to deal with the said lands including sale. The said 3 Companies suppressing the subsisting Agreement of Sale in favour of my client are offering the schedule mentioned lands for sale, development and mining etc. to cause loss to my client. In view of the said facts, the general public are hereby cautioned not to negotiate and enter into any transactions with above said 3 companies in respect of the schedule mentioned property. Inspite of this public notice, if any person deals with the said companies in respect of the schedule mentioned property, they will be doing so at their own risk and costs.

SCHEDULE PROPERTY

[illegible]

Sd/- T.RADHAKISHAN RAO
Advocate
Plot No.26, H.No. 2-3-930, Road No.2, Arunodaya Colony, Nagole, Hyderabad 500 068.
Phone : 9866599013

अमिताभ के बाद कौन होगा उनकी जायदाद का असली हकदार, एक्टर ने खुद किया खुलासा

अमिताभ बच्चन की फिल्म 'हाउसफुल 5' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। इसलिए अभिषेक बच्चन सुर्खियों में हैं। इस बीच अभिषेक बच्चन को लेकर अमिताभ बच्चन का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन अक्सर कहते हैं कि उन्होंने अपने दोनों बच्चों अभिषेक बच्चन और श्वेता बच्चन की बराबरी से परवरिश की है। ऐसे में अमिताभ बच्चन ने बताया है कि उनके बाद उनकी संपत्ति का असली हकदार कौन होगा।

इस तरह जायदाद का बंटवारा करेंगे अमिताभ बच्चन

साल 2011 में रेडिफ से बातचीत में अमिताभ बच्चन ने कहा था 'जब मेरा निधन हो जाएगा, तब जो भी मेरे पास बचेगा उसमें से आधा मेरे बेटे और बेटी में बंटेगा। इसमें कोई भेदभाव नहीं होगा। जया और मैंने बहुत पहले ही इस बात पर फैसला कर लिया था। हर कोई कहता है कि बेटी पराया धन होती है। वह पति के घर जाती है लेकिन मेरी नजर में वह मेरी बेटी है। उसके भी वही हक हैं जो अभिषेक के हैं।'

अमिताभ बच्चन के पास है प्रॉपर्टी

इंडिया रिच लिस्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन और उनके परिवार के पास लगभग 1600 करोड़ की संपत्ति है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन ने अपना पुराना घर प्रतीक्षा को अपनी बेटी श्वेता बच्चन को दे दिया है। इसकी कीमत लगभग 50 करोड़ थी। उनके पास मुंबई, अयोध्या, पावना और पुणे में कई दूसरी प्रॉपर्टी भी हैं।

अमिताभ बच्चन का काम

फिलहाल अमिताभ बच्चन अपने बंगला 'जलसा' में रहते हैं। काम की बात करें तो अमिताभ बच्चन हाल ही में फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आए थे।

कोंकणा सेन के साथ अफेयर की खबरों पर अमोल पाराशर ने दी प्रतिक्रिया, बोले- 'कुछ भी हो सकता है'

हाल ही में वेब सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' में नजर आए अभिनेता अमोल पाराशर इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। अमोल पाराशर का नाम अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभी तक दोनों की ओर से इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। लेकिन दोनों को कुछ एक मौकों पर साथ देखा गया,

जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं लगातार बॉलीवुड के गलियारों में घूम रही हैं। अब कोंकणा सेन शर्मा के साथ अपने रिलेशनशिप की खबरों पर पहली बार अमोल पाराशर ने प्रतिक्रिया दी है।

'मैं खुद सोशल मीडिया पर शेयर करूंगा'

अमोल पाराशर ने अपने अफेयर की खबरों पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए कहा, किसी ने मुझसे नहीं पूछा। बल्कि सभी ने अपने कयास लगाने शुरू कर दिए। पहले मैं हर खबर पर रिएक्शन देता था, लेकिन अब मैंने आगे बढ़ना सीख लिया है। अगर कुछ होगा और मुझे शेयर करना होगा, तो मैं इसे खुद सोशल मीडिया पर शेयर करूंगा। आपकी जिंदगी में लोग हैं। किसी से आप करीब होते हैं और किसी से आप ज्यादा करीब होते हैं। हर रिश्ते को नाम देना जरूरी नहीं है। आप खुश, सामने वाला खुश और घरवाले खुश, बस इतना ही काफी है।"

'मुझे खुद को सरप्राइज करना पसंद है'

कोंकणा के साथ डेटिंग की अफवाहों के बीच अपनी शादी की योजना के बारे में बात करते हुए अमोल ने कहा, "पहले मां मुझ पर दबाव डालती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। कुछ भी हो सकता है। मुझे खुद को सरप्राइज करना पसंद है और मेरा परिवार यह जानता है। अगर शादी होगी, तो मैं भी इसे इंस्टा पर पोस्ट करूंगा, क्योंकि यह सभी के लिए मायने रखता है। लेकिन अभी तक, मेरे पास बात करने के लिए कुछ नहीं है।"

काम के तय घंटों की मांग पर दीपिका पादुकोण के सपोर्ट में आईं नेहा, कहा- हमें शर्मिंदा किया जाता है

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल हैं। बीते दिनों फिल्म 'स्पिरिट' में उनके काम करने की खबर आई, फिर पता चला कि वे फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह तृप्ति डिमरी को मेकर्स ने साइन किया है। बाद में अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए गए कि दीपिका ने मेकर्स के सामने आठ घंटे तक ही काम करने की शर्त रखी थी। साथ ही तगड़ी फीस भी मांगी। इस पर काफी विवाद चल रहा है। शिफ्ट टाइमिंग को लेकर पंकज त्रिपाठी और मणिरत्नम जैसे दिग्गज दीपिका का सपोर्ट कर चुके हैं। अब नेहा धूपिया ने भी दीपिका का समर्थन किया है।

नेहा धूपिया बोलीं- 'हमें दरकिनार कर दिया जाता है'

नेहा धूपिया ने आठ घंटे की सीमित शिफ्ट टाइमिंग में काम करने की दीपिका पादुकोण की कथित डिमांड का सपोर्ट किया है। साथ ही दीपिका पादुकोण का बचाव करती नजर आई हैं। उन्होंने आज सोमवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट लिखा है। नेहा ने लिखा है, 'वर्क-लाइफ बैलेंस बातचीत से परे ले जाने के लिए, नई माओं को व्यावहारिक सपोर्ट और सोच-विचार की जरूरत है। इसके बजाय हमें अक्सर शर्मिंदा किया जाता है या दरकिनार कर दिया जाता है'।

'मैं दीपिका के साथ हूं'

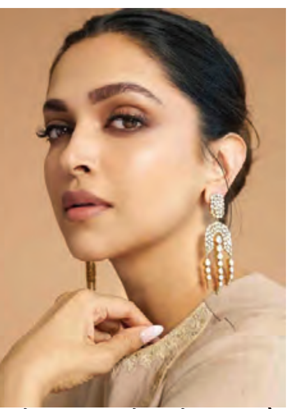

नेहा धूपिया ने आगे लिखा है, 'मैं एक कामकाजी मां के रूप में दीपिका पादुकोण के काम करने घंटों के उचित अनुरोध के साथ हूं'। बता दें कि फिल्म 'स्पिरिट' का निर्देशन संदीप रेड्डी वंगा कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दीपिका ने आठ घंटे तक ही काम करने और 40 करोड़ रुपये फीम की डिमांड रखी थी। संदीप रेड्डी वंगा ने इसे अस्वीकार कर दिया, जिसके चलते दीपिका ने फिल्म छोड़ दी।

मणिरत्नम ने भी किया दीपिका का सपोर्ट

तय अवधि तक काम करने की दीपिका की डिमांड पर कई सितारे उनके सपोर्ट में आए हैं। इस लिस्ट में नेहा धूपिया का नाम भी जुड़ गया है। इससे पहले न्यूज 18 के साथ एक इंटरव्यू में मणिरत्नम ने इस मसले पर दीपिका को सपोर्ट किया। उन्होंने इस बात पर भी खुशी जताई कि अभिनेत्री इस पोजिशन पर हैं कि वे इस तरह की मांग कर सकती हैं।

अल्लू अर्जुन की फिल्म में दीपिका की एंट्री

दीपिका पादुकोण के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है। वे एटली की अगली फिल्म में नजर आएंगी, जिसमें अल्लू अर्जुन भी हैं। इसमें दीपिका काफी मजबूत किरदार अदा कर रही हैं। उन्हें एक्शन करते देखा जाएगा। हाल ही में मेकर्स ने अनाउंसमेंट वीडियो शेयर कर बताया कि दीपिका पादुकोण फिल्म का हिस्सा हैं।

कपिल शर्मा कॉमेडी शो के तीसरे सीजन में सिद्धू की वापसी, अर्चना पूरन सिंह हैरान

कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा' का तीसरा सीजन इस बार दर्शकों के लिए शानदार होने वाला है। हालांकि, शो की शुरुआत होने से पहले एक बहुत बड़ा ट्विस्ट आ गया है। अब इसमें कई सालों बाद पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर नवजोत सिंह सिद्धू वापसी कर रहे हैं, जो अर्चना पूरन सिंह के साथ हंसी के ठहाके लगाएंगे। आइए जानते हैं पूरी खबर।

फिर से शो में होगा ठोको ताली

'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा' शो का तीसरा सीजन इस बार एक नए अंदाज में वापस आ रहा है। अब इस शो में नवजोत सिंह सिद्धू की वापसी हो रही है, जिसकी जानकारी नेटफ्लिक्स ने एक प्रोमो शेयर करके दी है। प्रोमो में सिद्धू की एंट्री से अर्चना पूरन सिंह हैरान दिख रही हैं। हालांकि, एंट्री के बाद सिद्धू ने कहा कि जिस तरह आगे के गोलों को कोई खा नहीं सकता, पर्वत हिमालय को हिला नहीं सकता। उसी तरह सिद्धू की आवाज को कायनात तक कोई नहीं दबा सकता।

वापसी को लेकर क्या बोले सिद्धू

अपने पाठकों को बताते चलें कि सिद्धू ने साल 2019 में कपिल शर्मा के कॉमेडी शो को राजनीतिक वजहों से छोड़ दिया था। अब करीब 6 साल बाद उन्होंने फिर से वापसी की है। इसे लेकर उन्होंने कहा, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आकर ऐसा लग रहा है जैसे मैं फिर से घर आ गया हूं। यह मेरे लिए एक होम रन है। हमने लोगों की आवाज सुनी, बहुत सारे प्रशंसक और शुभचिंतक जिन्होंने हमारी बातचीत को पसंद किया।' साथ ही उन्होंने कहा कि किसी की मुस्कान को पैसों से नहीं खरीदा जा सकता। यह लाखों डॉलर की होती है और द ग्रेट इंडियन कपिल शो इसका एक साधन है।'

कब आ रहा इसका तीसरा सीजन ?

'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा' का तीसरा सीजन 21 जून से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। इस शो में इस बार सुनील ग्रोवर, कृष्णा, कीकू शारदा और अर्चना पूरन सिंह नजर आने वाले हैं।

प्रशंसकों के 'मन बलैया' हैं नंदमुरी बालकृष्ण अभिनय से लेकर राजनीति तक रचे कीर्तिमान

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण का आज जन्मदिन है। परदे पर उनकी अदाकारी का सिक्का चलता है। उनके अभिनय का ही दम है कि वे प्रशसंकों के बीच 'मन बलैया' नाम से लोकप्रिय हैं। नंदमुरी साउथ के बहुत ही समृद्ध और रसूख वाले परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जिसका रुतबा अभिनय से लेकर राजनीति तक है। नंदमुरि ने भी परिवार की इस विरासत का मान बखूबी रखा है और इसे आगे बढ़ा रहे हैं। अभिनेता के जन्मदिन पर जानते हैं उनके बारे में

हैदराबाद में रहकर अभिनय से हुए रूबरू

नंदमुरी बालकृष्ण आज मंगलवार को 65 वर्ष के हो गए हैं। अभिनेता का जन्म 10 जून 1960 को एनटीआर और उनकी पत्नी बसवतारकम के घर हुआ। उनके पिता एनटीआर खुद भी तेलुगु सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रहे। इनके परिवार में पहले अभिनेता और फिर राजनीति का एक इतिहास रहा है। बालकृष्ण के पिता एनटीआर आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे।

नंदमुरी अपने पिता की छठी संतान हैं। नंदमुरी को पढ़ाई के लिए माता-पिता ने हैदराबाद भेजा था। वहां उन्होंने हैदराबाद के निजाम कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की पढ़ाई पूरी की और वहीं पर वे पहली बार सिनेमा की इस बड़ी सी दुनिया से परिचित हुए।

पिता की फिल्म से किया अभिनय डेब्यू

नंदमुरी बालकृष्ण ने 1974 में एनटीआर के निर्देशन में बनी फिल्म 'ततम्मा कला' से सिनेमा की दुनिया में अपना पहला कदम रखा। उस समय इस दिग्गज अभिनेता की आयु केवल 14 वर्ष थी। हालांकि 1984 में आई फिल्म 'सहसामे जीवथम' से नायक के रूप में उन्होंने अपनी शुरुआत की। इस फिल्म का निर्देशन संथाना भारती और पी वासु ने किया था। इस फिल्म के बाद इस दिग्गज कलाकार ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और उन्होंने अपने शुरूआती दौर में ही तेलुगु सिनेमा के कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया। नंदमुरी ने अपने करियर में 100 से अधिक फिल्मों में काम किया है। ऐतिहासिक, सामाजिक और एक्शन से भरपूर ड्रामा फिल्मों में उनकी भूमिका ने उन्हें भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान दिलाई है।

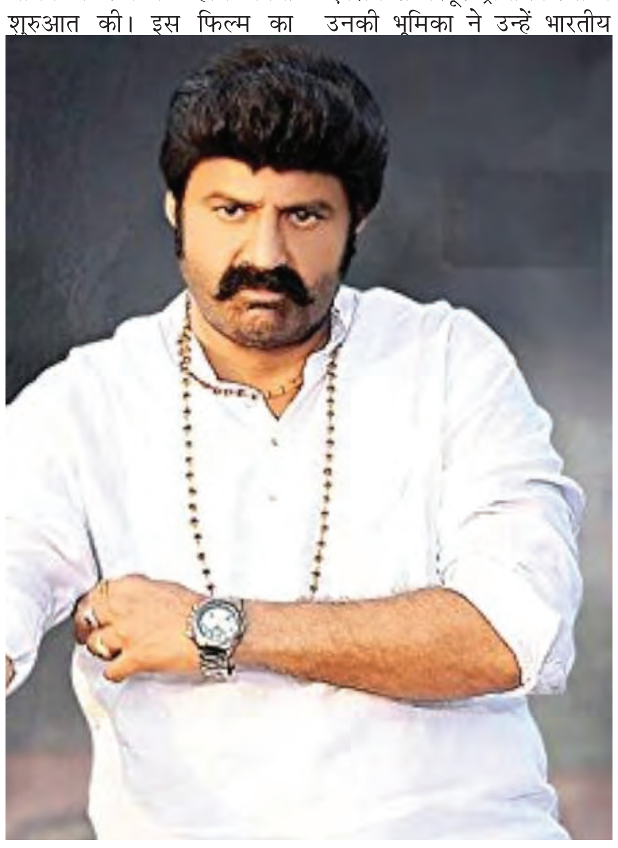

राजनीति में लगाई जीत की हैट्रिक

सिनेमा के अलावा बालकृष्ण आंध्र प्रदेश के हिंदूपुर विधानसभा क्षेत्र से तीन बार चुने गए विधायक भी हैं। राजनीति में उनके योगदान ने यह साबित किया है कि वे अपने क्षेत्र के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं।

इसके अलावा वह हैदराबाद स्थित बसवतारकम इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष भी हैं। उनकी मां के नाम पर बना यह संस्थान हजारों लोगों को कैंसर पीड़ितों को किफायती इलाज प्रदान करने में इस संस्थान का काफी ज्यादा योगदान रहा है। इससे पहले उनके पिता नंदमुरी तारक रामाराव को भी पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

'अखंड 2' में नजर आएंगे नंदमुरी

नंदमुरी बालकृष्ण के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस साल जनवरी में उनकी फिल्म 'डाकू महाराज' रिलीज हुई। वहीं वे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं, जिसका नाम है 'अखंड 2'। कल सोमवार को ही फिल्म का टीजर जारी किया गया। यह फिल्म 25 सितंबर, 2025 को रिलीज होगी। यह 2021 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'अखंड' का ही सीक्वल है।

32 साल की हुईं तेजस्वी, 'बिग बॉस' में मिला सच्चा प्यार जन्मदिन पर तेजस्वी ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश 10 जून यानी आज अपना 32वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री ने उज्जैन स्थित प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। तेजस्वी ने न सिर्फ मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की, बल्कि भस्म आरती में भी भाग लेकर आध्यात्मिक अनुभूति शेयर की।

तेजस्वी प्रकाश ने की भस्म आरती

सुबह 3 बजे से शुरू हुआ तेजस्वी का ये धार्मिक सफर उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद खास रहा। मंदिर के नंदी हॉल में पूजा करने के बाद तेजस्वी ने मीडिया से बात करते हुए अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने कहा कि भस्म आरती के दौरान उन्हें एक गहरी शक्ति और ऊर्जा का अनुभव हुआ जो शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

टीवी अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश आज 32 साल की हो गईं हैं। सउदी अरब में जन्मीं तेजस्वी ने टीवी सीरियल्स में काम करके घर-घर में प्रसिद्धि हासिल की, लेकिन बिग बॉस जीतने के बाद उनकी पॉपुलैरिटी में चार चांद लग गए और साथ ही यहीं उन्हें मिला अपने जीवन का सच्चा प्यार।

तेजस्वी की जन्म

तेजस्वी का जन्म 10 जून 1993 को सऊदी अरब के जेद्दाह में हुआ था और उनका पालन-पोषण एक मराठी परिवार में हुआ। उन्होंने मुंबई यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की है, लेकिन एक्टिंग के जुनून ने उन्हें टीवी इंडस्ट्री में ला खड़ा किया।

तेजस्वी का करियर

तेजस्वी ने अपने करियर की शुरुआत 2012 में टीवी शो 2612 से की थी। इसके बाद उन्होंने स्वरागिनी, पहरेदार पिया की, और नागिन 6 जैसे कई हिट शो में काम किया। 2021 में बिग बॉस 15 जीतकर उन्होंने अपनी लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। हाल ही में, तेजस्वी सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में अपनी कुकिंग स्किल्स से सबको प्रभावित कर रही हैं। उनकी हराभरा हुमस रेसिपी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और मशहूर शेफ विकास खन्ना ने उनकी डिश को अपने न्यूयॉर्क रेस्तरां के मेन्यू में शामिल करने का वादा किया है। तेजस्वी ने 2023 में रोहित शेट्टी की मराठी फिल्म स्कूल कॉलेज आनी लाइफ में काम किया है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

करण से शादी की चर्चा

तेजस्वी और अभिनेता करण कुंद्रा की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। दोनों की मुलाकात बिग बॉस 15 के दौरान हुई और तब से वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में उनकी शादी की खबरें सुर्खियों में थीं, लेकिन करण ने सगाई की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि अभी शादी की कोई जल्दी नहीं है। तेजस्वी और करण अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हैं, जो फैंस को बहुत पसंद आती हैं। तेजस्वी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस, खाना पकाने की कला और करण के प्रति अपने प्यार को अक्सर फैंस के साथ शेयर करती हैं। आज उनकी सादगी और मेहनत ने उन्हें लाखों दिलों की धड़कन बना दिया है।

करण से पहले शिविन नारंग से जुड़ा था तेजस्वी का नाम

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित शेट्टी के मशहूर स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 10वें सीजन में तेजस्वी प्रकाश का नाम टीवी अभिनेता शिविन नारंग से जुड़ा था। तब फैंस ने दोनों को ट्विन (Te Vin) नाम से भी बुलाना शुरू कर दिया था। तेजस्वी ने इन अफवाहों को बंद करने के लिए चुप्पी तोड़ी और उन्होंने शिविन को अपना अच्छा दोस्त बताया था।

कर्नाटक में कमल हासन की 'ठग लाइफ' से हटेगा बैन? 13 जून को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

कमल हासन और मणि रत्नम की मच अवेटेड फिल्म 'ठग लाइफ' विवादों में घिर गई है। फिल्म को लेकर भाषा विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि कर्नाटक में इसी स्क्रीनिंग पर ही बैन लग गया। अब ये मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने 13 जून को इस पर सुनवाई करने की सहमति जताई है।

विवाद की जड़ क्या?

दरअसल, फिल्म के ऑडियो लॉन्च के दौरान अभिनेता और राजनेता कमल हासन ने एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने कहा कि 'कन्नड़ भाषा तमिल से उत्पन्न हुई है।' इस टिप्पणी ने कर्नाटक में व्यापक विरोध को जन्म दिया। कई संगठनों और भाषा प्रेमियों ने इसे अपमानजनक करार दिया, जिसके बाद राज्य में फिल्म की रिलीज को लेकर विरोध शुरू हो गया।

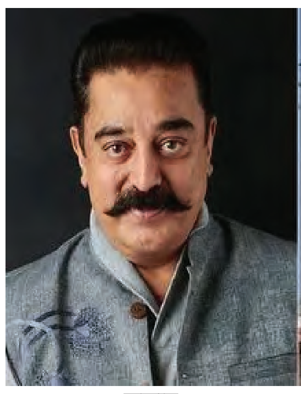

हाईकोर्ट ने दी माफी मांगने की सलाह

कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कमल हासन से माफी मांगने की सलाह दी थी। हालांकि, कमल हासन ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगने से इनकार कर दिया और अपनी बात को एक 'भाषायी भ्रम' बताया। उन्होंने एक पत्र के जरिए कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी मंशा किसी भाषा का अपमान करने की नहीं थी, बल्कि वो सभी भाषाओं के सम्मान में विश्वास रखते हैं।

13 जून को होगी मामले पर सुनवाई

फिल्म की रिलीज को लेकर जब स्थिति साफ नहीं हुई, तो बेंगलुरु निवासी महेश रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। पहले कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि उन्होंने सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख क्यों किया और कर्नाटक हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। लेकिन लंबे बहस के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 13 जून को मामले की सुनवाई पर सहमति दे दी।

इधर, तमिलनाडु सरकार ने इस विवाद के बीच फिल्म को लेकर समर्थन जताया है। राज्य सरकार ने ठग लाइफ को सुबह जल्दी विशेष स्क्रीनिंग की अनुमति भी दे दी है। यह कदम इस बात की ओर इशारा करता है कि तमिलनाडु में फिल्म को लेकर भारी उत्साह बना हुआ है।

फिल्म 'ठग लाइफ' के बारे में

बता दें 'ठग लाइफ' में कमल हासन और मणि रत्नम की जोड़ी चार दशकों के बाद फिर से साथ आई है। इन दोनों ने इससे पहले साल 1987 की क्लासिक फिल्म 'नायकन' में साथ काम किया था। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में सिलंबरासन टी.आर., त्रिशा, नासर, सान्या मल्होत्रा, अली फजल समेत कई बड़े नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्माण राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज के बैनर तले हुआ है और रेड जाइंट मूवीज़ इसे वितरित कर रही है।

आज जगन्नाथ पुरी में स्नान पूर्णिमा

108 सोने के घड़ों से स्नान करेंगे भगवान 15 दिन रहेंगे बीमार, 27 को होगी रथयात्रा

ओडिशा के जगन्नाथ पुरी में 11 जून को स्नान पूर्णिमा मनेगी। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ श्री मंदिर में भक्तों के सामने स्नान करते हैं। पूरे साल में सिर्फ इसी दिन भगवान जगन्नाथ को मंदिर में ही बने सोने के कुंए के पानी से नहलाया जाता है, इसलिए इसे स्नान पूर्णिमा कहते हैं।

स्नान के बाद भगवान बीमार हो जाते हैं और 15 दिन तक किसी को दर्शन नहीं देते। 16वें दिन नवयौवन श्रंगार के साथ दर्शन देते हैं। उसके अगले दिन रथयात्रा पर निकलते हैं। गुंडीचा मंदिर अपनी मौसी के यहां जाते हैं।

जब भगवान बीमार रहते हैं, तब 27 किलोमीटर दूर आलारनाथ मंदिर में दर्शन होते हैं। माना जाता है इन दिनों आलारनाथ मंदिर में दर्शन से भगवान जगन्नाथ के दर्शन का पुण्य मिलता है। आलारनाथ भगवान जगन्नाथ के भक्त थे।

रोज शीशे में भगवान की छवि को स्नान करवाते हैं, ताकि बीमार न हो

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि सालभर भगवान को गर्भगृह में ही स्नान कराते हैं, लेकिन प्रक्रिया अलग है। इसमें भगवान की मूर्ति के सामने बड़े-बड़े शीशे लगाते हैं। फिर उन शीशों में जो भगवान की तस्वीर दिखती है, उस पर धीरे-धीरे पानी डालते हैं। इस तरह स्नान करवाने की दो वजह हैं।

पहली, भगवान की मूर्ति लकड़ी से बनी है उस पर पवित्र रंगों से आकृति उकेरी गई है। उस पर रोज पानी लगेगा तो प्रतिमा बिगड़ जाएगी।

दूसरी वजह के पीछे मान्यता है कि भगवान बहुत कोमल हैं और उन्हें हर दिन नहलाएंगे तो वे बीमार पड़ सकते हैं।

इसी कारण साल में एक बार रथयात्रा से 16 दिन पहले पड़ने वाली ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा पर भगवान की प्रतिमाओं को मंदिर से बाहर लाया जाएगा। इसे स्नान यात्रा कहते हैं। मंदिर प्रांगण में मंच तैयार होगा। इसे स्नान मंडप कहते हैं। इसी मंडप में भगवान को विराजित करेंगे।

11 जून, बुधवार को सुबह मंदिर में ही मौजूद स्वर्ण कुआं निगरानी करने वाले सेवादार की मौजूदगी में खुलेगा। वैदिक मंत्रों के साथ स्नान की विधि शुरू होगी। सोने के कुएं के पानी से भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन को सोने के 108 घड़ों से स्नान करवाया जाएगा।

कस्तूरी, केसर और अन्य औषधियों से होता है स्नान

स्नान के लिए सोने के 108 घड़ों में पानी भरा जाता है, उनमें कस्तूरी, केसर, चंदन और कई तरह की औषधियां मिलाएंगे। स्नान मंडप में तीन बड़ी चौकियों पर भगवानों को विराजित किया जाएगा। भगवान पर कई तरह के सूती कपड़े लपेटते हैं, ताकि उनकी काष्ठ काया पानी से बची रहे। फिर भगवान जगन्नाथ को 35, बलभद्र जी को 33, सुभद्राजी को 22 घड़ों से नहलाएंगे और बचे हुए 18 घड़े सुदर्शन जी पर चढ़ाएं जाएंगे।

मान्यताः सोने की ईंट वाला कुआं, इसमें सभी तीर्थों का जल होता है

यह 4-5 फीट चौड़ा वर्गाकार कुआं है। ये जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में ही देवी शीतला और उनके वाहन सिंह की मूर्ति के ठीक बीच में बना है। इसमें नीचे की तरफ दीवारों पर पांड्य राजा इंद्रद्युम्न ने सोने की ईंटें लगवाईं थीं। मंदिर के पुजारियों का कहना है कि इस इस कुएं में कई तीर्थों का जल है।

सीमेंट-लोहे से बना इसका ढक्कन करीब डेढ़ से दो टन वजनी है, जिसे 12 से 15 सेवक मिलकर हटाते हैं। जब भी कुआं खोलते हैं, इसमें स्वर्ण ईंटें नजर आ जाती हैं। ढक्कन में एक छेद है, जिससे श्रद्धालु सोने की वस्तुएं इसमें डाल देते हैं।

15 दिनों की अनवसर पूजाः 11 से 25 जून तक बीमार रहेंगे भगवान जगन्नाथ

परंपरा के मुताबिक देवस्नान के बाद भगवान जगन्नाथ को बुखार आ जाता है, इसलिए वो 11 से 25 जून तक किसी को दर्शन नहीं देंगे। बीमार होने पर पर भगवान को मुख्य सिंहासन पर न बैठाकर मंदिर में ही बांस की लकड़ी से बने कक्ष में रखा जाएगा। 15 दिनों तक 56 भोग की जगह औषधियों से युक्त सामग्री, दूध, शहद आदि चीजों का भोग लगता है। इसे ही भगवान की अनवसर पूजा कहा जाता है।

16 जून को अनवसर पंचमी पर भगवान के अंगों में आयुर्वेद के विशेष तेल की मालिश होगी। उसे फुल्लरी तेल कहते हैं। माना जाता है कि ये तेल लगाने के बाद भगवान को धीरे-धीरे बुखार से राहत मिलने लगती है।

20 तारीख को अनवसर दशमी रहेगी इस दिन भगवान रत्न सिंहासन पर विराजमान हो जाएंगे।

21 को भगवान के शरीर पर विशेष औषधियां लगेंगी। उसको खलि लागि कहते हैं।

25 तारीख को भगवान के विग्रह को ठीक कर के सजाया जाएगा।

26 जून को नव यौवन दर्शन होंगे। इस दिन रथयात्रा के लिए भगवान से आज्ञा ली जाएगी।

संत कबीरदास की सीख- काम और भक्ति में संतुलन बनाएं

काम के बीच भक्ति कैसे करें? कबीरदास ने पनघट से पानी भरकर लौटती महिला का उदाहरण देकर समझाया

बुधवार, 11 जून को संत कबीर की जयंती है। संत कबीर के कई ऐसे किस्से हैं, जिनमें जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र बताए गए हैं।

इन सूत्रों को जीवन में उतार लेने से हमारी कई समस्याएं आसानी से खत्म हो सकती हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग भक्ति नहीं कर पाते हैं। दैनिक कामों के साथ भक्ति कैसे की जा सकती है, ये हम संत कबीरदास की एक कहानी से सीख सकते हैं। जानिए ये कहानी...

संत कबीरदास कपड़ा बुनने का काम करते थे। वे सुबह से शाम तक काम करते रहते थे, लेकिन साथ ही भगवान का स्मरण भी करते रहते थे। उनका हर पल भक्ति से जुड़ा हुआ था।

एक बार एक व्यक्ति ने उनसे पूछा कि आप भक्त हैं, लेकिन सारा दिन तो कपड़ा ही बुनते रहते हैं तो भक्ति कब करते हैं? कबीर मुस्कुराए और बोले आओ, तुम्हें इस प्रश्न का उत्तर थोड़ा टहलते हुए देता हूं।

वह व्यक्ति और कबीरदास जी पैदल-पैदल चल दिए। रास्ते में उन्होंने एक महिला को देखा जो पनघट से पानी भरकर लौट रही थी। उसके सिर पर पानी से भरा घड़ा था, वह मस्ती में गीत गा रही थी, और घड़ा न तो गिर रहा था न ही पानी छलक रहा था।

संत कबीर ने कहा कि इस महिला को देखो, उसका ध्यान घड़े पर भी है, रास्ते पर भी और गाने पर भी। यही तरीका मेरा भी है। मैं काम में भी लगा हूं और मेरा ध्यान ईश्वर पर भी है।

कहानी की सीखः जीवन में संतुलन जरूरी है

कबीरदास की ये सीख आज भी हमारे काम की है। ये बताती है कि जीवन केवल धन कमाने या केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। इन दोनों का संतुलन ही जीवन को सुखी और शांत बना सकता है। जीवन में संतुलन बनाना चाहते हैं तो ये 5 टिप्स अपना सकते हैं...

अलग-अलग बातों के साथ मन को एकाग्र रखें - जैसे वह महिला घड़ा, रास्ता और गाना, इन तीनों बातों पर ध्यान दे रही थी, वैसे ही हम भी अलग-अलग काम करते हुए मन को एकाग्र रख सकते हैं।

दैनिक कामों के साथ ही भक्ति भी करें - काम के साथ-साथ मानसिक शांति के लिए ईश्वर का स्मरण करते रहना चाहिए। जैसे सुबह के समय मंत्र, भजन या श्लोक सुनते हुए घर के काम कर सकते हैं।

ध्यान करें - रोज कुछ देर ध्यान या प्रार्थना से मानसिक ऊर्जा बनी रहती है, जिससे आप बेहतर ढंग से कार्य कर सकते हैं।

काम को भी साधना मानें - कबीरदास जी की तरह अपने काम को भी पूजा समझें। ऐसा करने से काम में मन लगा रहेगा और काम बोझ नहीं लगेगा।

कार्य और भक्ति में संतुलन बनाएं - भक्ति के लिए अपने कार्य छोड़ना जरूरी नहीं है, हमें सिर्फ अपने काम और भक्ति में संतुलन बनाने की जरूरत है।

बुधवार और चतुर्थी को करें गणेश जी के 8 शक्तिशाली मंत्रों का जाप

बुधवार, संकष्टी चतुर्थी और विनायक चतुर्थी के दिन विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। इस दिन गणेश जी के मंत्रों का जाप करने से कार्य सफल होते हैं, जीवन के संकट दूर होते हैं और शुभता का आगमन होता है। गणपति बप्पा के प्रभाव से उस व्यक्ति के जीवन में कुछ अशुभ नहीं होता है।

गणेश जी के शक्तिशाली मंत्र

ॐ गं गणपतये नमः – इस मंत्र का जाप करने से सभी प्रकार की शुभ मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इस मंत्र में गणेश जी का बीज मंत्र गं का उपयोग किया गया है, जिससे यह मनोकामना पूर्ति मंत्र बना है। सभी कार्यों में सफलता के लिए भी इस मंत्र का जाप करते हैं।

ॐ नमो भगवते गजाननाय महाबलाय स्वाहा॥ – गणेश जी के इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति के अंदर बल आता है। वह शत्रुओं पर विजय पाता है। गणेश जी की कृपा से भय दूर होता है। गणपति की कृपा से आत्मबल मजबूत होता है।

ॐ विघ्ननाशाय नम – गणपति महाराज के इस मंत्र का जाप करने से जीवन में आने वाली विघ्न और बाधाएं दूर होती हैं।

ॐ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि तन्नो दंती प्रचोदयात॥ – यह गणेश जी का गायत्री मंत्र है। इस मंत्र का जाप करने से बुद्धि, स्मरण शक्ति और ज्ञान में बढ़ोत्तरी होती है।

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वर्वे सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा॥ – सभी प्रकार के कार्यों में सिद्धि के लिए इस गणेश मंत्र का जाप करते हैं। इससे समाज में यश और कीर्ति बढ़ती है।

ॐ सिद्धि विनायकाय नमः – इस मंत्र का जाप करने वाले व्यक्ति के सभी कार्य सफल होते हैं। सिद्धि विनायक की कृपा से सफलता प्राप्त होती है।

ॐ नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा॥ – गणपति बप्पा के इस मंत्र का जाप धन प्राप्ति, व्यापार में लाभ और कर्ज से मुक्ति के लिए किया जाता है।

ॐ वक्रतुण्डाय नमः – गणेजी के इस मंत्र का जाप करने से बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा मिलती है। बाधाओं और चुनौतियों को दूर करने के लिए इस मंत्र का जाप करते हैं।

गणेश मंत्र जाप विधि

चतुर्थी या बुधवार के दिन सुबह में स्नान करके साफ कपड़े पहनें। उसके बाद गणेश जी की पूजा दूर्वा, मोदक, लाल फूल, सिंदूर, धूप, दीप आदि से करें। उसके बाद गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के एक आसन पर बैठ जाएं। उसके बाद रुद्राक्ष या लाल चंदन की माला से गणेश जी के मंत्र का जाप करें। आपको जिस मनोकामना की पूर्ति करनी है, उससे संबंधित मंत्र का जाप करें। मंत्र का जाप कम से कम 1 माला करना चाहिए।

धर्म की समझ होगी तो ही तकनीकी सुनामी से बचेंगे

मनुष्य विज्ञान और तकनीकी की गिरफ्त में आ चुका है। तकनीकी सुनामी से अगर हम बच सकेंगे तो सिर्फ इसलिए कि हमारे पास धर्म और अध्यात्म की समझ होगी। रामचरितमानस के प्रसंगों को पढ़ें तो हमारे भीतर एक समझ पैदा होती है। इसी ग्रंथ में कथा के समापन पर पार्वतीजी ने शिवजी से कहा- नर सहस्त्र महं सुनहु पुरारी, कोउ एक होइ धर्म ब्रतधारी।

हे त्रिपुरारि सुनिए, हजारों मनुष्यों में कोई एक धर्म के व्रत को धारण करने वाला होता है और करोड़ों धर्मात्माओं में कोई एक विषय से विमुख और वैराग्य-परायण होता है। यहां विषय से विमुख होने का यह अर्थ यह है कि विज्ञान और तकनीकी का समझ से उपयोग किया जाए।

अगर ये समझ चली गई तो वे हमारा उपयोग करने लगेंगे। कई व्यावसायिक संस्थाएं अपने से जुड़े लोगों को आने वाले समय के लिए जागरूक करती हैं। फ्यूचर शॉक, थर्ड वेव ऐसी किताबें उनको पढ़ाई जाती हैं। क्यों ना हम भी रामचरितमानस पढ़ें और इस सुनामी से अपने को बचाएं।

महाभारतः क्यों स्त्रियां करती थीं अर्जुन का पीछा कैसे हुई उलूपी और चित्रांगदा से शादी

पांडवों में अर्जुन सबसे ज्यादा सुदर्शन और आकर्षक थे। इसलिए वह जहां कहीं होते थे, वहां स्त्रियों के चहेते हो जाते थे। जीवनभर स्त्रियां उनकी दीवानी होती रहीं। इस बात के कई किस्से हैं कि अर्जुन को कई स्त्रियां इस तरह घेर लेती थीं या पीछा करती थीं कि भीम और नकुल को उनके बचाव के लिए सामने आना पड़ता था।

जाने माने पौराणिक कथा विशेषज्ञ और लेखक देवदत्त पटनायक ने अपनी नई किताब सती सावित्री में लिखा, अर्जुन जब वनवास गमन कर रहे थे तो नकुल ने स्त्रियों को उनका पीछा करने से रोकने के लिए उनके चेहरे पर धूल मल दी। अर्जुन का रूप -लावण्य इतना आकर्षक था कि स्त्रियां हर जगह उनका पीछा करती थीं। इसी में उन्होंने लिखा कि कैसे कई स्त्रियों ने अर्जुन से संपर्क किया।

कुंती से अर्जुन का जन्म इंद्र के जरिए हुआ था। लिहाजा वह इंद्र की ही तरह सुंदर और मनोहारी थे। महाभारत में उन्हें बहुत सुंदर, आकर्षक और वीर पुरुष के रूप में बताया गया है। अपने रूप, शील, और युद्ध कौशल की वजह से वह ना केवल युद्ध के मैदान में बल्कि सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन में भी कई लोगों, विशेषकर स्त्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र थे।

हर जगह स्त्रियां उनकी ओर आकर्षित होती थीं

महाभारत में कई प्रसंग हैं जो बताते हैं कि जब पांडव वनवास में थे, तब अर्जुन की सुंदरता और व्यक्तित्व का प्रभाव इतना था कि कई स्त्रियां उनके प्रति आकर्षित होती थीं। कुछ कथाओं में कहा गया कि अर्जुन का आकर्षण इतना प्रबल था कि उनके भाइयों विशेष रूप से भीम को उन्हें कुछ उत्साही प्रशंसकों से बचाने की स्थिति में आना पड़ता था।

अर्जुन के जीवन में कई ऐसी स्त्रियां आईं, जिनसे उन्हें प्यार भी हुआ। उन्होंने शादियां भी कीं। कई को उन्हें इनकार करना पड़ा। उन्हें इसकी नाराजगी भी झेलनी पड़ी।

चित्रांगदा से अर्जुन का प्यार और शादी कैसे हुई

जब पांडवों को द्रौपदी के अपमान और जुए में हार के बाद 12 वर्ष के वनवास और 1 वर्ष के अज्ञातवास की सजा मिली तो अर्जुन ने कुछ समय के लिए तीर्थयात्रा पर जाने का निर्णय लिया। तब वह देश के कई हिस्सों का भ्रमण करते हुए मणिपुर पहुंचे, जो उस समय एक समृद्ध और शक्तिशाली राज्य था। मणिपुर के राजा चित्रवाहन थे। उनकी पुत्री चित्रांगदा सुंदर, वीर और कुशल योद्धा थी।

जब दोनों ने पहली बार एक दूसरे को देखा

मणिपुर पहुंचने पर अर्जुन ने चित्रांगदा को देखा, जो अपनी सुंदरता, शालीनता और युद्ध कौशल के लिए प्रसिद्ध थी। चित्रांगदा भी अर्जुन के रूप, वीरता और ख्याति से प्रभावित हुई। दोनों एक-दूसरे के प्रति आकर्षित हो गए। अर्जुन ने राजा चित्रवाहन से चित्रांगदा का हाथ मांगा।

फिर दोनों की शादी हुई

राजा चित्रवाहन ने अर्जुन के प्रस्ताव को स्वीकार करने से पहले मणिपुर की परंपरा के बारे में बताया। मणिपुर में यह नियम था कि राजा की संतान का पुत्र ही सिंहासन का उत्तराधिकारी होगा। इसलिए अगर अर्जुन चित्रांगदा से विवाह करते हैं, तो उनकी संतान मणिपुर में रहेगी। वही राज्य का उत्तराधिकारी बनेगी। अर्जुन ने इस शर्त को स्वीकार कर लिया, क्योंकि वे चित्रांगदा से प्रेम करते थे। इस विवाह से एक पुत्र हुआ, जिसका नाम बब्रुवाहन था, जो बाद में वह मणिपुर का राजा बना।

उलूपी देखते ही कैसे अर्जुन के प्रेम में पड़ गई

भारत यात्रा में अर्जुन जब गंगा नदी के तट पर स्नान करने और तप करने गए। यहीं उनकी मुलाकात उलूपी से हुई, जो नागलोक की राजकुमारी थी। वह नागराज कौरव्य की बेटी थी। सुंदर और बुद्धिमान युवती थी। वह अर्जुन को देखकर आकर्षित हो गई। महाभारत के अनुसार, उलूपी ने अर्जुन को गंगा नदी में स्नान करते समय देखा। उसी समय वह अर्जुन से प्यार करने लगी। वह अर्जुन के पास गई। प्यार का इजहार किया।

उलूपी ने अर्जुन को बताया कि वह उनके गुणों और यश से प्रभावित है। उनसे विवाह करना चाहती है। अर्जुन शुरू में हिचकिचाए, लेकिन फिर मान गए। दोनों की शादी हुई। अर्जुन कुछ समय तक उलूपी के साथ नागलोक में रहे। इससे एक बेटा हुई, जिसका नाम इरावान (या इरावत) था।

सुभद्रा के प्यार में पड़े, भगाकर शादी की

सुभद्रा और अर्जुन का प्रेम महाभारत की सबसे रोमांटिक कहानियों में एक है। जब अर्जुन अज्ञातवास में थे, तब वे द्वारका में भगवान कृष्ण के अतिथि के रूप में रहे। वहां जब उन्होंने सुभद्रा ने अर्जुन को देखा, तो उससे प्यार करने लगे। कृष्ण भी शायद चाहते थे कि अर्जुन उनकी बहन से शादी करें लेकिन कृष्ण के बड़े भाई बलराम को इसकी भनक नहीं थी। कृष्ण ने ही अर्जुन को सुभद्रा का हरण करके शादी। इससे बलराम नाराज भी हुए।

द्रौपदी उनसे सबसे ज्यादा प्यार करती थी लेकिन।।

द्रौपदी का स्वयंवर अर्जुन ने जीता था। वह उनकी प्रिय पत्नी थी। द्रौपदी और अर्जुन का प्रेम गहरा था, और कई प्रसंगों में द्रौपदी का अर्जुन के प्रति विशेष लगाव दिखाई देता है। हालांकि वह द्रौपदी के साथ अपने अन्य भाइयों की तुलना में कम रहे, क्योंकि युधिष्ठिर और द्रौपदी के साथ होने के दरम्यान उन्हें कुछ काम से उस कमरे में जाना पड़ा था। इसके चलते शर्त के अनुसार उन्होंने 12 साल के वनवास की सजा खुद ले ली। इस वजह से द्रौपदी से 12 सालों तक दूर रहे।

उर्वशी भी प्यार करती थी लेकिन क्यों नाराज हुई

जब अर्जुन इंद्र के दरबार में गए, तब अप्सरा उर्वशी उनके प्रति आकर्षित हुई। उसने अर्जुन को प्रेम प्रस्ताव दिया, लेकिन अर्जुन ने उसे माता के समान माना (क्योंकि वह उनके पूर्वज पुरुरवा की पत्नी थी)। तब उर्वशी ने क्रोधित होकर अर्जुन को श्राप दिया कि वह एक वर्ष तक नपुंसक रहेंगे। हालांकि यह श्राप बाद में अज्ञातवास में अर्जुन के लिए वरदान साबित हुआ, जब वे बृहन्नला के रूप में रहे।

दुर्योधन की पत्नी तक उन्हें चाहती थी

महाभारत में ये भी कहा गया है कि दुर्योधन से शादी से पहले उसकी पत्नी भानुमति अर्जुन की प्रशंसक थी। वह उनसे शादी करना चाहती थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उसकी शादी दुर्योधन से हुई। लेकिन माना जाता है कि जब महाभारत के युद्ध में दुर्योधन की मृत्यु हो गई तो अपने कुनबे को बचाने के लिए जब भानुमति को अर्जुन से विवाह का सुझाव दिया गया तो उसने इसे स्वीकार कर लिया। अर्जुन से शादी कर ली। उसके बाद वह उनकी पत्नी बनकर रहीं।

परोपकार के लिए अपने संसाधनों का करें सही उपयोग, धन के कई रूपों से करें मदद

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए धन-संपत्ति के तीन अर्थ कौन-कौन से हैं?

हमें जो साधन, सुविधा, शक्ति, विद्या और वैभव मिला है, उसका सही इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे हमारे पास जो धन है, उसका केवल खुद के लिए इस्तेमाल न करें, बल्कि अपना धन परोपकार में भी लगाएं।

दूसरों की मदद के लिए अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। धन कई प्रकार का होता है- जैसे समय रूपी धन, विद्या रूपी धन, विचार रूपी धन, ऊर्जा और अनुभव रूपी धन, इन सभी से दूसरों को लाभान्वित करें।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 11 जून - 2025

जन्मदर बढ़ाने की चिंता

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू सामाजिक से ज्यादा राजनीतिक कारणों से अपने राज्य में जन्मदर बढ़ाने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन देने पर काम कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने फाइनेंशियल इन्सेंटिव्स देने की योजना भी बनाई है। हालांकि आबादी बढ़ाने के मामले में इस तरह के फैक्टर कम ही काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने कहा है कि परिवार जितना बड़ा होगा, उसे उतना ही ज्यादा आर्थिक अनुदान मिलेगा। इससे पहले भी वह आबादी बढ़ाने के लिए महिलाओं को कितनी भी बार मैटर्निटी लीव और वर्कप्लेस पर बच्चों के लिए सेंटर जैसे नियम बना चुके हैं। यह भी विडंबना ही है कि इसी आंध्र प्रदेश में ऐसे लोगों को निकाय चुनावों में खड़े होने से रोकने के लिए नियमों में बदलाव किया गया था, जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं वे निकाय चुनाव नहीं लड सकेंगे। ऐसे में सवाल है कि आंध्र की पॉलिसी में यह बदलाव कैसे और किस लिए लाया जा रहा है? इसका जवाब बहुत कुछ संख्या बल की राजनीति में है। आंध्र समेत दक्षिण के लगभग सभी राज्यों में यह चिंता है कि कम आबादी की वजह से नए परिसीमन में उनकी राजनीतिक हैसियत में कमी आ सकती है। परिसीमन पर दक्षिण का विरोध इसी वजह से है कि उत्तर के राज्यों की तुलना में उनके यहां लोकसभा की सीटें कम बढ़ सकती हैं और इससे देश की सियासत में दक्षिण का दखल कमजोर पड़ जाएगा। चंद्रबाबू नायडू इसी के चलते दक्षिणी राज्यों से अपनी जनसंख्या नीति पर पुनर्विचार करने की अपील कर रहे हैं। बता दें कि जनसंख्या इस तरह के स्टॉप-स्टार्ट मोड में काम नहीं करती और इसका सबसे बड़ा उदाहरण चीन है। बता दें कि चीन ने भी करीब चार दशकों तक वन चाइल्ड पॉलिसी का सख्ती से पालन किया। जब इसका असर उसकी वर्कफोर्स पर पड़ने लगा, तो 2015 में उसने दो बच्चों और फिर तीन बच्चों तक की छूट दे दी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चीन की इस नीति से उसकी जन्मदर पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा। वजह साफ है कि शिक्षा का स्तर बढ़ने के साथ ही लोगों का ध्यान क्वांटिटी की बजाय क्वॉलिटी लाइफस्टाइल की तरफ गया है। चीन की तरह की दक्षिण के राज्यों को भी डर सता रहा है कि उसकी आबादी तेजी से गिर रही है। देखा जाए तो पूरे देश में ही जन्म दर में गिरावट आई है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि देश में फर्टिलिटी रेट 2.0 है यानी हर कपल औसतन दो बच्चे पैदा कर रहा है। सबसे कम, 1.4 टीएफआर दिल्ली और पश्चिम बंगाल का था। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल में फर्टिलिटी रेट 1.5, जबकि तेलंगाना और कर्नाटक में 1.6 दर्ज की गई थी। इसकी वजह सीधे शिक्षा से जुडा है। देश में जैसे-जैसे शिक्षा का विस्तार हुआ उसके साथ ही लोगों में परिवार नियोजन को लेकर जागरूकता भी फैली। जिसके कारण पिछले दशक से आबादी में बढ़ोत्तरी नियंत्रण में आई है। भारत के सामने समस्या जनसंख्या घटने की नहीं, बल्कि यह है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को किस तरह स्किल्ड बनाया जाए ताकि वे भी देश के विकास में अपनी साझीदारी को निभा सकें। जाहिर है इससे उनके जीवन स्तर में सुधार भी आएगा।

ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत को रोकना जरूरी

अशोक भाटिया

अभी हाल ही में मुंबई के उपनगर दिवा और मुंब्रा के बीच भीड़ भरी लोकल ट्रेन के दरवाजे पर खड़े कुछ यात्री नीचे गिर गए और कुछ की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। सोमवार को सप्ताह का पहला दिन था जिस दिन मुंबई में उपनगरीय ट्रेनें भीड़ के साथ चलती हैं। मध्य रेलवे के मुंब्रा स्टेशन के पास दो लोकल ट्रेनों के दरवाजे पर खड़े यात्रियों को एक-दूसरे के खिलाफ रगड़ दिया गया। शुरुआत में बताया गया था कि कुछ लोग नीचे गिर गए और हादसा हो गया। इस बात की भी कोई जानकारी नहीं है कि कितने लोग मारे गए या कितने घायल हुए। दुनिया में कहीं भी इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को ले जाने की क्षमता नहीं होनी चाहिए। रात में चार घंटे को छोड़कर, सीएसटी-चर्चगेट से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल और विरार , पालघर, दहानू तक लोकल ट्रेनें चलती हैं। मोनो मुंबईकरों के लिए एक आवश्यक सेवा बन गई है। लोकल ट्रेनें और मेट्रो मुंबईकरों की सांस हैं। फिर, जिस प्रकार इस सेवा को तैयार रखना और चौबीसों घंटे कार्य करना रेलवे के लिए एक चुनौती है, उसी प्रकार यह रेलवे का भी कर्तव्य है। इसी महामुंबई से देश के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। इसी महानगर से देश को सबसे ज्यादा जीएसटी मिल रहा है। बदले में, रेल मंत्रालय भारी राजस्व चुकाने के बाद भी मुंबईकरों की दैनिक स्थानीय यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए नगण्य सेवाएं प्रदान करता है? गौरतलब है कि दादर, कुर्ला, घाटकोपर, ठाणे, कलवा, डोंबिवली, कल्याण और अंधेरी, मध्य और पश्चिम रेलवे के वसई-विरार स्टेशनों पर हमेशा भीड़ रहती है। सीएसटी से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल आने और जाने वाली लोकल ट्रेनों में हमेशा भीड़ रहती है। इससे भी बदतर, लोकल ट्रेन में यात्रियों की हालत बदतर है। जब कासरा से सीएसटी और सीएसटी से कसारा जाने वाली ट्रेन गुजर रही थी, तो जो लोग दरवाजे पर खड़े थे और एक-दूसरे से चिपके हुए थे, उन्हें रगड़ा गया और उनमें से दर्जनों नीचे गिर गए। दौड़ते हुए लोकल में यात्री अपना संतुलन भी नहीं बना पाए, अन्य लोग नीचे गिरे लोगों को पकड़ या खींच कर वापस कोच में नहीं ला सके। कितने लोग घायल हुए, जिनके हाथ-पैर टूटे, किसने अपनी जान गंवाई, इसका विवरण बाद में आएगा, लेकिन भीड़ भरे लोकल के यात्री एक-दूसरे से रगड़कर नीचे गिर गए। यह समय उन पर क्यों आया? कौन जिम्मेदार है? इसका जवाब कोई नहीं देगा। देश में हर जगह वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की जा रही है। वंदे भारत ट्रेन का क्रेज बढ़ रहा है, लेकिन मुंबई के इलाकों में रोजाना यात्रा करने वाले लाखों यात्री हवा में उड़ गए हैं। हर दिन, लाखों मुंबईकर काम तक पहुंचने के लिए भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ढाई घंटे की यात्रा कर रहे हैं और आजीविका और रोजगार के लिए एक ही भीड़ से शाम और रात घर लौट रहे होते हैं। बताया जाता है कि मुंबई में लोकल ट्रेन में रोजाना करीब 75 लाख लोग सफर करते है. सेंट्रल रेलवे मुंबई उपनगरीय में 1810 ट्रेनों का संचालन करता है, जिसमें प्रतिदिन 70 लाख पैसेंजर सफर करते है. वहीं वेस्टर्न उपनगरीय 1394 ट्रेनों का संचालन करता है, जिसमें 35 लाख पैसेंजर सफर करते हैं. एक तरफ जहां लाखों की संख्या में यात्री ट्रेनों में सफर करते हैं, उसी तरह हजारों लोगों की मौत भी ट्रेन की घटनाओं में हुई है. मुंबई हाईकोर्ट में दाखिल जवाब के मुताबिक, पिछले 20 सालों में मुंबई में रेल हादसों में 51,802 लोगों की मौत हो चुकी है। मुंबई में ट्रेन हादसों में हर दिन सात से आठ लोगों की मौत हो जाती है, लेकिन उनकी कोई खबर नहीं आती। मुंबई की उपनगरीय रेलवे 'हर दिन कौन रोता है' की स्थिति में है। नए साल 2025 के जनवरी से मार्च के तीन महीनों में मुंबई में ट्रेन हादसों में 663 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 272 की मौत लोकल ट्रेन से गिरने से हुई, जबकि 391 की मौत रेलवे ट्रैक पार करते समय हुई। यह शायद पहली बार हो जब दो लोकल ट्रेनों के यात्री एक-दूसरे पर गिरकर मर गए हों या घायल हुए हों। क्या मुंबई में स्थानीय यात्रा पर किसी का नियंत्रण है? हर ट्रेन में हर लोकल के डिब्बे में बिना टिकट के कई यात्री होते हैं। सवाल यह है कि भीड़ का दुष्चक्र कब खत्म होगा? स्थानीय यात्रियों के लिए कब है राहत? मुंबईकरों को लोकल ट्रेनों में आराम से यात्रा करने का मौका कब मिलेगा? आम लोग शौक के रूप में स्थानीय यात्रा नहीं करते हैं। लाखों लोग स्थानीय यात्रा की ओर आकर्षित होते हैं क्योंकि वे सस्ते और तेज यात्रा कर सकते हैं। पिछले दो वर्षों में वातानुकूलित स्थानों ने चलना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे उनकी संख्या बढ़ रही है, गैर-एसी स्थान कम हो रहे हैं। मुंबई में, एसी स्थानों की बहुत मांग है। रेल प्रशासन को इस बात का ध्यान रखना चाहिए। फर्स्ट क्लास कोच में भी बिना टिकट के लोगों की भारी भीड़ होती है, यहां तक कि महिलाओं की भी। उन्हें यकीन है कि उनसे टिकट मांगने कोई नहीं आएगा। बिना टिकट वाले यात्री पास धारकों के लिए रोज की परेशानी बने हुए हैं, लेकिन रनिंग लोकल में कोच में आकर टिकट चेकिंग लगभग बंद हो गई है। गंदे पोखर लगाकर बॉक्स को साफ करने का नाटक करने वाले लोगों की भारी भीड़ है। हाथों में बच्चा लेकर भीख मांगने वाले भी बड़ी संख्या में लोग हैं। ये सभी लोग स्टेशन कैसे पहुंच सकते हैं, लोकल में कैसे चढ़ सकते हैं? वह सिस्टम कहां है जो उन्हें रोकता है, हटाता है और कार्रवाई करता है। पर्स बीनने वालों और मोबाइल चोरों के गिरोह भी भीड़ में सुराग तलाश रहे हैं। लेकिन जहां उन्हें रेलवे पुलिस का डर नहीं दिखता। दर्जनों यात्री इसलिए गिर गए क्योंकि वे मुंब्रा में भीड़ को संतुलित नहीं कर पाए, अगर इस भीड़ को नियंत्रित नहीं किया गया तो ऐसे हादसे होते रहेंगे। मुंबई की लाइफलाइन सुरक्षित है। वैसे बताया जाता है कि मुंबई लोकल में सोमवार को हुए हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) टीम के साथ इमरजेंसी मीटिंग की। इसमें मुंबई के लिए अब जो भी नॉन एसी लोकल ट्रेन आएंगी। उन सभी में दिल्ली मेट्रो की तरह ऑटोमेटिक गेट लगाए जाएंगे। साथ ही मौजूदा समय में चल रही लोकल के गेटों को स्वचालित गेटों से बदला जाएगा। लेकिन मीटिंग में एक बात यह भी सामने आई कि अगर मुंबई लोकल की नॉन एसी ट्रेनों में ऑटोमेटिक गेट लगा दिए गए तो अंदर डिब्बों में घुटन अधिक हो जाएगी। जिससे यात्रियों को दम घुटने जैसी परेशानी हो सकती है। ऐसे में तय किया गया कि मुंबई लोकल के लिए जो नॉन एसी ट्रेन बनाई जाएंगी। वह ना केवल ऑटोमेटिक गेटों वाली होंगी। बल्कि उन्हें इस तरह से डिजाइन किया जाएगा। ताकि उनमें वेंटिलेशन का पूरा साधन हो। यात्रियों को लोकल में दम ना घुटे और वह हवादार हों। इसके लिए थ्री स्टेप योजना बनाई गई है। जिसमें ट्रेनों के कोच को हवादार बनाया जाएगा। रेलवे मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि इस मामले में लंबी चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि मुंबई उपनगरीय सेवाओं के लिए जो भी नॉन एसी लोकल ट्रेन आएगी। उसके ऑटोमेटिक गेटों पर लूवर्स होंगे। यानी गेटों पर इस तरह की पट्टियां लगाई जाएंगी। जो हवा और रोशनी को तो कोच के अंदर आने देंगी, लेकिन बारिश और सूरज की सीधी रोशनी को आने से रोकेंगी। यह भी तय हुआ कि अलावा मुंबई लोकल ट्रेन के कोचों की छतों पर वेंटिलेशन यूनिटस लगाई जाएंगी। जो डिब्बों के अंदर ताजी हवा को खीचेंगी। इसके अलावा तीसरे स्टेप पर सारे कोच आपस में कनेक्ट होंगे। जिससे की यात्री एक कोच से दूसरे कोच में आ जा सकेंगे। जिससे भीड़ अपने आप से काफी हद तक संतुलित हो सकेगी। डिब्बों की विंडो भी और अधिक हवादार बनाई जाएंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अन्य अधिकारी समेत आईसीएफ टीम इस नतीजे पर पहुंची कि इस तरह की ट्रेन तैयार की जा सकती है। इसे युद्ध स्तर पर बनाने के लिए ग्रीन सिग्नल भी मिल गया। जिसमें इस नए डिजाइन की पहली ट्रेन इसी साल नवंबर 2025 तक बनकर तैयार करने का दावा किया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसके बाद जरूरी ट्रायल और सर्टिफिकेट के बाद इस नई हवादार और नए डिजाइन वाली नॉन एसी लोकल अगले साल जनवरी 2026 तक यात्रियों को अपनी सेवाएं देना शुरू कर देगी। यह ट्रेन उन 238 एसी ट्रेनों के अतिरिक्त होंगी। जिनका निर्माण मुंबई उपनगरीय सेवाओं के लिए किया जा रहा है।

भावनात्मक पतन : हिंसा की ओर झुकती नारी

मनीषा मंजरी

भारत भूमि स्त्रियों के उस रूप को सदा से वर्णित करती आयी है, जो करुणा, सहिष्णुता और भावनात्मक शक्ति का प्रतीक रही है। भारतीय स्त्रियां जो रिश्तों को सींचती हैं, घर को जोड़ती हैं, और अपने प्रेम, त्याग व ममता से समाज की नींव को मजबूत बनाती हैं। परन्तु हाल के वर्षों में, अखबारों और न्यूज़ चैनलों में स्त्रियों द्वारा अपने पति या प्रेमी अथवा अन्य रिश्तों की नृशंस हत्या की खबरे जिस गति से बढ़ रही है यह एक चौकाने वाला और अस्वाभाविक सामाजिक बदलाव है।

क्या हो गया है स्त्री मन को?

यह तथ्य मात्र अपराधिक नहीं है, अपितु यह मनोविज्ञान, सामाजिक दबाव, प्रेम में घात और आत्मसम्मान से सम्बंधित है। जब कभी भी स्त्री अपने अंतर्मन में ठगी जाती हैं, बार-बार होने वाले भावनात्मक शोषण का शिकार बनती हैं, या जब कभी भी उसे अपने अस्तित्व का मूल्य खोता हुआ प्रतीत होता है, तो उनकी निःशब्दिता में एक मौन आक्रोश का जन्म होता है। यह आक्रोश अधिकतम स्तर पर आत्महत्या में बदलता है, और न्यूनतम में हिंसक प्रवृति जागृत होती है।

बदलते रिश्ते और संवेदनाएं

बदलते समय के साथ रिश्तों की परिभाषाएं भी बदल चुकी है। प्रेम जो कभी त्याग और समर्पण का प्रतीक हुआ करता था, अब उसकी छवि में अधिकार, अपेक्षा और असंतोष का ग्रहण लग चूका है। ईधर स्त्रियां भी अब सहने की भूमिका में नहीं रही, क्यूंकि विकास और बौद्धिकता के स्तर पर उन्होंने भी नए आसमान को छुआ है। अब वो बोलना चाहती हैं, जीना चाहती हैं, सिर्फ औरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी, वो सम्मान के साथ संबंधों में बंधना चाहती हैं, जहां सिर्फ अधिकार की तलवार नहीं बल्कि समझ की जमीन भी मिले। परन्तु जब यह स्थान छिनता प्रतीत होता है, और उसका स्थान धोखा, हिंसा या उपेक्षा ले लेती है, तो कई बार यह स्त्री भावनात्मक रूप से विखंडित हो जाती है।

जहां कुछ स्त्रियां इसे आत्म सुधार में परिवर्तित कर देती हैं वहीँ कुछ का दर्द आक्रोश बनकर फूटता है, जो अपराध का रूप ले लेता है। यह एक सामान्य प्रवृति नहीं बल्कि एक मानसिक और सामाजिक त्रासदी है।

मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक उपेक्षा

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता, विशेषकर महिलाओं के संदर्भ में। एक स्त्री जो दिनभर घर या ऑफिस के कार्यों में लगी रहती है, अगर भावनात्मक रूप से उपेक्षित होती है, या बार-बार अपमानित होती है, तो वह एक 'इमोशनल डेड ज़ोन' में प्रवेश कर जाती है। वहाँ उसकी संवेदनाएँ शून्य हो जाती हैं, और वह निर्णय भी उसी शून्य भावनात्मक स्थिति में लेती है।

कई स्त्रियों को अपने जीवनसाथी से भावनात्मक हिंसा झेलनी पड़ती है, बात-बात पर तिरस्कार, उपेक्षा, मानसिक दबाव, और कभी-कभी शारीरिक उत्पीड़न भी। इन सबका मानसिक असर धीरे-धीरे उसे इस कगार तक पहुँचा देता है जहाँ वह अपनी पीड़ा का समाधान कानून या न्याय में नहीं, प्रतिशोध में ढूंढने लगती है।

मीडिया और वेब सीरीज का प्रभाव

आज का डिजिटल युग स्त्रियों के सामने ऐसे कंटेंट प्रस्तुत कर रहा है जहाँ प्रतिशोध, चालाकी और हिंसा को 'एम्पॉवरमेंट' के रूप में दिखाया जा रहा है। कुछ वेब सीरीज और सस्ते उपन्यासों में 'स्ट्रांग वूमेन' का मतलब यह बताया जा रहा है कि वह धोखा दे, बदला ले, और निर्दय बन जाए। यह गलत दिशा है।

स्त्री को मजबूत दिखाने के लिए उसे हिंसक बनाना आवश्यक नहीं। उसकी शक्ति उसकी सहनशक्ति, उसकी बुद्धिमत्ता और उसकी करुणा में है। मीडिया को यह समझना होगा कि वे किस प्रकार की मानसिकता को बढ़ावा दे रहे हैं।

सामाजिक संरचना में भूमिका

हमारे समाज में अभी भी स्त्रियों को पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं समझा जाता। वे चाहे कितनी भी योग्य हों, उनका मूल्य अक्सर उनके वैवाहिक जीवन और पारिवारिक संबंधों से जोड़ा जाता है। अगर शादी में समस्या है, तो उसे दोषी ठहराया जाता है। अगर प्रेम में असफलता है, तो उसकी नीयत पर सवाल उठाए जाते हैं। जब तक हम स्त्रियों को एक स्वतंत्र, सोचने-समझने वाली, और निर्णय लेने वाली इकाई के रूप में नहीं स्वीकारेंगे, तब तक वे अपनी भावनात्मक असुरक्षाओं से लड़ने में अकेली पड़ जाएंगी। यही अकेलापन कभी-कभी उन्हें अंधकार की ओर धकेल देता है।

क्या है समाधान?

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकताः हर स्त्री को यह सिखाना होगा कि दुख, धोखा या टूटन का समाधान संवाद, थेरेपी और आत्मविश्लेषण में है, न कि हिंसा में। भावनात्मक शिक्षाः स्कूल से ही लड़कियों और लड़कों दोनों को रिश्तों की समझ, सहानुभूति और संयम की शिक्षा देना ज़रूरी है।मीडिया जिम्मेदारीः फिल्मों, सीरियल्स और सोशल मीडिया को यह समझना होगा कि वे किस प्रकार की मानसिकता को बढ़ावा दे रहे हैं।

समर्थन समूहः महिलाओं के लिए सुरक्षित, गोपनीय और प्रभावी सपोर्ट सिस्टम तैयार करना चाहिए जहाँ वे अपने आघात साझा कर सकें। पारिवारिक संवादः माता-पिता को चाहिए कि वे बेटियों से सिर्फ आदर्श बनने की अपेक्षा न रखें, बल्कि उन्हें उनकी असुरक्षाओं, आक्रोश और उलझनों पर खुलकर बात करने का अवसर दें। स्त्री जब हिंसा की राह चुनती है, तो वह केवल कानून का उल्लंघन नहीं करती, वह अपने भीतर की उस करुणा को भी मार देती है, जो उसे विशेष बनाती है। यह एक सामाजिक चेतावनी है कि अब हमें केवल 'महिला सशक्तिकरण' की बातें नहीं करनी हैं, बल्कि उनके भीतर पल रही पीड़ा को समझना भी सीखना होगा। क्योंकि स्त्री जब टूटती है, तो समाज भी दरकने लगता है। हमें ऐसी दुनिया बनानी है जहाँ स्त्रियाँ अपनी असहायता को प्रतिशोध में नहीं, आत्मनिर्भरता और समझदारी में बदलें। जहाँ वे अपने दर्द से जुड़ें, उसे पहचानें, और उसके लिए सही मार्ग अपनाएं। क्योंकि जब एक स्त्री मुस्कुराती है, तो एक पूरा परिवार, एक पूरा समाज सुखी होता है।

विवाह संस्कार को कलंकित कर हत्यारिन बनती नवयौवनाए!

मनोज कुमार अग्रवाल

समझ में नहीं आता है कि क्या यह वही भारतीय समाज है जिसकी ललनाएं विवाह को सात जन्म का पवित्र सम्बन्ध मानकर यमराज से भी टकराने का साहस करती थी ऐसे एक नहीं लाखों उदाहरण है जिनमें विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पति की प्राण रक्षा के लिए अनेक कष्ट सहन कर अपनी जान की भी बाजी लगा दी लेकिन बोए पेड़ बबूल का तो आम कहां से होए यह वो समय था जब भारतीय समाज की लड़कियां शैशव काल से सीता सावित्री गार्गी और लक्ष्मी बाई की चरित्र गाथाओं को पढ़ने सुनने के बाद अपने चरित्र को सर्वोच्चता देती थी लेकिन आज दौर बदल चुका है एकता कपूर के सीरियलों ओटीटी प्लेटफार्म पर वर्जित संबंधों और हिंसा को देख कर पैदा और परवरिश पा रही लड़कियों को समझ नहीं आ रहा है कि सीरियलों में दर्शाये गए विवाह पूर्व प्यार सेक्स लिव-इन और विवाहेत्तर संबंधो में कौन सा रिश्ता सत्य है? बिन फेरे हम तेरे लिव-इन रिलेशन को मान्यता दे रही अदालतों और मूकदर्शक बने समाज में लोकलाज का भय समाप्त हो गया है और प्रकृति प्रदत्त सुकुमार कोमल और जल्द भ्रमित होने वाली जींस को लेकर जन्म लेने वाली लड़कियां एक बेहद भोगी कामातुर सोशल मीडिया पर रील बनाने में लगे समाज में दिग्भ्रमित होकर जाने अनजाने अपराध के रास्ते पर भटक रहीं हैं और रिश्तों का कत्ल करने से नहीं चूक रहीं हैं। इस बदलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों को तार-तार करने वाली घटनाएं लगातार बढ़ती ही जा रही है, जो बेहद चिंता जनक है।हाल में ऐसी ही एक घटना मेघालय के रमणीय पर्यटक स्थल शिलांग से सटे चेरापूंजी में सामने आयी है, जो मानवता को झकझोरने वाली है। इंदौर के नव विवाहित युवक राजा रघुवंशी की हत्या मामले में जो सच्चाई सामने आयी है, उसने पूरे देश को चौंका दिया है। ये पूरा मामला प्यार, शादी और धोखे का ऐसा मिश्रण है, जिसने समूचे देश को झकझोर दिया है। भारतीय समाज में शादी के बंधन को सात जन्मों का साथ माना जाता रहा है, पर आजकल के रिश्ते सात जन्म तो दूर ठीक से सात दिन सात हफ्ते में ही दरक रहे हैं। पुलिस खुलासे में पत्नी सोनम रघुवंशी ही इस हत्याकांड की मुख्य साजिश कर्ता के तौर पर सामने आई है। बताया जा रहा कि सोनम ने अपने फर्म के ही कर्मचारी प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची । शादी से पहले सोनम और राज के बीच प्यार था। लेकिन घरवालों ने उसकी शादी राजा से करवा दी। पुलिस का आरोप है कि पत्नी सोनम ने ही राजा को रास्ते से हटाने के लिए ये साजिश रची। इस पूरे घटनाक्रम ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर किस पर भरोसा करें। जब पनी ही अपने सुहाग की कातिल बन जाए तो शादी जैसे पवित्र रिश्ते पर कैसे भरोसा किया जाएगा। राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में बड़े धूमधाम से हुई थी। शादी के वीडियो में राजा और सोनम बेहद खुश नजर आ रहे। वो डांस करते दिख रहे। शादी के बाद सोनम ने ही हनीमून के लिए शिलॉन्ग की टिकट कराई थी। हालांकि, राजा रघुवंशी का हनीमून पर जाने का प्लान नहीं था। लेकिन पत्नी की जिद के आगे वो तैयार हो गया। जानकारी ये भी आ रही कि सोनम ने वापसी को लेकर टिकट नहीं कराया था। मेघालय पहुंचने के बाद 23 मई को अचानक ही राजा रघुवंशी और सोनम लापता हो गए। फिर राजा की लाश तो मिली लेकिन सोनम का पता नहीं चला। 9 जून की सुबह-सुबह खबर आई कि सोनम यूपी के गाजीपुर में एक दावे के पास देखी गई। इसके बाद उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह मामला केवल एक हत्याकांड नहीं, बल्कि सामाजिक दवाव, मनोवैज्ञानिक जटिलताओं, और संगठित अपराध के संभावित नेटवर्क का एक जटिल मिश्रण है। देखा जाए तो समाज में पहले यह सुनने को मिलता था कि पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है, लेकिन कुछ समय से इसके विपरीत खबरे आ रही है। इस साल में कई पत्नियों ने अपने पतियों को मौत के घाट उतरवा दिया। रिश्ते और भरोसे के कत्ल की यह पहली वारदात नहीं है। इससे पहले मेरठ का सौरभ हत्याकांड सामने आया था। इसी साल 3 मार्च 25 को मेरठ उत्तर प्रदेश की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर सौरभ की हत्या कर दी थी। उसके शव के कई टुकड़े कर नीले ड्रम में सीमेंट के साथ डाल दिया था। फिर मुस्कान और साहिल घूमने चले गए। जब दोनों लौटे तब सौरभ की हत्या का खुलासा हुआ, फिलहाल दोनों जेल में बंद है। साल 2025 के अप्रैल के महीने में उत्तर प्रदेश के देवरिया में दिल दहला देने वाली घटना हुई. यहा एक महिला ने अपने प्रेमी की मदद से अपने पति की हत्या कर दी और शव को दो टुकड़ों में काटकर ट्रॉली बैग में भरकर ठिकाने लगाने की कोशिश की. 38 वर्षीय नौशाद अहमद नामक पीड़ित 10 दिन पहले ही दुबई से लौटा था.

अंधविश्वास तथा आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

योगेश कुमार गोयल

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 11 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत 1455 सन 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया। संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, ''महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है?'' संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहेनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है?उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है।

नया दार्शनिक चिंतन

डॉ टी महादेव राव

भैया! आजकल दर्शन शास्त्र और दार्शनिक बातों में कुछ ज्यादा ही मेरी रुचि जाग रही है। जिस किसी भी चीज को देखता हूं उसमें भी पता नहीं कैसे कैसे नए नए विचार आते हैं। ऐसा! लगता है आजकल रूपा ने तुम्हें खुला छोड़ रखा है। इसलिए खासे फिलॉसफर बने जा रहे हो। बोलो ऐसा क्या विचार है जो दर्शन का ज्ञान कराता है? भैया! बताइए समोसा, कचौड़ी और जलेबी को देखकर आपको क्या लगता है?समोसा अगर बहुत गरम है तो खट मिट चटनी के साथ खाने का मन करेगा। थोड़ा ठंडा है तो समोसा चाट बनवाकर खाने का मन करता है। कचौड़ी और जलेबी भी बस मुंह का स्वाद बनते हैं। अच्छे लगते हैं। यही तो सामान्य जन और दार्शनिक चिंतक में फ़र्क है। आपको जीभ का स्वाद, खाने की इच्छा, पेट में डालने की सोच आती है। लेकिन मुझे जीवन के विभिन्न पार्श्वों की तस्वीर दिखने लगती है। अच्छा! शुरू करो समोसा से। क्या विचार आते हैं? पिरामिड सा समोसा मिडिल क्लास मानव की मजबूरियां और परेशानियों के साथ सांसारिक मकड़जाल में फंसे मनुष्य का प्रतीक है। वो कैसे? समोसा का त्रिभुजाकार उसे तीन तरफ खींचे रखता है। मध्य वर्ग मानव भी तीन तीन तरह से तना हुआ तनाव में रहता है। एक कोण बॉस का, एक कोण बीवी बच्चों का और एक कोण उसके खुद का करियर। एक दूसरे से अलग, कभी न मिलने वाले और अपनी अपनी जगह स्वतंत्र। एक कोण संभालो तो दूसरा दूर होने लगता है। सभी को संभालो तभी आदमी सफल होता है जो कि बहुत कठिन काम है। अंदर जो आलू का मसाला भरा होता है उसका दार्शनिक कोण क्या है छोटू तुम्हारी दृष्टि में। वह है एक दूसरे कोण को मिलाने के चक्कर में व्यक्ति की जिजीविषा और संघर्ष का प्रतीक है। कहीं आलू, कहीं मसाला, कहीं मिर्च यह हमारी संवेदनाओं का संकेत है। मुझे लगता है छोटू! न्यूटन के बाद तुम ही हो। उन्होंने खाने वाले फल सेव से गुरुत्वाकर्षण नियम खोजा था। तुम समोसे में मध्यम वर्गीय मानव का जीवन दर्शन प्रतिपादित कर रहे हो। धन्यवाद भैया! आपको कचौड़ी की बात बताऊं। वह तो गोल होती है। उसका फंडा क्या है? पृथ्वी की तरह गोल पर पूरी गोल नहीं। गोल फूली हुई कचौड़ी अविवाहित व्यक्ति के जीवन का प्रतीक है। कोई लक्ष्य नहीं गोल गोल घूमते रहो। फूली तो रहती है लेकिन अंदर मसाला ऊपर नीचे दोनों सतहों में चिपका रहता है ठीक थोथले मनुष्य की तरह। अपने में मस्त फुल मगर अंदर से निल की स्थिति। है न ? तुम कहते हो तो फिर ठीक ही कहते होगे छोटू! लेकिन तुम्हारे ज्ञान चक्षुओं ने यह सारा कुछ देखा कब? कमाल है। है न? उस दिन रूपा और बच्चों को लेकर शहर के बहुत बड़े चाट भंडार झकास में गया। वहां गरम गरम बनते समोसे, कचौड़ी और जलेबियां देखकर मेरी सोच दार्शनिक हो गई। अच्छा। अब रह गई बात जलेबी की? वहीं आ रहा हूं। जलेबी सारे मानव के मस्तिष्क में उथल पुथल मचाती चिंताओं, विचारों, तर्क तरह के विकारों का प्रतीक है। उनमें जो शक्कर का रस है वह हमारी द्वंदात्मक परिस्थिति को परिलक्षित करती है।

शहीद एएसपी का अंतिम संस्कार, बेटे ने दी मुखाग्नि

पत्नी ने रोते हुए सैल्यूट किया, नक्सल ऑपरेशन चीफ बोले- बलिदान बेकार नहीं जाएगा

रायपुर, 10 जून (एजेंसियां)। सुकमा नक्सल आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए एएसपी आकाश राव का अंतिम संस्कार किया गया। रायपुर के महादेवघाट मुक्तिधाम में बेटे ने मुखाग्नि दी। परिजन, पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

इस दौरान वहां मौजूद नक्सल ऑपरेशन के चीफ आईपीएस विवेकानंद ने कहा कि आकाश का बलिदान बेकार नहीं जाएगा।

इससे पहले शहीद गिरिपुंजे को माना पुलिस बटालियन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पत्नी ने रोते हुए सैल्यूट किया, वहीं मां-पिता बिलखते रहे। सीएम साय उनके मंत्रियों और अफसरों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंतिम यात्रा के दौरान रास्ते भर जब तक सूरज चांद रहेगा, आकाश तेरा नाम रहेगा के नारों की गूंज रही। अंतिम यात्रा में कलेक्टर के साथ कई अफसर और बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

शहीद आकाश राव गिरिपुंजे रायपुर के रहने वाले थे। वह सुकमा में एडिशनल एसपी के पद पर पदस्थ थे। रायपुर के कुशालपुर इलाके में उनका पूरा परिवार रहता है। उनके माता-पिता पत्नी दो छोटे बच्चे यहीं रहते थे।

बुधवार को शहीद एएसपी की 6 साल की बेटी नव्या का जन्मदिन है।

पूरा परिवार इस जन्मदिन को सेलिब्रेट करने की तैयारी में लगा हुआ था। आकाश भी सुकमा से बेटी के जन्मदिन में आने वाले थे मगर अब सब कुछ बदल चुका है।

छत्तीसगढ़ में ट्रेन से कटे झारखंड के 2 मजदूर

बालोद, 10 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में झारखंड से काम की तलाश में दल्लीराजहरा पहुंचे 2 मजदूरों की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। शुरुआती जांच के अनुसार कुल 11 मजदूर ट्रैक के रास्ते पैदल जा रहे थे। इसी दौरान थकावट के कारण 4 मजदूर पटरी पर ही सो गए। मंगलवार सुबह करीब 4 बजे कुसुमकसा से दल्लीराजहरा के बीच एक ट्रेन गुजरी। जिससे 2 मजदूरों की मौके पर ही कटकर मौत हो गई। जबकि नींद से जागकर भागने की कोशिश में 2 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। दल्लीराजहरा पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार झारखंड से आए 11 मजदूर दल्लीराजहरा पहुंचे थे और सभी पटरी के सहारे पैदल चलते हुए अपने सामान के साथ आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान थकान की वजह से चार मजदूर रेलवे ट्रैक पर ही सो गए, जबकि बाकी 7 मजदूर उनसे कुछ दूरी पर आगे निकल चुके थे।

जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो सोए हुए साथियों को आवाज देकर जगाने की कोशिश की, लेकिन इससे पहले ही वहां 2 युवकों के ऊपर से ट्रेन गुजर गई।

हादसे की सूचना मिलते ही जब रेलवे और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो दृश्य बेहद भयावह था। ट्रेन से कटने के कारण दोनों युवकों के शव कई हिस्सों में बंट चुके थे, जबकि 2 अन्य युवक पटरी के किनारे तड़पते हुए मिले। आसपास उनका सामान, मोबाइल और बैग बिखरे पड़े थे। जिन्हें दल्लीराजहरा पुलिस ने मौके से जब्त कर लिया है।

दल्लीराजहरा सीएसपी डॉ. चित्रा वर्मा ने बताया कि हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ। सूचना मिलते ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज जारी है। घायल मजदूरों ने बताया कि वे झारखंड से आए हैं। पुलिस टीम मौके पर मौजूद है और अन्य मजदूरों से पूरी जानकारी ली जा रही है। मृतकों के शवों को मरच्युरी में शिफ्ट कर दिया गया है और मामले की जांच प्रक्रिया जारी है।

3 दिन में उखड़ने लगी 79 लाख की सड़क

18 साल के इंतजार के बाद बनी, लोग बोले-पहली बारिश में धुल जाएगी

भिलाई, 10 जून (एजेंसियां)। भिलाई नगर निगम जोन 2 के कुरुद क्षेत्र में 18 साल बाद बनी 79 लाख की सड़क 3 दिन में उखड़ने लगी है। इस सड़क में अभी सीलकोट होना बाकी है, लेकिन उससे पहले ही गिट्टी उखड़कर पूरे सड़क पर बिखर रही है।

बता दें कि जिस सड़क का निर्माण 3 दिन पहले किया गया है, वो सड़क साईं मंदिर हाउसिंग बोर्ड एरिया से होते हुए सीधे गोकुल धाम के लिए जाती है। इस सड़क में बड़ी गाड़ियों से लेकर बाइक और कार चालकों का आना-जाना रहता है। पिछले महीने तक इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे थे।

यहां के लोगों ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से सड़क की मांग की। उन्होंने सड़क की स्वीकृति तो दिला दी गई, लेकिन निगम के अधिकारी गुणवत्ता का ध्यान नहीं रख पाए।

लोगों का कहना है कि ठेकेदार ने शुरू से ही निर्माण कार्य में लापरवाही बरती। एक दिन में डब्ल्यूबीएम (वॉटर बाउंड

मैकाडम) बिछाकर रोलर चला दिया गया। जबकि यहां काफी ज्यादा मात्रा में रोलिंग करना था।

निर्माण के दौरान गुणवत्ता की परख करने के लिए निगम के अधिकारी भी नहीं पहुंचे। यहां के रहवासी कुलदीप शर्मा का कहना है कि डब्ल्यूबीएम के ऊपर ठेकेदार ने पानी युक्त पतला इमल्शन डाला। इमल्शन का छिड़काव करने के लिए मशीन का उपयोग नहीं किया गया। साथ ही उसके बाद जो डब्ल्यूबीएम वर्क किया गया, उसमें मानक से कम डामर मिलाया गया।

डामर की कमी होने से जैसे ही सड़क के ऊपर से गाड़ियां निकलनी शुरू हुई मात्र 3 दिन के अंदर ही सड़क की गिट्टी उखड़कर सड़क पर बिखरने लगी। इस पर निगम के इंजीनियर अरविंद शर्मा का कहना है कि सड़क का निर्माण पूरा नहीं हुआ। गुणवत्ता की जांच की जा रही है, वहीं यहां के लोगों का कहना है कि ये सड़क इस बारिश को भी नहीं झेल पाएगी।

डामर सड़क बनाने के दौरान डामर की परत चढ़ाने से पहले सड़क पर डब्ल्यूबीएम वर्क किया जाता है। डब्ल्यूबीएम का अर्थ होता है "वॉटर बाउंड मैकाडम"। यह पत्थर के टुकड़ों, मिट्टी और पानी से बनता है। यह सड़क के बेस कोर्स के रूप में उपयोग किया जाता है।

डब्ल्यूबीएम सड़क का निर्माण करने के दौरान सबसे पहले, सब-बेस तैयार किया जाता है, फिर डब्ल्यूबीएम को बेस कोर्स के रूप में लगाया जाता है। डब्ल्यूबीएम में पत्थर के टुकड़ों को एक साथ बांधने के लिए, पानी का उपयोग किया जाता है, और फिर इसमें रोलर चलाया जाता है।

साईं मंदिर की सड़क में डब्ल्यूबीएम तो किया गया, लेकिन सही से रोलर चलाकर रोलिंग वर्क नहीं किया गया।

पुलिसकर्मी ने दोस्त की हत्या की

मुर्शिदाबाद में मिला था फाइनेंस कर्मी का शव हाइवा कारोबार में पैसों के विवाद में वारदात

पाकुड़, 10 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने पाकुड़ के एक पुलिसकर्मी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। अमड़ापारा थाना में तैनात विपिन पाठक पर अपने दोस्त आनंद राज की हत्या का आरोप है।

आनंद राज पाकुड़ जिला के पुलिस लाइन के सामने रहते थे। 15 मई 2025 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के सूती थाना क्षेत्र में 30 वर्षीय आनंद राज का शव मिला था। सूत्र बताते हैं कि पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा किए गए जांच में सामने आया कि आनंद और विपिन हाइवा के कारोबार से जुड़े थे। पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में विपिन ने आनंद की हत्या कर दी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कॉल डिटेल के आधार पर पहले मृतक के एक अन्य मित्र को हिरासत में लिया। पूछताछ में

विपिन पाठक का नाम सामने आया। जांच में पता चला कि आनंद को हिलसा मछली की खरीदारी के बहाने पश्चिम बंगाल बुलाया गया। वहां उनकी गला दबाकर हत्या कर दी गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों देवघर के रहने वाले थे और अच्छे दोस्त थे। पाकुड़ एसपी निधि द्विवेदी ने विपिन पाठक की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एक पुलिस कर्मी की गिरफ्तारी से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

चर्च में लाखों की लूटपाट

देर रात पांच नकाबपोश अपराधी घुसे, धर्मगुरुओं को पीटा, 'अल्लाह हू अकबर' के नारे लगवाये

सिमडेगा, 10 जून (एजेंसियां)। समसेरा स्थित चर्च में बीती रात करीब 1:30 बजे पांच नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने डकैती की वारदात को अंजाम दिया। अपराधियों ने पल्ली पुरोहित फादर इंग्नेश टोप्पो, विद्यालय के प्रधानाध्यापक आगस्टिन डुंगडुंग और सहायक पल्ली पुरोहित रोशन सोरेंग पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया।

रोशन सोरेंग ने बताया कि अपराधी ताला तोड़े बिना चाबी से दरवाजा खोलकर अंदर घुसे। सबसे पहले फादर इंग्नेश के कमरे में पहुंचे। वहां से उन्हें पीटते हुए बाकी कमरों में ले गए। सभी धर्मगुरुओं को पीटा गया। एक अपराधी ने देसी कट्टाकनपटी पर रखा। सभी से 'अल्लाह हूअकबर' बोलने को कहा।

डकैतों ने करीब एक घंटे तक लूटपाट की। चर्च, स्कूल और एक छोटी बैंकनुमा संस्था करीब 8 लाख रुपए लूट लिए। सभी अपराधी ओड़िया भाषा में बातकर रहे थे। रोशन ने बताया कि घटना वाले दिन ही वह बानो से समसेरापल्ली में ट्रांसफर होकर आए थे। फादर इंग्नेश ने बताया कि यह तीसरी बार ऐसी घटना हुई है। उन्हें दाहिने अंग में बुरी तरह पीटा गया। सभी घायलों का इलाज बोलबा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. देवतोष भूटिया की देखरेख में चल रहा है। डॉक्टर ने बताया कि सभी की हालत खतरे से बाहर है। घटना के बाद बोलबा थाना प्रभारी संतोष कुमार ने पूरे प्रखंड में छापेमारी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि 4 से 5 लाख रुपए की डकैती की पुष्टि हुई है। कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए थाने लाया गया है। अज्ञात अपराधियों पर मामला दर्ज किया गया है।

घटनास्थल पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जवान तैनात किए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक विक्सल कोनगाड़ी, प्रतिनिधि सभी आलम,रावेल लकड़ा समेत कई कार्यकर्ता बोलबा पहुंचे। उन्होंने सीएचसी में घायलों से मुलाकात की। बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

विधायक ने समसेरा पल्ली जाकर स्थिति का जायजा लिया। विधायक ने कहा कि यह तीसरी बार ऐसी घटना हुई है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से बात कर एसआईटी जांच की मांग की। कहा कि धर्मगुरुओं और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना गलत है।

घटना के विरोध में एनएच 143 पर ठेठईटांगर-बोलबा मोड़ के पास लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

इंस्टाग्राम पर लव-यू लिखा, 3 दिन बाद पत्नी का गला काटा

कैरेक्टर के शक में हसिया से वारदात, 3 महीने पहले हुई थी शादी

धमतरी, 10 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक पति ने सब्जी काटने वाले हसिया से अपनी पत्नी का गला काट दिया। वार्ड क्रमांक 15 में मंगलवार (10 जून) सुबह पत्नी की लाश उसके कमरे में मिली। घर वाले खेत में काम करने गए थे। आरोपी पति धनेश्वर पटेल ने खुद परिवार को बताया तो छोटे भाई ने थाने में सूचना दी।

मामला नगरी थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का मानसिक इलाज चल रहा था और वह अपनी पत्नी के कैरेक्टर पर शक भी करता था। जिसके बाद उसने घटना को अंजाम दिया है। दोनों की शादी को 3 महीने ही हुए थे। वह पेशे से इलेक्ट्रिशियन है।

बता दें कि आरोपी धनेश्वर का इंस्टाग्राम में शशिकांत पटेल के नाम से अकाउंट है। वह सोशल मीडिया में एक्टिव रहता था। अपने परिवार दोस्तों के साथ उसने कई फोटो अपलोड किया है। वहीं, 3 दिन पहले ही पत्नी

संग फोटो डालकर उसने 'लव यू' लिखा था।

आरोपी पति धनेश्वर पटेल बिजली फिटिंग का काम करता था, घर के बाकी सदस्य खेती किसानी का काम करते थे। मीनाक्षी धमतरी शहर से लगे मुजगहन की रहने वाली थी। दोनों की शादी तीन महीने पहले फरवरी महीने में हुई थी। तब से ही दोनों के बीच विवाद चलता आ रहा था। जानकारी के मुताबिक, धनेश्वर अपनी पत्नी को किसी से भी बात नहीं करने देता था। यहां तक कि उसने आस-पड़ोस में लोगों से बात करने को भी मना किया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होते रहता था। मंगलवार को भी दोनों इसी बात को लेकर ही झगड़े थे। जिसके बाद गुस्से में आकर धनेश्वर ने सीधे उसका गला काट दिया। मीनाक्षी की मौत मौके पर ही हो गई।

बिलासपुर हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

परिसर खाली कराकर कराई गई जांच, मचा हड़कंप

बिलासपुर, 10 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बिलासपुर हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। हाईकोर्ट के आधिकारिक वेबसाइट पर धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इसमें कोर्ट परिसर को उड़ाने की बातें कही गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हाईकोर्ट परिसर को खाली कराकर जांच कराई गई, लेकिन इस दौरान कहीं कुछ नहीं मिला।

धमकी मिलने के बाद अचानक तनाव और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एक ईमेल संदेश ने सबको चौंका दिया, जिसमें कहा गया था कि कोर्ट परिसर में अमोनियम सल्फर आधारित आईईडी बम लगाया गया है। ये ईमेल किसी 'मद्रास टाइगर्स फॉर अजमल कसाब' नामक संगठन के नाम से आया था। पुलिस और खुफिया एजेंसियों के साथ-साथ बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड को तुरंत हरकत में आना पड़ा। यह धमकी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर नोटिस बोर्ड के रूप में दिखाई दी। जैसे ही यह सूचना मिली, प्रशासन ने तुरंत कोर्ट परिसर को खाली कराया और सभी न्यायाधीशों, वकीलों और स्टाफ को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया।

हाईकोर्ट में समर वेकेशन के बाद सोमवार से कामकाज शुरू हुआ। इस दौरान कोर्ट परिसर में जजों के साथ ही वकील और पक्षकार भी मौजूद थे। तभी दोपहर बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के वेबसाइट पर ईमेल के माध्यम से धमकी भरा मेसेज मिला, जिसमें हाईकोर्ट में बम लगाने और परिसर को उड़ाने की धमकी दी गई। मेसेज देखकर हाईकोर्ट के प्रोटोकॉल अफसर ने इसकी जानकारी पुलिस अफसरों को दी गई। जिसके बाद पुलिस भी अलर्ट मोड पर आ गई।

ईमेल आईडी अब्दुल abdia@outlook.com से भेजे गए मेसेज में संवेदनशील मुद्दों का उल्लेख किया गया था। इनमें अजमल कसाब को फांसी देने और कुछ व्यक्तियों को हिरासत में लेने जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए इसे एक पवित्र मिशन बताया गया। ईमेल में अमोनियम सल्फर आधारित आईईडी कोर्ट परिसर में लगाए जाने का दावा किया। धमकी मिलने के बाद एहतियातन कोर्ट परिसर को खाली कराकर जांच अभियान चलाया गया।

ट्रैफिक पुलिस पर जानलेवा हमला

रोंगटे खड़ा करने वाला वीडियो आया सामने

रांची, 10 जून (एजेंसियां)। रांची में इन दोनों पुलिस कर्मियों पर हमला करने का मामला लगातार सामने आ रहा है। बेड़ो थाना पर स्थानीय लोगों के हमले के बाद लापुंग थाना प्रभारी पर हमला किया गया। वहीं अब नगड़ी थाना क्षेत्र में प्रतिनियुक्त ट्रैफिक पुलिस पर हमला करने का एक वीडियो सामने आया है। दरअसल, राजधानी के कटहल मोड़ पर प्रतिनियुक्त ट्रैफिक पुलिस के जवानों के साथ स्थानीय युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हुई। इस मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। नगड़ी थाना क्षेत्र के कटहल मोड़ में तीन ट्रैफिक जवानों के साथ स्थानीय युवकों के मारपीट कर वीडियो सामने आया है।

हर मोर्चे पर तैयार रहें, मुकाबला करेंगे

एएसपी की शहादत के बाद मौके पर पहुंचे आईजी, जवानों को दिया बड़ा मैसेज

सुकमा, 10 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने बारूदी सुरंग विस्फोट किया था। जिसमें एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शहीद हो गए थे। हादसे के दूसरे दिन बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने घटनास्थल का जायजा लिया। घटना में शामिल नक्सलियों का पता लगाने के लिए सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों द्वारा घटनास्थल पर लगाई गई एक और बारूदी सुरंग भी बरामद कर ली गई है।

विस्फोट स्थल का दौरा करने के बाद पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी कोंटा थाने पहुंचे और पुलिस कर्मियों से बातचीत की। उन्होंने मृत अधिकारी को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। जवानों से बातचीत के दौरान

पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि वे हर मोर्चे पर तैयार हैं और नक्सलियों से डटकर मुकाबला करेंगे।

सुंदरराज ने बताया कि सोमवार को विस्फोट की घटना के बाद बम निरोधक दल ने पूरे स्थल की तलाशी ली और वहां लगाए गए एक अन्य प्रेशर बम को बरामद कर उसे निष्क्रिय कर दिया। दल ने घटना में प्रयुक्त प्रेशर बम के पुर्जे और मलबा को भी बरामद किया। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में कोंटा थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। घटना के लिए जिम्मेदार माओवादियों की तलाश के लिए सुरक्षाकर्मियों ने आस-पास के इलाकों में तलाशी शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस कायराना हरकत को अंजाम देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक ने इस दौरान बस्तर रेंज के सभी जवानों से मजबूत और दृढ़निश्चयी बने रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "जब तक बस्तर नक्सलवाद की गिरफ्त से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाता, हम नहीं रुकेंगे। आकाश राव और अन्य शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उनकी विरासत शांति, समृद्धि और प्रगति के हमारे मिशन को प्रेरित करती रहेगी।"

सुकमा के कोंटा क्षेत्र में सोमवार को एक पत्थर खदान में नक्सलियों द्वारा किए गए बारूदी सुरंग (आईईडी) विस्फोट से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (कोंटा क्षेत्र) आकाश राव गिरपुंजे की मौत हो गई तथा दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए।

डिटेंशन सेंटर से फरार 3 बांग्लादेशी घुसपैठिए फिर पकड़े गए

प. बंगाल बॉर्डर से पुलिस ने तीनों को दबोचा

हजारीबाग, 10 जून (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले के डिटेंशन सेंटर से फरार हुए तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने फिर से गिरफ्तार कर लिया है। हजारीबाग पुलिस ने तीनों को पश्चिम बंगाल की सीमा से पकड़ा, जहां से वे एक बार फिर भागने की कोशिश कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए तीनों बांग्लादेशी नागरिक बिना पासपोर्ट और वीजा के अवैध रूप से भारत में घुसे थे। इन्हें अलग-अलग अपराधों में जेल भेजा गया था। सजा पूरी होने के बाद इन्हें हजारीबाग स्थित डिटेंशन सेंटर में रखा गया था, ताकि इन्हें बांग्लादेश वापस भेजा जा सके।

शनिवार शाम तीनों ने डिटेंशन सेंटर की सुरक्षा दीवार और खिड़की का रॉड तोड़कर फरार हो गए थे। हालांकि, इस घटना की सूचना जिला प्रशासन और पुलिस को सोमवार को मिली। इसके बाद पुलिस ने सघन छापेमारी शुरू की और सीमावर्ती राज्यों को भी अलर्ट किया गया। तीनों पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। इनमें रीना खान उर्फ फिना देवी, निपाह अख्तर खुशी और मोहम्मद नजमुल हंग हैं।

रीना खान (फिना देवी): मूल रूप से बांग्लादेश के गाजीपुर, ढाका की रहने वाली है। वह 4 फरवरी 2022 को जामताड़ा जेल से हजारीबाग जेल लाई गई थी। निपाह अख्तर खुशीः चटग्राम की रहने वाली है और 28 सितंबर 2024 को रांची के होटवार जेल से शिफ्ट होकर हजारीबाग लाई गई थी। मोहम्मद नजमुल हंगः बांग्लादेश के बागेरहाट का निवासी है और 1 मार्च 2025 को दुमका जेल से हजारीबाग जेल भेजा गया था। तीनों को बांग्लादेश भेजने के लिए भारत सरकार लगातार पत्राचार कर रही थी, लेकिन बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।

कैदियों के फरार होने के बाद हजारीबाग डिटेंशन सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और तत्काल कार्रवाई करते हुए सीमावर्ती इलाकों में छापेमारी तेज कर दी गई थी।

स्थायी वारंटी नक्सली का आत्मसमर्पण

शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर छोड़ा हिंसा का रस्ता

कोंडागांव, 10 जून (एजेंसियां)। कोंडागांव जिले में सोमवार को एक स्थायी वारंटी नक्सली सुकालू राम नाग ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। सुकालू पूर्वी बस्तर डिवीजन के अंतर्गत आमदई एलओएस में सहयोगी सदस्य के रूप में कार्यरत था और वर्ष 2003 से 2025 तक विभिन्न नक्सली गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पित नक्सली को छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के तहत प्रोत्साहन राशि के रूप में 50 हजार रुपये प्रदान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अन्य लाभों के लिए वरिष्ठ कार्यालय को पत्राचार किया गया है। सुकालू नाग पर थाना मर्दापाल में वर्ष 2018 के एक गंभीर मामले में स्थायी वारंट लंबित

था। उस पर ग्राम तुमड़ीवाल निवासी एक ग्रामीण को जनअदालत लगाकर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने तथा घर से लाखों का सामान लूटने का आरोप है।

आत्मसमर्पण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शंकर लाल बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल, उप पुलिस अधीक्षक सतीश भार्गव समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति, सिविक एक्शन कार्यक्रमों और सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई के चलते माओवादियों में भय का माहौल है और वे संगठन छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

प्रेमी ने की प्रेमिका के भाई की हत्या

24 घंटे में 3 आरोपी गिरफ्तार, शव मगध कोलियरी खदान में फेंक दिया था

लातेहार, 10 जून (एजेंसियां)। लातेहार जिले में एक प्रेम प्रसंग ने खौफनाक मोड़ ले लिया। बालूमाथ थाना क्षेत्र के आरा गांव में 17 वर्षीय विजयपथ आनंद का शव मिला। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर मामले को सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मृतक के पिता ने 7 जून को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 8 जून को विजयपथ की मोटरसाइकिल टुंडी स्थित सीसीएल कार्यालय के पास मिली।

अगले दिन मगध कोलियरी के पास उसका शव बरामद हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी रोशन कुमार (19) मृतक की बहन से प्रेम करता था। विजयपथ इस रिश्ते में बाधक बन रहा था। इतना ही नहीं, उसने रोशन की प्रेमिका की किसी अन्य युवक से बातचीत भी करवा दी थी। इससे नाराज होकर रोशन ने 6 जून को हहरवा बाईपास पर विजयपथ को बुलाया। वहां उसे गड्ढे में धकेल दिया। फिर अपने दोस्त जयवीर भुइयां के साथ मिलकर चाकू से गर्दन और पेट पर वार कर हत्या कर दी। शव छिपाने के लिए रोशन ने अपने दोस्त कृष्णा कुमार (24) को बुलाया। तीनों ने मिलकर शव को मारुति कार में रखकर मगध कोलियरी खदान में फेंक दिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, खून से सनी मिट्टी, मृतक की चप्पल, मोटरसाइकिल, मोबाइल और कार बरामद कर ली है।

कश्मीर को लेकर ग्रीस, आर्मेनिया, तुर्की, अजरबैजान और पाकिस्तान की तिकड़ी का खतरनाक मंसूबा

भारत और नाटो के लिए बड़ा खतरा

अंकारा, 10 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच करीब 4 दिन तक सीमित युद्ध चला। इस युद्ध के दौरान चीन और तुर्की के हथियारों की पोल खुल गई। तुर्की खुद को ड्रोन सुपर पावर मानता है लेकिन उसके ये शिकारी खुद ही भारतीय हवाई कवच के शिकार हो गए। इससे तुर्की बौखलाया हुआ है। हाल ही में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव की एक बैठक हुई जिसमें इस करारी शकिस्त के बाद आगे की रणनीति बनाई। पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान की तिकड़ी ने ऐलान किया है कि वे रक्षा संबंध को और ज्यादा मजबूत करेंगे। दरअसल जहां पाकिस्तान ने कश्मीर पर नजर गड़ा रखी है, वहीं तुर्की और अजरबैजान के निशाने पर भारत के दो दोस्त देश हैं जिन पर वह हमला करने के लिए सैन्य तैयारी को मजबूत कर रहा है।

भारत के तुर्की के किलर ड्रोन को मार गिराने के बाद से ही खलीफा एर्दोगन अब नई दिल्ली के दोस्त ग्रीस को तेजी से निशाना बनाने लगे हैं। तुर्की ग्रीस को धमका रहा है कि जिस तरह से पाकिस्तान ने भारत के फाइटर जेट को मार गिराया, उसी तरह से ग्रीस के वमिानों को एर्दोगन की सेना मार गिराएगी। हाल ही में ग्रीस ने फ्रांस से 24 राफेल फाइटर जेट खरीदे हैं। इससे तुर्की की सरकार बौखलाई हुई है। ग्रीस के राफेल फाइटर जेट की क्षमता पर तुर्की का सरकार पोषित मीडिया सवाल उठाने में जुटा हुआ है। तुर्की और ग्रीस का कई साल से तनाव चल रहा है। ग्रीस को डराने के लिए अब तुर्की भारत और पाकिस्तान की लड़ाई का उदाहरण दे रहा है।

इसके अलावा भारत ने तुर्की के बायरकतार टीबी-2 ड्रोन को जिस तरह से फेल कर दिया, उससे तुर्की के इस कथित ब्रह्मास्त्र की पोल खुल गई है। तुर्की ने इसे यूक्रेन से लेकर अजरबैजान को बेचा है। भारत के पड़ोसी देशों मालदीव, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने इस बायरकतार टीबी-2 ड्रोन को खरीदा है। वहीं भारत ग्रीस के साथ खुलकर खड़ा है और निवेश करने की भी तैयारी है। यह निवेश बंदरगाह, पर्यटन और रक्षा के क्षेत्र में किया जाना है। भारत के आकाश और टी-4 डिफेंस सिस्टम ने तुर्की के ड्रोन को मार गिराया। अब तुर्की को डर सता रहा है कि भारत ग्रीस को हथियारों का निर्यात कर सकता है। यही नहीं भारत का तुर्की के विरोधी साइप्रस और आर्मेनिया के साथ भी रक्षा रिश्ते मजबूत हो चुके हैं। भारत ने आर्मेनिया को कई बेहतरीन हथियारों की सप्लाई की है। इससे पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान की नापाक चाल फेल होती दिख रही है। असल में तुर्की कई साल से ग्रीस और आर्मेनिया पर हमले की धमकी दे रहा है। अमेरिकी वश्लिेषक माइकल रुबिन के मुताबकि साल 2024 में जब अमेरिका ने तुर्की को एफ-16 फाइटर जेट देने के लिए संसद से अनुरोध किया था, उसी दिन एर्दोगन ने एक भाषण दिया था। तुर्की के खलीफा ने इसमें कहा था, 'हमारा संघर्ष दुश्मन (ग्रीस) को हमारी जमीन से बेदखल और उन्हें इजमीर के समुद्र में फेकने से खत्म नहीं हो जाएगा।' इस बयान को काफी भड़काऊ माना गया था।

इजराइल ने गाजा में नए उग्रवादी संगठन को समर्थन दिया

हमास का मुकाबला करने के लिए हथियार भी दिए, नेतन्याहू बोले- इसमें कोई बुराई नहीं

गाजा, 10 जून (एजेंसियां)। इजराइल सरकार पर गंभीर आरोप लगे हैं कि उसने गाजा में हमास का मुकाबला करने के लिए एक फिलिस्तीनी मिलिशिया को हथियार दिए हैं। गाजा में हमास का पिछले 2 दशक से कब्जा है। इजराइल तमाम कोशिशों के बावजूद हमास का पूरी तरह से खात्मा नहीं कर पाया है।

इजराइल ने गाजा में हमास को खत्म करने की जिम्मेदारी 'पॉपुलर फोर्सेज' को दी है। इसका लीडर यासर अबू शबाब है। अबू शबाब खुद को 'आतंकवाद को मिटाने वाला' कहता है, लेकिन कई मानवाधिकार संगठन इसे लुटेरों और अपराधियों का नेता मानते हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी पिछले सप्ताह माना था कि उन्होंने गाजा में हमास को कमजोर करने के लिए उनके विरोधी संगठनों को अपना समर्थन दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर इससे इजराइली सैनिकों की जान बचती है, तो इसमें क्या गलत है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अबू शबाब एक समय छोटे अपराधों में

लिप्त था। कुछ साल पहले हमास की पुलिस ने उसे चोरी और ड्रग्स की तस्करी के आरोप में जेल में डाल दिया था। 2023 के अंत में जब इजराइल और हमास के बीच जंग छिड़ी, तो इजराइली हवाई हमलों की आड़ में वह जेल से फरार हो गया।

जेल से भागने के बाद उसने खुद का एक सशस्त्र संगठन पॉपुलर फोर्सेज मिलिशिया खड़ा कर लिया। पॉपुलर फोर्सेज मिलिशिया दक्षिणी गाजा में एक्टिव है। इसमें 100 से ज्यादा मेंबर हैं। ये लड़ाके फिलिस्तीनी झंडे और 'काउंटर-टेररिज्म यूनिट' के पैच वाली वर्दी पहनते हैं। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पॉपुलर फोर्सेज इजरायली सेना के नियंत्रण वाले इलाकों में काम कर रही है। इजराइल ने हमास से जब्त किए गए हथियार, जैसे कि क्लाशिनकोव (एके 47) राइफलें भी इन्हें दिए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरी योजना को इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने प्लान किया था जिसे प्रधानमंत्री नेतन्याहू तथा उनके सुरक्षा अधिकारियों ने भी मंजूरी दी।

इजराइली सरकार का तर्क है कि यह रणनीति इसलिए अपनाई गई ताकि हमास को कमजोर किया जा सके और इजराइली सैनिकों की जान बचाई जा सके। हालांकि इस योजना की काफी आलोचना हो रही है।

पूर्व रक्षा मंत्री एविगडोर लेबरमैन ने यहां तक कह दिया कि पॉपुलर फोर्सेज, इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठन से जुड़ा है। हालांकि इसके कोई पक्के सबूत सामने नहीं आए हैं।

इस वक्त जब गाजा में हालात बेहद खराब हैं और लोग भुखमरी झेल रहे हैं। ऐसे में अबू शबाब पर आरोप है कि उनका गुट उन ट्रकों को लूट रहा है जो लोगों तक मदद पहुंचाने आते हैं। यह गुट आटे, दवाओं और दूसरी जरूरी चीजों को हथियार के दम पर लूट रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह लूट इजराइली निगरानी में हो रही है। गाजा के ट्रक ड्राइवर और उनकी यूनियनें भी अबू शबाब से डरे हुए हैं। हाल ही में जब कुछ ट्रक ड्राइवरों पर गोलीबारी हुई, तो यूनियन ने काम बंद कर दिया।

हालांकि अबू शबाब ने इन आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्होंने कुछ ट्रकों को जरूर रोका है, लेकिन वो ऐसा जरूरतमंदों के लिए कर रहे हैं। वे अपने परिवार और पड़ोसियों को खाना खिलाने के लिए, न कि इन चीजों को बेचने के लिए।

उन्होंने उल्टे हमास पर आरोप लगाया कि असली लूटपाट वही कर रहा है। हमास ने इस आरोप से इनकार किया है। अबू शबाब का दावा है कि उसका संगठन रफाह में स्थानीय लोगों को सुरक्षा देता है और हमास के आतंक तथा मानवीय सहायता की लूट से उन्हें बचाता है।

भारतीय नौसेना ने जलते जहाज से चीनी नागरिकों को बचाया

बीजिंग/नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। केरल के अझिक्कल तट से 44 नॉटिकल मील दूर समुद्र में एक चीनी मालवाहक पोत एमवी वान हाय 503 में विस्फोट और आग लगने की घटना के बाद चीन ने भारत को शुक्रिया कहा है। भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड ने धमाके के बाद फौरन रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम देते हुए दर्जनों जिंदगियां बचाईं। इस बचाव अभियान की अंतरराष्ट्रीय सराहना हो रही है। चीन के भारत स्थित दूतावास ने भी आधिकारिक तौर जारी करते हुए भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड का आभार जताया है। कोच्चि के तट पर जहाज में हुए विस्फोट के बाद भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने तत्काल बचाव अभियान के लिए भारतीय नौसेना को धन्यवाद दिया है। भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा है कि 9 जून को एमवी वान है 503 में केरल के अझिक्कल से 44 समुद्री मील दूर जहाज पर विस्फोट और आग लग गई।

चीन की प्रवक्ता ने आगे लिखा है कि जहाज पर सवार कुल 22 चालक दल के सदस्यों में से 14 चीनी हैं, जिनमें 6 ताइवान के हैं।

इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग को वापस स्वीडन भेजा

कल गाजा जाते वक्त हिरासत में लिया था, जहाज में लोगों के लिए मदद लेकर जा रही थीं

वॉशिंगटन, 10 जून (एजेंसियां)। इजराइल ने अपनी हिरासत में मौजूद स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को वापस स्वीडन भेज दिया है। ग्रेटा को फ्रांस जाने वाले एक फ्लाइट में बैठाया गया है, जहां से उन्हें भेजा जाएगा।

इजराइली सेना ने सोमवार को ग्रेटा और अन्य 11 साथियों को उनके मैडलीन नाम के जहाज समेत गाजा के तट के पास से अपने कब्जे में ले लिया था। जिसे बाद में इजराइल के अशदोद पोर्ट ले जाया गया। ग्रेटा 1 जून को इटली के तट से गाजा के लोगों के लिए राहत सामग्री लेकर रवाना हुई थीं। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने X पर पोस्ट कर ग्रेटा को डिपोर्ट करने की जानकारी दी है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें ग्रेटा थनबर्ग और उनके साथियों को इजराइली नौसेना इजराइल ले जा रही है। विदेश मंत्रालय ने सोशल

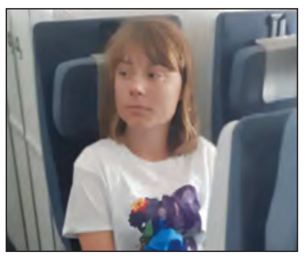

मीडिया प्लेटफॉर्म X पर तंज कसते हुए लिखा- 'सेल्फी यॉट' के सभी यात्री ठीक और सुरक्षित हैं। उन्हें सैंडविच और पानी मुहैया कराया गया है। शो अब खत्म हो चुका है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने ग्रेटा थनबर्ग और बाकी लोगों को हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले का वीडियो दिखाने का आदेश दिया था। तुर्किये ने मैडलीन जहाज के रोके जाने की निंदा की है। इस जहाज पर तुर्किये के एक कार्यकर्ता सुएब ओरडू भी सवार थे। विदेश मंत्रालय ने इजराइल के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया और कहा कि इससे समुद्री सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान एक 'आतंकी राज्य' की तरह बर्ताव कर रहा है। यह 12 सदस्यीय दल का एक हिस्सा है। ईरान ने भी इस घटना की निंदा की है और इसे 'समुद्री डकैती' करार दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बाकेई ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में हुआ और इस कारण इसे समुद्री डकैती माना जाना चाहिए।

स्पेन ने भी इस घटना को लेकर आपत्ति जताई है। स्पेन के विदेश मंत्रालय ने इस घटना को लेकर इजराइल के राजनयिक को भी तलब किया है। दरअसल, इस जहाज पर एक स्पेनिश नागरिक सर्जियो टोरिबियो भी था।

इससे पहले ग्रेटा और उनके साथियों ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि इजराइली सैनिकों ने उन्हें और उनके साथियों को इंटरनेशनल वाटर्स में अगवा कर लिया है।

अमेरिका हिंसा-ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस 2000 नेशनल गार्ड्स और भेजे

अब कुल 4000 की तैनाती, 700 मरीन कमांडों भी संभालेंगे मोर्चा

लॉस एंजिलिस, 10 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में 4 दिनों से जारी हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह हिंसक प्रदर्शन अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं।

इस प्रदर्शन को काबू करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने 2000 नेशनल गार्ड्स और तैनात करने का फैसला किया है, जिससे इनकी कुल संख्या 4000 हो जाएगी। इसके अलावा 700 मरीन कमांडों भी तैनात करने का फैसला किया है। यह नेशनल गार्ड के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। ये मरीन जवान दक्षिण कैलिफोर्निया के ट्वेंटी नाइन पाम्स बेस से आ रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह तैनाती अगले कुछ घंटों में हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में फैली हिंसा और

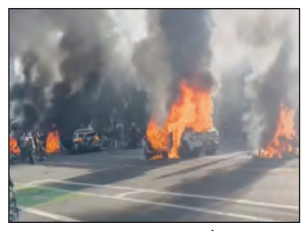

तोड़फोड़ के बाद वहां तैनात किए गए नेशनल गार्ड के जवानों की तारीफ भी की। ये जवान आमतौर पर राज्य के गवर्नरों के आदेश पर बुलाए जाते हैं, लेकिन इस बार ट्रम्प ने खुद उनकी तैनाती कर दी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम को गिरफ्तार किया जाए, तो यह अच्छा कदम होगा। गेविन लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इसके खिलाफ राज्य सरकार ट्रम्प पर केस करेगी।

ट्रम्प ने कहा, न्यूसम ने बहुत खराब काम किया है। उनका सबसे बड़ा जुर्म है कि वो फिर से गवर्नर बनना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें न्यूसम पसंद हैं, लेकिन कामकाज में कमजोर लगते हैं।

ट्रम्प के सहयोगी और बॉर्डर अधिकारी टॉम होमन ने पहले कहा था कि अगर कोई सरकारी अधिकारी फेडरल कानून में रुकावट डालेगा तो उसे गिरफ्तार किया जा सकता है। हालांकि बाद में उन्होंने साफ किया कि न्यूसम की गिरफ्तारी का कोई प्लान नहीं है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

भारतीय समयानुसार सोमवार को हुए प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने सैकड़ों गाड़ियों को जला दिया।

अमेरिकी रैपर डिडी पर एक्स-गर्लफ्रेंड से यौन हिंसा का आरोप

पीड़ित बोली- मारपीट कर गला दबाया, सेक्स वर्कर बुलाकर जबरन उससे संबंध बनवाया

वॉशिंगटन, 10 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के मशहूर रैपर और म्यूजिक प्रोड्यूसर शॉन 'डिडी' कॉम्ब्स पर उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड ने हिंसा और जबरन यौन संबंध बनाने के आरोप लगाए हैं। सोमवार को अदालत में गवाही देते हुए पीड़ित ने बताया कि 2024 में एक रात कॉम्ब्स ने उनके साथ मारपीट की, गला दबाया और चेहरे पर मुक्का मारा। इसके बाद एक पुरुष सेक्स वर्कर को बुलाकर उनके साथ जबरन 'फ्रीक-ऑफ' जैसी सेक्सुअल एक्टिविटी कराई।

महिला की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। वह कोर्ट में जेन नाम से पेश हो रही है। पेशी के तीसरे दिन सोमवार को उसने बताया कि वह 18 जून 2024 की रात कॉम्ब्स के साथ रोमांटिक शाम बिताने का प्लान कर रही थी, लेकिन वह रात उसके लिए एक भयानक दिन बन गई।

महिला के मुताबिक, कॉम्ब्स पर बेवफाई का आरोप लगाने के बाद वह गुस्से में आ गए। उन्होंने महिला का पीछा किया, उसे जमीन पर गिराया, दरवाजे तोड़े, चेहरे पर मुक्का मारा और गला दबाया।

महिला ने बताया कि उसने भागने की कोशिश की लेकिन कॉम्ब्स ने उसे लात मारकर गिरा दिया और बाल या हाथ पकड़कर फिर से अंदर घसीटा।

फिर उन्होंने एक पुरुष सेक्स वर्कर को बुलाया, उसे एक्स्टेसी की गोली दी। इसके बाद कॉम्ब्स ने उससे, पीड़ित के साथ जबरन संबंध बनाने के लिए कहा। जब महिला ने इसका विरोध किया तो, कॉम्ब्स ने कहा कि तुम इस तरह मेरी रात खराब नहीं करोगी।

कॉम्ब्स पर पहले भी यौन हिंसा के आरोप लगे हैं। नवंबर 2023 में उनकी पूर्व प्रेमिका और मशहूर सिंगर कैसी (कैसेंड्रा वेंटुरा) ने उन पर मुकदमा दायर किया था।

इसमें दावा किया गया कि कॉम्ब्स ने उसे ड्रग्स के असर में हफ्तों तक 'फ्रीक-ऑफ' सेक्सुअल सेशन में शामिल किया। कॉम्ब्स ने यह मुकदमा एक दिन में ही 2 करोड़ डॉलर में सुलझा लिया था।

जेन ने कहा कि जब उसने कैसी का मुकदमा पढ़ा, तो वह तीन दिन तक रोती रही और बीमार महसूस करने लगी। उन्हें अपनी कहानी, कैसी के तरह ही लगी। गवाही के दौरान जेन ने सैकड़ों टेक्स्ट मैसेज भी पढ़कर सुनाए। इनमें वह कॉम्ब्स से कह रही थी कि वह उसे जबरन सेक्स में धकेलते हैं, और अगर वह मना करे तो उसे घर से निकालने की धमकी देते हैं।

कॉम्ब्स ने इन सभी आरोपों से इनकार किया है। उन पर यौन तस्करी और संगठित अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं।

ढाका में प्रदर्शन पर रोक

यूनुस के सरकारी आवास-सचिवालय के आसपास का एरिया सील, अंतरिम सरकार की मुश्किलें बढ़ीं

ढाका, 10 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। विपक्षी दलों, सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और सेना के बीच भी नाराजगी बढ़ती जा रही है।

इस बीच ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने राजधानी के केंद्र में सभी रैलियों, विरोध प्रदर्शनों और जनसभाओं पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया है।

वहीं, ढाका पुलिस ने मोहम्मद यूनुस के आधिकारिक निवास 'जमुना गेस्ट हाउस' और बांग्लादेश सचिवालय के आसपास के एरिया को पूरी तरह सील कर दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है। जब सचिवालय में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरकार के एक

अध्यादेश के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। डीएमपी कमिश्नर एसएम सज्जात अली ने बताया कि यह प्रतिबंध, सार्वजनिक व्यवस्था और चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस की सुरक्षा के लिए लगाया गया है। इससे पहले 10 मई को भी सरकार ने सीमा सुरक्षा बल (बीजीबी) और पुलिस की एसडब्ल्यूएटी टीमों को सरकारी इमारतों की सुरक्षा में लगाया था।

फिलहाल ईद की छुट्टियों के कारण विरोध थोड़े समय के लिए थम गया है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों ने 15 जून तक मांगें पूरी नहीं होने पर देशभर के सरकारी दफ्तरों में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

बांग्लादेश सचिवालय अधिकारी-कर्मचारी एकता मंच के सह-अध्यक्ष नुरुल इस्लाम ने कहा कि आंदोलन और उग्र होगा।

अमेरिका में चीनी वैज्ञानिक गिरफ्तार

बिना इजाजत के जैविक सामग्री भेजने का आरोप

वाशिंगटन, 10 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में एक और चीनी वैज्ञानिक को जैविक सामग्री की अवैध तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी रविवार को डेट्रॉइट एयरपोर्ट पर हुई, जब वैज्ञानिक चीन से अमेरिका पहुंची। इससे पहले भी ऐसे ही एक अन्य मामले में दो चीनी वैज्ञानिकों पर कार्रवाई की गई थी।

एफबीआई के अनुसार, यह वैज्ञानिक वुहान की हुआझोंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से पीएचडी कर रही है और मिशिगन यूनिवर्सिटी में एक साल का शोध प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए अमेरिका आई थी। उस पर आरोप है कि उसने बिना सरकारी अनुमति के कीड़ों से जुड़ी जैविक सामग्री पहले ही मिशिगन यूनिवर्सिटी की एक लैब को भेजी थी। एफबीआई ने बताया कि जैविक सामग्री को किताब में छिपाकर भेजा गया था, जिसे पिछले साल और इस साल की शुरुआत में अमेरिकी अधिकारियों ने जब्त कर लिया।

2018 के हमले के बाद हिरासत में लिए गए इस्लामिक स्टेट के नौ आतंकियों को फांसी

तेहरान, 10 जून (एजेंसियां)। ईरान ने 2018 के हमले के दोषियों पर कार्रवाई को लेकर बयान जारी किया। ईरान ने कहा कि हमले के बाद हिरासत में लिए गए इस्लामिक स्टेट समूह के नौ आतंकियों को फांसी दे दी गई है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी ने मंगलवार को फांसी की घोषणा की।

इसमें कहा गया कि आतंकियों को ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के साथ झड़प में शामिल होने के बाद हिरासत में लिया गया था। इसमें तीन सैनिक मारे गए थे।

ईरान में फांसी के बाद मृत्युदंड दिया जाता है। इस्लामिक स्टेट ने 2014 में खिलाफत के तहत इराक और सीरिया के विशाल भूभाग पर कब्जा कर रखा था। इसने अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं द्वारा परास्त कर दिया था। अफगानिस्तान में 2021 में तालिबान के जरिये पश्चिमी समर्थित सरकार के पतन के बाद से इस्लामिक स्टेट की ताकत बढ़ी है। इस्लामिक स्टेट ने पहले जून 2017 में तेहरान में संसद और अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी की समाधि पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसमें कम से कम 18 लोग मारे गए थे और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस्लामिक स्टेट ने ईरान में अन्य हमलों की भी जिम्मेदारी ली है। इसमें 2024 में दो आत्मघाती बम विस्फोट शामिल हैं। जो 2020 के अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए एक ईरानी जनरल की याद में किए गए थे। उस हमले में कम से कम 94 लोग मारे गए थे।

मार्च में इस्लामिक स्टेट के प्रमुख अब्दल्लाह माकी मोसलेह अल-रिफाई को मार गिराया गया था। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने शुक्रवार को इस बात का दावा किया। उन्होंने एलान किया कि इस्लामिक स्टेट के प्रमुख अब्दल्लाह माकी मोसलेह अल-रिफाई को ढेर कर दिया गया। इराक में एक सशक्त अभियान चलाया था और इस दौरान उसे मार गिराया गया।

भारतीय से बदसलूकी पर अमेरिका बोला- अवैध एंट्री बर्दाश्त नहीं

वैध तरीके से आएं तो स्वागत, एयरपोर्ट पर छात्र को पटका फिर इंडिया भेजा था

वॉशिंगटन, 10 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूजर्सी में भारतीय छात्र को जमीन पर पटकने, हथकड़ी लगाने और डिपोर्ट करने के मुद्दे पर भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार को बयान दिया। दूतावास ने कहा कि अमेरिका में अवैध एंट्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिकी दूतावास ने X पर लिखा- अमेरिका अपने देश में वैध यात्रियों का स्वागत करता है। हम अवैध एंट्री, वीजा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इससे पहले भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन कुणाल जैन ने रविवार को इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। जैन ने X पर लिखा- मैंने न्यूअर्क एयरपोर्ट पर एक युवा भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाकर, रोते हुए, अपराधी की तरह ट्रीट होते देखा। जैन ने बताया कि छात्र हरियाणवी में कह रहा था, 'मैं पागल नहीं हूं, ये लोग मुझे पागल साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।'

बांग्लादेश में खलीफा एर्दोगन का इस्लामिक एजेंडा

कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी को तुर्की से मिल रही फंडिंग

ढाका, 10 जून (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों को तुर्की से मदद मिल रही है। रिपोर्ट में सामने आया है कि तुर्की की खुफिया एजेंसियां बांग्लादेश से कट्टरपंथियों को वित्तीय और रसद सहायता उपलब्ध करा रही हैं। एक रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी गई है। एर्दोगन के इस्लामिक एजेंडे को आगे बढ़ाने में लगी तुर्की की खुफिया एजेंसियां बांग्लादेश में खास तौर पर जमात-ए-इस्लामी पर खूब मेहरबान हैं। जमात-ए-इस्लामी वही संगठन है, जिसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी पुराने रिश्ते रहे

हैं। आईएसआई के इशारे पर इसने शेख हसीना के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों में अहम भूमिका निभाई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि तुर्की का समर्थन केवल वैचारिक ही नहीं है, बल्कि वह वित्तीय मदद भी दे रहा है। ढाका के मोघबाजार में जमात के कार्यालय का नवीनीकरण किया जा रहा है। माना जाता है कि इसे तुर्की की खुफिया एजेंसियों से जुड़ी संस्थाओं से वित्त पोषित किया गया है। यह संगठन के संरचनात्मक आधार को मजबूत करने का एक प्रयास है।

जमात-ए-इस्लामी की स्थापना 1941 में इस्लामिक विचारक अबुल मौदूदी ने की थी। देश की आजादी के साथ ही जब बंटवारा हुआ तो इसने शरिया कानून से शासित इस्लामी राज्य बनाने के मिशन के साथ पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में प्रवेश किया। इसे तब जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान के नाम से जाना जाता था। हालांकि, 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर इसने पूर्वी पाकिस्तान के बंगाली मुसलमानों के साथ जो किया, उसने इसका नाम काले अध्याय में लिख दिया।

आखिर कब और क्यों पराई औरतों पर आ जाता है मर्द का दिल, ये है प्रमुख कारण

कई बार ऐसा देखा जाता है कि शादीशुदा पुरुष अन्य महिलाओं की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यह हर मामले में गलत इरादे से नहीं होता, बल्कि इसके पीछे कुछ मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक कारण होते हैं। हर पुरुष पराई स्त्री पर आकर्षित नहीं होता और न ही हर रिश्ता एक जैसा नहीं होता। लेकिन अगर ऐसा कुछ हो रहा है तो जरूरी है कि पति-पत्नी दोनों संवाद को मजबूत करें, एक-दूसरे की भावनाओं को समझें और मिलकर रिश्ते को संवारें।

रिश्तों में पारदर्शिता, इमोशनल कनेक्शन और आपसी सम्मान ही लंबे समय तक साथ निभाने की कुंजी है। आइए जानते हैं ऐसे पांच मुख्य कारण, जिनकी वजह शादी के बाद पुरुष का दिल किसी पराई महिला पर आ सकता है।

संवाद की कमी

संवाद की कमी भावनात्मक जुड़ाव पर भी असर डालती है। शादी के कुछ सालों बाद जब पति-पत्नी के बीच संवाद कम हो जाता है या उनके बीच भावनात्मक कनेक्शन में कमी आती है तो पुरुष अक्सर उस जुड़ाव की तलाश बाहर करने लगते हैं। उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति चाहिए होता है, जो उन्हें सुने और समझे।

नए रोमांच की तलाश

कुछ पुरुषों को रोजमर्रा की जिंदगी निरस लगने लगती है। ऐसे में वह रिश्तों में नएपन या उत्साह की तलाश करने लगते हैं, जो उन्हें किसी और महिला की उपस्थिति में महसूस होती है।

आत्म-संतुष्टि की कमी

जब किसी पुरुष को अपने घर या रिश्ते में सम्मान, सराहना या तारीफ नहीं मिलती है तो वह दूसरों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। वह एक ऐसी महिला की तलाश में होते हैं जो उन्हें महत्वपूर्ण महसूस कराएं या उन्हें खुद को चाहे जाने का अहसास हो।

रिश्ते में असंतोष

शारीरिक या मानसिक रूप से जब पति-पत्नी के रिश्ते में संतुलन नहीं होता, तब पुरुषों के भीतर असंतोष पनप सकता है। यही असंतोष उन्हें दूसरी महिला की ओर खींच सकता है।

सामाजिक और डिजिटल प्रभाव

सोशल मीडिया, वेब सीरीज और फिल्मों का असर लोगों के विचारों पर पड़ता है। आज के समय में 'फ्लर्टिंग' या 'अफेयर' को ग्लैमराइज किया जाने लगा है। इससे प्रभावित होकर भी कई पुरुष सीमाएं पार करने लगते हैं। सोशल मीडिया का अधिक उपयोग भी मर्दों को ऐसी गतिविधियों के लिए प्रेरित कर सकता है।

महिलाओं की सेहत के लिए खून की कमी है सबसे बड़ी टेंशन पर घबराएं नहीं डॉक्टर ने बताए इससे बचाव के तरीके

जब भी बात महिलाओं की सेहत की आती है तो शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी और एनीमिया के मामले सबसे ज्यादा चर्चा में रहते हैं। भारतीय महिलाओं में ये समस्या और भी ज्यादा देखी जाती है जिसके कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर हर साल अतिरिक्त दवाब भी बढ़ता जा रहा है। क्या आप अक्सर थकान, चक्कर या सांस फूलने जैसी समस्या महसूस करती हैं? ये हीमोग्लोबिन की कमी यानी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में 15 से 49 वर्ष की आयु की 57% महिलाएं और छह महीने से 59 महीने के बीच के 67% बच्चे इससे प्रभावित हैं। हालांकि अच्छी बात ये है कि इसे आसानी से रोका जा सकता है।

शरीर में खून की कमी-एनीमिया

शरीर में खून के साथ ऑक्सीजन पहुंचाने का काम हीमोग्लोबिन करता है। जब इसकी मात्रा घट जाती है तो इसके कारण आपको एनीमिया हो सकता है, जिसमें शरीर अक्सर थका रहता है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन 11 g/dL से कम और अन्य महिलाओं में 12 g/dL से कम हो तो उसे एनीमिया माना जाता है।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

डॉक्टर बताते हैं, एनीमिया एक छिपी हुई बीमारी है लेकिन इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। थोड़ी सी जागरूकता, पौष्टिक आहार और सही समय पर दवाओं से महिलाएं इसे आसानी से मात दे सकती हैं। अगर कोई महिला अक्सर थकी-थकी लगती है, उसका चेहरा पीला पड़ गया है या वो बार-बार बीमार पड़ती है, तो तुरंत इसकी जांच कराएं। कभी-कभी सिर्फ एक गोली और अच्छी डाइट से जिंदगी में नई ऊर्जा आ सकती है।

आहार में करें सुधार

पालक को बनाएं आहार का हिस्सा

पालक आयरन के सबसे अच्छे और आसनी से उपलब्ध स्रोतों में से एक है। लगभग 100 ग्राम पालक में 2.7 मिलीग्राम आयरन होता है जिससे आयरन के दैनिक जरूरतों के 15% तक की पूर्ति की जा सकती है। पालक विटामिन-सी से भी भरपूर होता है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि विटामिन सी आयरन के अवशोषण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रेड मीट का संतुलित सेवन

पालक के अलावा रेड मीट का सेवन करना भी आयरन की पूर्ति में आपके लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। रेड मीट में आयरन के अलावा शरीर के लिए आवश्यक कई अन्य पोषक तत्व भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। करीब 100 ग्राम रेड मीट में 2.7 मिलीग्राम आयरन होता है। हालांकि अधिक मात्रा में रेड मीट खाने से बचना चाहिए।

कद्दू के बीज खाइए

कुछ प्रकार के सीड्स से भी आयरन की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। विशेषतौर पर कद्दू के बीज इसका उत्कृष्ट माने जाते हैं। लगभग 28 ग्राम कद्दू के बीज में 2.5 मिलीग्राम आयरन होता है जिससे आयरन के दैनिक आवश्यकताओं की 14% तक की पूर्ति की जा सकती है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

गर्भवती महिलाओं और किशोरियों में आयरन की कमी दूर करने के लिए डॉक्टर आयरन-फोलिक एसिड की गोलियां दे सकते हैं।

सभी महिलाओं को हर 6 महीने में एक बार खून की जांच जरूर करानी चाहिए। इससे समस्या का अंदाजा लगाया जा सकता है।

झुर्रियों से परेशान? एक बार ट्राई करें ये रामबाण नुस्खे

आजकल का खानपान इतना खराब हो गया है, जिसका असर सेहत के साथ-साथ त्वचा पर भी दिखता रहता है। कम उम्र में ही लोगों के चेहरे पर थकान के साथ-साथ झुर्रियां दिखने लगी हैं।

वैसे तो इन झुर्रियों को खत्म करने के लिए तमाम क्रीमें बाजार में आती हैं, जो कुछ दिन तक तो अपना असर दिखाती हैं, पर, जब आप क्रीम का इस्तेमाल बंद कर देंगे तो चेहरा दोबारा से वैसा ही हो जाएगा। इसलिए कई बार दादी-नानी के नुस्खे भी आजमाकर देख लेने चाहिए।

नारियल तेल करेगा मदद

हर भारतीय घर में नारियल तेल आपको बड़ी ही आसानी से मिल जाएगा। इसके इस्तेमाल से आप चेहरे की झुर्रियों को कम कर सकते हैं।

नारियल तेल करेगा मदद

इसके लिए आपको हर रोज चेहरे पर नारियल के तेल की मालिश करनी है। ये आपकी त्वचा को हाइड्रेट करके उसमें कसाव लाता है, जिससे झुर्रियां कम हो जाती हैं।

अंडा

यदि आपको अंडे के इस्तेमाल से किसी तरह का परहेज नहीं है तो चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए अंडे का इस्तेमाल करें। इसके लिए आपको अंडे की सफेदी की जरूरत पड़ेगी। इसके इस्तेमाल के लिए अंडे की सफेदी को निकालकर इसे 15-20 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई करें। अब चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। ये भी त्वचा को टाइट करने का काम करता है।

एलोवेरा जेल और खीरा

यदि आपके चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी हैं तो बराबर मात्रा में एलोवेरा जेल और खीरे का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को हर दिन अपने चेहरे पर अप्लाई करें। बीस मिनट इसे ऐसे ही लगा रहने दें। 20 मिनट के बाद चेहरे को धो लें और कुछ ही दिन में इसका असर देखें।

कच्चा दूध और शहद

आपके घर पर भी कच्चा दूध रखा है तो हर दिन उसके इस्तेमाल से अपने चेहरे को चमकाएं। इसके लिए आपको एक चम्मच कच्चे दूध में एक चम्मच शहद मिक्स करना है।

कच्चा दूध और शहद

अब इस मिश्रण को 20 मिनट के लिए अपने चेहरे पर अप्लाई करें। इस पेस्ट से स्किन स्मूद, सॉफ्ट और झुर्रियों से मुक्त दिखने लगेगी।

छह महीने के बाद कुछ ऐसी हो बच्चे की डाइट ये चीजें रखेंगी उन्हें एकदम हेल्दी

बच्चे का जैसे ही जन्म होता है तो उसे सबसे पहले मां का दूध ही पिलाया जाता है। मां का दूध बच्चे के अच्छे विकास और उसके शरीर के पोषण देने के लिए बेहत लाभकारी माना जाता है। खुद एक्सपर्ट्स भी 5-6 महीने तक बच्चे को मां का दूध ही देने की सलाह देते हैं लेकिन 5-6 महीने बाद बच्चे को ऐसे कौन से चीज दें जिसे वह आसानी से खा सके। शुरुआत में आप बच्चे को ऐसी चीजें ही दें जिसे वह आसानी से पचा पाएं। साथ में उन्हें विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर आहारों का सेवन करवाएं ताकि वह हमेशा हैल्दी रह सकें। खासकर अगर आप पहली बार मां बनी हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि बच्चे को कैसे फूड खिलाएं तो आज आपको 5 ऐसे सॉलिड फूड्स बताते हैं जिन्हें खाने से बच्चे एकदम हैल्दी रहेंगे।

सेब की प्यूरी

आप 6 महीने के बच्चे को सेब की प्यूरी खिला सकते हैं। सेब की प्यूरी पोषक तत्वों से युक्त होती है। इसमें कई सारे मिनरल्स और पोषक तत्व पाए जाते हैं। रोजाना आप बच्चे को इसका सेवन करवा सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक सेब लें। इसके बाद सेब को छील लें। सेब के बीजों को स्टीम करें। इसके बाद उसे ब्लेंड करके बच्चों को खिला दें। यह उनकी सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा।

ब्रोकली की प्यूरी

ब्रोकली कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स होते हैं। छोटे बच्चों को आप ब्रोकली की प्यूरी खिला सकते हैं। यदि आप उन्हें इसकी प्यूरी बनाकर खिलाएंगे तो वह हमेशा हैल्दी रहेंगे। ब्रोकली को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसे तोड़कर पका लें। पकाने के बाद

इन्हें ब्लैंड करें। ब्लैंड की हुई ब्रोकली आप बच्चे की डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो उन्हें किसी और सब्जी की प्यूरी बनाकर भी खिला सकते हैं।

मूंग दाल की खिचड़ी

यदि आपका बच्चा 6 महीने का हो चुका है तो आप उसे मूंग की दाल से बनी हुई खिचड़ी खिला सकते हैं। मूंग दाल और चावल को उबाल लें फिर इसे पीसकर ग्राइंड करें और इसमें थोड़ा-थोड़ा देसी घी मिलाएं। इस टेस्टी खिचड़ी को स्वाद से खा लेंगे और उनके शरीर को पर्याप्त पोषण भी मिलेगा और उनके शरीर का विकास भी अच्छे से होगा।

दाल का पानी

दाल में कई सारे जरुरी विटामिन्स, मिनरल्स मौजूद होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। ऐसे में आप बच्चों को इसका सेवन करवा सकते हैं। 6 महीने के बाद बच्चे को सेहतमंद रखने के लिए दाल का पानी जरुर पिलाएं। मूंग दाल या फिर किसी और दाल का सेवन आप बच्चों को करवा सकते हैं। जब दाल पानी में अच्छे से घुल जाए तो आप बच्चे को चम्मच से इसका पानी पिला सकते हैं।

दलिया की प्यूरी

छोटे बच्चों के लिए दलिया की प्यूरी फायदेमंद रहेगी। दलिया को अच्छे से पकाएं इसके बाद इसे ग्राइंड करके दूध के साथ पका लें। आप चाहें तो स्वाद के लिए इसमें केला या फिर कोई अन्य फल मिला सकते हैं। रोजाना दलिया की प्यूरी खिलाने से उनके शरीर का विकास होगा और बच्चे का पाचन भी सही रहेगा।

मार-पिटाई से नहीं बल्कि इन 3 तरीकों से छुड़ाएं बच्चों के हाथ उठाने की आदत

अक्सर छोटे बच्चों में एक गलत और गंदी आदत देखी जाती है कि वो अपने पैरेंट्स या भाई-बहन में हाथ उठाते हैं और फिर हंसते हैं। शुरूआत में तो बच्चों की ये आदत बहुत क्यूट लगती है और कई बार लोग खुद ही बच्चों को मारने के लिए उकसाते हैं। मगर क्या आपको पता है कि बच्चे पहले तो ये काम मजे-मजे में करते हैं, लेकिन आगे चलकर ये उनके लिए घातक साबित हो सकता है, इससे उनका स्वभाव हिंसक हो सकता है।

क्यों मारते हैं बच्चे

आपको बता दें कि बच्चे इसलिए नहीं मारते क्योंकि वो आपको चोट पहुंचाना चाहते हैं बल्कि वो इसलिए ऐसा करते हैं क्योंकि उस वक्त उनमें इतने ज्यादा स्ट्रांग emotions होते हैं, जितना उनका impulse कंट्रोल नहीं कर सकता। आमतौर पर छोटे बच्चे खासकर 1.5 से 2 साल की उम्र में बच्चों में इस तरह की आदतें आना शुरू हो जाती हैं। इसका कारण यह है कि इस उम्र तक बच्चों में पसंद-नापसंद की समझा आ जाती है। ऐसे में कई बार अपने पसंद की चीज न मिलने या अपने पसंद की बात न होने पर बच्चों हाथ उठाते हैं और मारने लगते हैं।

बच्चे को समझाएं

बच्चे अपने आस-पास देखकर ही आदतें सीखते हैं। ऐसे में सबसे पहले जरूरी है कि घर के सदस्यों को बच्चों के सामने सही से पेश आना चाहिए। दूसरी जरूरी बात ये है कि जब भी आपका बच्चा आप पर हाथ

उठाता है, आपको उसे उसी समय सामने बिठाकर या खड़ा करके कुछ बातें समझानी चाहिए। उन्हें प्यार से पूछें की, 'तुम ने मुझे मारा और मैं देख रहा हूं की तुम हंस रहे हो'।,'क्या तुम मुझसे कुछ कहना चाहते हो'? उनसे पूछे की, 'क्या तुम्हें मुझे मारकर Uncomfortable फील हो रहा है'? ये सारे सवाल सुनकर उन्हें महसूस होगा की उसकी इस हरकत से आपको ठेस पहुंची है और वो आगे से हाथ उठाने से पहले सोचेगा।

बच्चे पर गुस्सा न करें

अगर आपका बच्चा आपको मारता है, तो उस पर तुरंत गुस्सा न करें, बल्कि उसे प्यार से समझाएं । आप उसे अगर प्यार से समझाएंगे तो वो आसानी से समझ जाएगा कि मारना या हाथ उठाना अच्छी आदत नहीं है। बच्चे को बताएं की ये आदत गलत है और उन्हें ये हरकत किसी के साथ नहीं करना चाहिए।

बच्चे को बताएं कि हाथ उठाने की जगह वो क्या कर सकता है?

ये जानना भी बहुत जरूरी है कि आखिरकार उन्हें हाथ क्यों उठाया। इसका जो भी जवाब बच्चा आपको देता है, तो उसी समय बच्चे को बताएं कि वो हाथ उठाने या मारने की जगह किन तरीकों का इस्तेमाल उसी एक्सप्रेशन को सभ्य तरीके से जाहिर करने के लिए कर सकता है। जैसे अगर बच्चे को कोई बात बुरी लगी है, तो वो इसे बोलकर या इशारा करके बता सकता है। अगर बच्चा अटेंशन पाना चाहता है, तो वो कोई खास शब्द बोलकर या छूकर बता सकता है। बच्चे को सिखाएं कि वो अपनी गुस्से/नापसंदगी/परेशानी की भावनाओं को कैसे प्रदर्शित कर सकते हैं।

मलाई कोफ्ता बनाने के लिए अपनाएं ये सिम्पल टिप्स

मलाई कोफ्ता खाने में बहुत ही स्वादिष्ट होता है। हम सब भी घर में होटल जैसा मलाई कोफ्ता बनाना चाहते हैं लेकिन सब्जी में डाले गए कोफ्ते मलाई जैसे सॉफ्ट नहीं बन पाते हैं। ऐसे में आज हम आपको टिप्स बताने जा रहे है। जिसके चलते घर पर ही होटल जैसा मलाई कोफ्ता बना सकती है। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

सामग्री

आलू - 4(उबले हुए)
पनीर-250 ग्राम
मैदा-50 ग्राम
हरा धनिया- 1 चम्मच
प्याज- 3 (टुकड़ों में कटा हुआ)
अदरक का पेस्ट- 1 एक चम्मच
लहसुन का पेस्ट- 1 एक चम्मच
टमाटर -2
मलाई या क्रीम- 200 ग्राम
किशमिश- 2 चम्मच
काजू- 2 चम्मच
काजू का पेस्ट- 50 ग्राम
हल्दी -आधा चम्चम

किंग मसाला -आधा चम्मच
कसूरी मेथी -1 चम्मच
चीनी -1 चम्मच

बनाने का तरीका

1 सबसे पहले उबले हुए आलू को कम से कम 5 घंटे के लिए फ्रिज रखकर छोड़ दें।

2 मलाई कोफ्ता बनाने के पनीर और आलू को अच्छी तरह मैश करें।

3 अब किशमिश और काजू को छोटे-छोटे पीस में काट लें और साथ ही इसमें छोटा चम्मच चीनी मिलाएं।

4 फिर एक कढ़ाही में तेल गर्म करें।

5 इसके बाद पनीर के मिक्सचर की बॉल्स बनाकर अंदर ड्राई फ्रूट्स भर लें।

6 फिर इन कोफ्तों को फ्राई करें अगर ये फटते हैं तो इन्हें निकालकर सूखा मैदा लगाएं फिर फ्राई करें।

7 ग्रेवी के लिए प्याज,अदरक,लगसुन, टमाटर को फ्राई करते हुए इसमें काजू का पेस्ट डालें।

8 इस मिश्रण में फिर 2 बड़े चम्मच गर्म दूध,कसूरी मेथी के साथ सभी सूखे मसाले डालें।

9 ध्यान रहे मिक्सचर के किनारे से चिकनाई छोड़ने तक आपको इसे भूनना है।

10 फिर इसमें आधा कप पानी मिलाएं और जब लगे कि ग्रेवी हल्की गाढ़ी हो गई है तो उसमें क्रीम, चीनी और कसूरी मेथी डालें।

11 इसके बाद ग्रेवी को हल्की आंच पर छोड़ दें।

12 कोफ्ते को कभी भी गर्म ग्रेवी में न डालें। इससे कोफ्ते टूट जाते हैं।

13 मलाई कोफ्ता सर्व करते वक्त पहले बाउल में कोफ्ता डालें और फिर ऊपर से ग्रेवी डालें।

डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान और एलन मस्क की लग गई लॉटरी! जानिए कहां पहुंच गई नेटवर्थ

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के बीच आजकल संबंध बिगड़े हुए हैं। इस बीच ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह टेस्ला या स्टारलिंक से पीछा छुड़ाने नहीं जा रहे हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 5 फीसदी तेजी आई। इससे कंपनी के सीईओ एलन मस्क की नेटवर्थ में 13.9 अरब डॉलर की उछाल आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 356 अरब पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 76.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है। टेस्ला 993.92 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। दुनिया की टॉप वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में यह 11वें नंबर पर है। माइक्रोसॉफ्ट 3.513 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे

वैल्यूएबल कंपनी है। उसके बाद एनवीडिया ($3.478 ट्रिलियन), ऐपल ($3.045 ट्रिलियन), ऐमजॉन ($2.303 ट्रिलियन) और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट ($2.114 ट्रिलियन) का नंबर है। मेटा प्लेटफॉर्म, सऊदी अरामको, ब्रॉडकॉम, टीएसएमसी और बर्कशायर हैथवे टॉप 10 में शामिल हैं।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग 245 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। ऐमजॉन के जेफ बेजोस ($238 अरब) तीसरे, लैरी एलिसन ($199 अरब) चौथे, बिल गेट्स ($176 अरब) पांचवें, स्टीव बालमर ($163 अरब) छठे, लैरी पेज ($159 अरब) सातवें, वॉरेन बफे ($154 अरब) आठवें, बर्नार्ड आरनॉल्ट ($152 अरब) नौवें और सर्गेई ब्रिन ($149 अरब) नंबर पर है।

इस लिस्ट में मुकेश अंबानी 105 अरब डॉलर के साथ 17वें और गौतम अडानी 84.8 अरब डॉलर के साथ 20वें नंबर पर हैं।

'एफडीआई में गिरावट नहीं', मंत्री पीयूष गोयल बोले- 11 वर्षों में देश में आया 749 अरब डॉलर का विदेशी निवेश

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में कोई गिरावट नहीं आई है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा है कि वैश्विक ब्याज दरों में बदलाव से एफडीआई में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

सराकर सुझावों के लिए तैयार

मंत्री ने आगे कहा कि भारत में विदेशी निवेशकों की वृद्धि हो रही है। सरकार सुझावों के लिए तैयार है और हम एफडीआई को बढ़ावा देने वाले उपाय को अपनाएं। पिछले 11 वित्तीय वर्षों (2014-25) में भारत ने 748.78 अरब डॉलर का

एफडीआई आकर्षित किया है। यह आंकड़ा 2003 से लेकर 2014 की तुलना में 143 प्रतिशत अधिक है। इन वर्षों में मात्र 308.38 अरब का ही निवेश हुआ था।

112 देशों की पहली पसंद बना भारत

इसके अलावा, एफडीआई के लिए भारत पहली पसंद बनता जा रहा है। भारत में 112 देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आ रहा है। साल 2013-14 में यह संख्या केवल 89 थी। उन्होंने वैश्विक स्तर पर निवेशकों के बीच भारत की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत दिया।

भारत में पैसा वापस आ रहा है- मंत्री

मंत्री ने कहा कि इन आंकड़ों को देखते हुए नहीं लगता कि कोई गिरावट की प्रवृत्ति है। समय-समय पर कुछ बदलाव जरूर हो सकते हैं और ऐसा अन्य देशों में ब्याज दरों में बदलाव के कारण होता है। इसलिए अगर किसी देश में बॉन्ड यील्ड अधिक हो जाते हैं, तो वहां पैसे का प्रवाह भी बढ़ जाता है। भारत में पैसा वापस आ रहा है। उन्होंने कहा कि 2024-25 में भारत को कुल 81 अरब डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ। यह पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। साथ ही 81 अरब डॉलर के साथ भारत एफडीआई वृद्धि पथ पर वापस आ गया है।

वित्त वर्ष 2021-22 में आया सबसे अधिक 84.83 डॉलर का एफडीआई

आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 में एफडीआई सबसे अधिक 84.83 डॉलर था। भारत में वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में एफडाई 9.34 डॉलर रह गया। इसमें 24.5 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट हुई। हालांकि पूरे फिछले वित्तीय वर्ष के दौरान यह 13 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गया।

अनिल अंबानी की कंपनी ने तोड़ा 10 साल पुराना रिकॉर्ड, एक महीने में कमाए हजारों करोड़

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। रिलायंस पावर के शेयरों में लगातार तेजी जारी रही, मंगलवार को इंट्रा-डे ट्रेड में भारी वॉल्यूम के बीच बीएसई पर शेयर 11 प्रतिशत की तेजी के साथ कंपनी का शेयर 71.35 रुपए के 10 साल के हाई पर पहुंच गया। पॉवर प्रोडक्शन कंपनी का शेयर नवंबर 2014 के बाद से अपने हाईएस्ट लेवल पर कारोबार कर रहा है। अनिल अंबानी की रिलायंस समूह की कंपनी के मार्केट वैल्यू में लगातार तीसरे दिन बढ़त दर्ज की गई, इस अवधि के दौरान इसमें 17 फीसदी की तेजी आई। पिछले महीने बीएसई पर शेयर में 85 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी। दोपहर 12 बजकर 35 मिनट पर रिलायंस पावर 8.68 फीसदी की तेजी के साथ 70.15 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जबकि बीएसई सेंसेक्स फ्लैट कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, 7 मई, 2025 तक खुदरा निवेशकों के पास रिलायंस पावर में करीब 50 फीसदी हिस्सेदारी है। 2 लाख रुपए तक की नॉमिनल शेयर कैपिटल रखने वाले रेजिडेंट्स इंडीविजुअल्स (27.02 फीसदी) और 2 लाख रुपए से अधिक की नॉमिनल शेयर कैपिटल रखने वाले रेजिडेंट्स इंडीविजुअल्स (21.59

फीसदी) के पास सामूहिक रूप से 48.61 फीसदी हिस्सेदारी है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पास 2.49 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि वीएफएसआई होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड के पास रिलायंस पावर में 4.99 फीसदी हिस्सेदारी है। रिलायंस पावर के प्रमोटर रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पास 24.90 फीसदी हिस्सेदारी है। नेशनल इलेक्ट्रीसिटी प्लान के अनुसार, भारत बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए 2031-32 तक लगभग 80 गीगावाट (जीडब्ल्यू) नई कोल-बेस्ड थर्मल पॉवर कैपेसिटी जोड़ने की योजना बना रहा है। रिलायंस पावर ने अपनी वित्त वर्ष 2024 की सालाना रिपोर्ट में कहा कि यह नया फोकस थर्मल पॉवर कंपनियों के लिए ग्रोथ के अवसर प्रस्तुत करता है। बढ़ते विद्युतीकरण, प्रति व्यक्ति बिजली के बढ़ते उपयोग और ईवी अपनाने से बिजली की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

चांदी 1.06 लाख रु. किलो के ऑल टाइम हाई पर

सोना 142 बढ़कर 96,006 प्रति 10 ग्राम बिक रहा, इस साल 19,844 महंगा हुआ

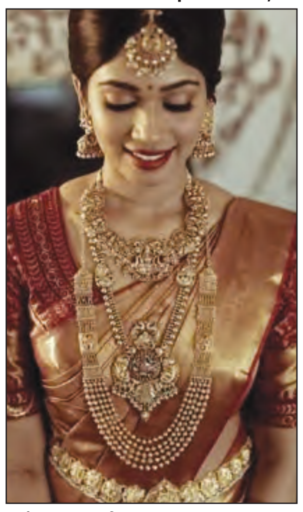

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का ऑल टाइम हाई बनाया था। (फाइल फोटो) चांदी आज यानी 10 जून को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 1 किलो चांदी का दाम 897 बढ़कर 1,06,457 हो गया है। इससे पहले चांदी 1,05,560 प्रति किलो पर पहुंच गई थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 142 बढ़कर 96,006 पर पहुंच गया है।

इससे पहले सोने की कीमत 95,864 प्रति 10 ग्राम थी। सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,730 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,600

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,580 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,580 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,580 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,630 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500

हैदराबाद : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,638 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,437

इस साल अब तक 19,844 महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,844 रुपए बढ़कर 96,006 रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 20,440 रुपए बढ़कर 1,06,457 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

इस बॉलीवुड कपल के पास है विजय माल्या का 'किंगफिशर विला', कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। शराब कारोबारी और किंगफिशर एयरलाइंस के पूर्व प्रमुख विजय माल्या एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। हाल ही उन्होंने उद्यमी और कंटेंट क्रिएटर राज शमनी को एक पॉडकास्ट इंटरव्यू दिया है। माल्या की कानूनी लड़ाइयां और भारत से उनका निकलना लगातार सुर्खियां बटोरता रहता है। लेकिन इस बार वह अपने गोवा में शानदार किंगफिशर विला की वजह से सुर्खियां बटौर रहे हैं, जो मौजूदा समय में एक बॉलीवुड कपल के पास है। कभी ये विला माल्या की शानदार पार्टियों का गवाह बना है। जहां पर कई हस्तियां आती थी।

आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस विला पर किस बॉलीवुड कपल का कब्जा हो गया है। मौजूदा समय में विजय माल्या का किंगफिशर विला एक बॉलीवुड कपल के पास है। आईडीबीआई बैंक का 900 करोड़ रुपए का लोन ना चुका पाने की स्थिति में इसे जब्त कर लिया गया था। जिसके बाद 2017 में इस विशाल संपत्ति को बेच दिया गया। नॉर्थ गोवा के कैंडोलिम के अपस्केल बीच गांव में स्थित यह विला अब अभिनेता और उद्यमी सचिन जोशी के पास है, जिन्होंने एक हाई-प्रोफाइल बैंक नीलामी में इस संपत्ति को सिर्फ़ 73.01 करोड़ रुपये में खरीदा था।तीन एकड़ में फैले इस विला में 12,000 वर्ग फीट से ज़्यादा जगह है और यह फोर्ट अगुआडा के रास्ते पर स्थित है और गोवा की राजधानी पणजी से सिर्फ़ 20 किलोमीटर दूर है। कभी माल्या और उनके करीबी लोगों के लिए एक प्राइवेट पार्टी डेस्टिनेशन हुआ करता था, यह विला शुरू में यूनाइटेड ब्रूअरीज होल्डिंग्स के अधीन था, जो अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस की मूल कंपनी है। माल्या के डिफॉल्ट और कानूनी परेशानियों के बाद, इस संपत्ति को भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व में बैंकों के एक कंसोर्टियम ने अपने अधीन कर लिया, जिसने खरीदार मिलने से पहले कई नीलामी की कोशिश की।

जोशी, जिन्हें अजान और जैकपॉट जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है, वाइकिंग वेंचर्स के फाउंडर भी हैं, जो एक डायवर्सिफाइड कंपनी है और एफएमसीजी प्रोडक्ट्स, हॉस्पिटैलिटी, इंफ्रा, आदि के काम कर रही है। जोशी ने 2015 में इम्पाला डिस्टिलरी और ब्रूअरी से गोवा स्थित किंग्स बीयर ब्रांड को 90 करोड़ रुपए में खरीदा था।

किंगफिशर विला को अपने कब्जे में लेने के बाद, जोशी ने अपने मौजूदा पोर्टफोलियो के साथ तालमेल बिठाने के लिए इसका नाम बदलकर 'किंग्स मेंशन' रख दिया। मौजूदा समय में विजय माल्या यूके में हैं। जिन्हें वहां से वापस लाने के लिए सरकार की कोशिश जारी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय 05-44
सूर्यास्त 18-45
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष---	04-00 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	मिथुन..	06-00 बजे
मंगल	सिंह में	कर्क---	08-13 बजे
बुध-	वृष में	सिंह---	10-24 बजे
गुरु-	मिथुन में	कन्या...	12-31 बजे
शुक्र-	मीन में	तुला....	14-38 बजे
शनि-	मीन में	वृश्चिक..	16-46 बजे
राहु-	कुंभ में	धनु.....	19-00 बजे
केतु-	सिंह में	मकर...	21-10 बजे
		कुंभ...	22-57 बजे
		मीन....	00-35 बजे
		मेष.....	02-11 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा **13-13** तक उपरान्त आषाढ़ प्रतिपदा
मास - ज्येष्ठ शुक्ल, बुधवार **11 June**
नक्षत्र - ज्येष्ठा **20-10** तक उपरान्त मूल
योग - साध्य **14-03** तक उप शुभ
करण- बव **13-13** तक उप बालव
विशेष:- पूर्णिमा पुण्य श्रुति पूर्णिमा
व्रत-त्योहार - श्री कबीर जयंती

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:16 से 13:54 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:44 - 07:21	शुभ	उत्पात	18:45 - 20:11	अशुभ
अमृत	07:21 - 08:59	शुभ	शुभ	20:11 - 21:33	शुभ
काल	08:59 - 10:38	अशुभ	अमृत	21:33 - 22:54	शुभ
शुभ	10:38 - 12:16	शुभ	चंचल	22:54 - 00:16	शुभ
रोग	12:16 - 13:54	अशुभ	रोग	00:16 - 01:38	अशुभ
उत्पात	13:54 - 15:33	अशुभ	काल	01:38 - 02:59	अशुभ
चंचल	15:33 - 17:11	शुभ	लाभ	02:59 - 04:21	शुभ
लाभ	17:11 - 18:45	शुभ	उत्पात	04:21 - 05:44	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी । हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें । आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा । बाद में आप अच्छा और आत्मविश्वास से भरा अनुभव करेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है। बस आप अपनी वस्तु को सरंक्षित कर के रखे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं| घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन काफी मुश्किलो से भरा रह सकता है और आपको सख्त नियमो का पालन करते हुए काफी कठिन परिश्रम करना पड़ेगा , लेकिन यह आपके भविष्य की योजनाओं के लिए एक ठोस आधार बनाने में मदद करेगा । आज का परिश्रम आपको भविष्य में फल देगा । हो सकता है की आप अपने सहयोगी की जिम्मेदारी भी ले ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार में सपाट क्लोजिंग; सेंसेक्स 53 अंक फिसला, निफ्टी भी सुस्त

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी में सुस्ती दिखी। उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार सपाट रहा। बैंकिंग और ऊर्जा शेयरों में मुनाफावसूली के कारण चार दिन से चली आ रही इसकी बढ़त थम गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 53.49 अंक या 0.06 प्रतिशत गिरकर 82,391.72 अंक पर बंद हुआ। इसमें से 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, 15 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और एक शेयर अपरिवर्तित रहा। कारोबार के दौरान यह 204.81 अंक या 0.24 प्रतिशत गिरकर 82,240.40 के निचले स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 1.05 अंक या 0 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,104.25 अंक पर आ गया। पिछले चार दिनों में निफ्टी 560 अंक या 2.27 प्रतिशत से अधिक उछला है, जबकि सेंसेक्स 1,707.7 अंक या 2.11 प्रतिशत चढ़ा है।सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा में गिरावट आई। वहीं टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, एचसीएल टेक, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजार में सुस्ती रही और यह लगभग अपरिवर्तित बंद हुआ। मिले जुले वैश्विक संकेतों के बीच निवेशक थोड़े सतर्क बने हुए हैं। निवेशक लंदन में आयोजित यूएस-चीन व्यापार वार्ता के परिणाम का इंतजार कर रहे हैं।इस बीच, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों से पता चला है कि मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध प्रवाह 21.66 प्रतिशत घटकर 19,013.12 करोड़ रुपये हो गया। यह 12 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। इक्विटी फंड में निवेश में गिरावट का यह लगातार पांचवां महीना था। साथ ही, निवेशकों की ओर से किया गया नवीनतम निवेश इस सेगमेंट में शुद्ध निवेश का लगातार 51वां महीना है। सैमको म्यूचुअल फंड के सीईओ विराज गांधी ने कहा, भारतीय इक्विटी बाजार मई 2025 में सुस्त रहे, भू-राजनीतिक चिंताओं, मुनाफावसूली का असर पड़ा। पिछले महीनों में मजबूत प्रदर्शन के बाद, ऊंचे स्टॉक वैल्यूएशन ने निवेशकों को सतर्क रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप इक्विटी प्रवाह में भारी मंदी आई।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग मामूली रूप से कम रहा। यूरोपीय बाजारों में मिले-जुले रुख के साथ कारोबार हो रहा था। सोमवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.39 प्रतिशत बढ़कर 67.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत चीनी निर्यात में बन रहा अग्रणी

6 जून तक किया 5 .16 लाख टन का निर्यात

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। भारत का चीनी निर्यात बढ़ता जा रहा है। भारत ने चालू विपणन वर्ष 2024-25 के 6 जून तक 5.16 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। व्यापार निकाय अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। भारत में 2024-25 विपणन वर्ष के लिए चीनी निर्यात की अनुमति 20 जनवरी 2025 को दी गई थी। निर्यात की अधिकतम मात्रा 10 लाख टन तय की गई है।

6 जून तक 5,16,782 टन चीनी का हुआ निर्यात

एआईएसटीए के अनुसार, मिलों ने चालू विपणन वर्ष के 6 जून तक कुल 5,16,782 टन चीनी का निर्यात किया है। इसमें से सफेद चीनी का 4.09 लाख टन, परिष्कृत चीनी का 81,845 टन और कच्ची चीनी का 25,382 टन निर्यात हुआ। और लगभग 23,219 टन चीनी लोडिंग अंडर लोडिंग है।

सोमालिया में किया गया सबसे अधिक निर्यात

एआईएसटीए ने बताया कि अब तक किए गए कुल निर्यात में से, अधिकतम शिपमेंट सोमालिया को 1,18,553 टन, उसके बाद श्रीलंका को 76,401 टन, अफगानिस्तान को 72,833 टन और जिबूती को 69,609 टन रहा है। संघ ने ने हाल ही में कहा था कि कुल चीनी निर्यात अनुमत 10,00,000 टन में से 8,00,000 टन तक पहुंच सकता है।

रिपोर्ट में दावा: दो साल में 3 करोड़ को रोजगार, 4 करोड़ बढ़ी कामकाजी आबादी; महिलाओं की भागीदारी में भी उछाल

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। कोविड काल 2020-21 में 2.28 करोड़ नौकरियां जाने के बाद देश में पिछले दो वित्त वर्षों 2023-24 और 2024-25 के दौरान 3.06 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। इस दौरान कामकाजी आबादी के मुकाबले रोजगार में दोगुनी से अधिक वृद्धि रही। रोजगार में महिलाओं की स्थिति में भी तेजी से सुधार हुआ है।' सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) ने रिपोर्ट में दावा किया है कि 2023-24 और 2024-25 में हर साल 1.50 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला। यह सामान्य वर्ष में बड़ी वृद्धि है।

कोविड काल के बाद सुधार वाले वित्त वर्ष 2021-22 में भी सिर्फ 1.25 करोड़ रोजगार का ही सृजन हुआ था। दो वित्त वर्षों में मिले कुल 3.06 करोड़ रोजगार में महिलाओं की हिस्सेदारी 1.28 करोड़ या 42 फीसदी रही। इनमें 2023-24 में सृजित 1.52 करोड़ रोजगार में महिलाओं की संख्या 78 लाख थी। 2024-25 में जिन 1.54 करोड़ लोगों को रोजगार मिला, उनमें 50 लाख महिलाएं थीं। दो वित्त वर्षों में कामकाजी आबादी 4.14 करोड़ बढ़ी है।

कृषि क्षेत्र से पलायन जारी गैर-कृषि रोजगार में उछाल

कम वेतन के कारण कृषि क्षेत्र से पलायन जारी है। 2022-23 में कृषि क्षेत्र में 1.1 करोड़ रोजगार खत्म हुए। 2023-24 में 10 लाख से भी कम रोजगार सृजित हुए, लेकिन 2024-25 में फिर 23 लाख लोग कृषि क्षेत्र से बाहर निकल गए।

इसके विपरीत, गैर-कृषि रोजगार में 2022-23 में 1.28 करोड़, 2023-24 में 1.44 करोड़ और 2024-25 में 1.77 करोड़ की वृद्धि हुई। इस प्रकार, गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार की संख्या 2021-22 के 23.8 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 28.3 करोड़ पहुंच गई।

वृद्धि में शहरी क्षेत्र का अहम योगदान

रोजगार वृद्धि में शहरी क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसकी प्रमुख वजह ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों में बेहतर भुगतान मिलना है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 में सृजित कुल रोजगार में शहरी इलाकों की हिस्सेदारी 48 फीसदी रही। 2024-25 में यह और बढ़कर 65 फीसदी पहुंच गई। शहरी भारत में 36 फीसदी कामकाजी आबादी रहती है।

क्या एचआरए क्लेम के लिए मकान मालिक का कड़ाही है जरूरी?

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। अगर आप नौकरीपेशा हैं और किराए के घर में रहते हैं तो आप इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरते समय एचआरए यानी हाउस रेंट अलाउंस पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं. लेकिन कई लोगों के मन में यह सवाल आता है कि एचआरए क्लेम करते समय क्या मकान मालिक का कड़ाही नंबर देना जरूरी है? अगर आपका सालाना किराया 1 लाख रुपए से ज्यादा है तो इसका जवाब है हाँ, लेकिन कुछ शर्तों के साथ. सरकारी या निजी कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों को सैलरी के साथ-साथ एचआरए भी मिलता है. यह एक तरह की राहत होती है उन लोगों के लिए जो किराए पर रहते हैं. आयकर विभाग एचआरए पर टैक्स छूट देता है, जिससे टैक्स का अमाउंट कम हो जाता है. एचआरए में किराया पर टैक्स छूट का दावा करने के लिए आपको मकान मालिक से पैन नंबर कब लेने की जरूरत होती है?

'आगे या पीछे, कोई भी कदम उठाने को तैयार

अहंकार की कोई बात नहीं मनसे से गठबंधन पर बोले राउत

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत से जब मनसे से संभावित गठबंधन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि शिवसेना यूबीटी आगे या पीछे, कोई भी कदम उठाने को तैयार है और राजनीतिक अहंकार जैसी कोई बात नहीं है। राउत ने कहा कि मराठी मानुष की भलाई के लिए जो भी संभव होगा, वे करने के लिए तैयार हैं। शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे के बीच गठबंधन को लेकर बीते कई दिनों से चर्चा चल रही है और दोनों तरफ से इसे लेकर सकारात्मक बयानबाजी भी सामने आई है। अब शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'हम आगे या पीछे, कोई भी कदम उठाने के लिए तैयार हैं और कोई राजनीतिक अहंकार की बात नहीं है।' संजय राउत का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब मनसे ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि अगर शिवसेना यूबीटी मनसे के साथ गठबंधन करना चाहती है तो उसके लिए शिवसेना यूबीटी को पहल करनी होगी। बीते दिनों राज ठाकरे ने एक पॉडकास्ट के दौरान शिवसेना यूबीटी के साथ संभावित गठबंधन को लेकर बयान दिया था। उसके बाद शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी गठबंधन को लेकर सकारात्मक बयान दिए, जिससे दोनों पार्टियों में गठबंधन की चर्चा छिड़ गई थी। राज ठाकरे ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि मराठी मानुष के हितों के लिए एकजुट होना मुश्किल बात नहीं है। उद्धव ठाकरे ने भी कहा है कि वे मतभेद भुलाकर महाराष्ट्र के हितों के लिए साथ काम करने को तैयार हैं।

तटकरे बोले- एनडीए में शामिल होना सामूहिक फैसला

एनसीपी के दोनों धड़ों के साथ आने की अटकलें खारिज कीं

पुणे, 10 जून (एजेंसियां)। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने मंगलवार को पार्टी के एनडीए में शामिल होने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी का एनडीए में शामिल होने का फैसला सामूहिक था। यह किसी एक व्यक्ति का फैसला नहीं था। तटकरे मंगलवार को एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एनसीपी के दोनों गुटों के साथ आने की अटकलों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने साफ किया कि एनसीपी के शरद पवार वाले गुट के साथ फिर से एक होने की कोई बात नहीं चल रही है। बता दें कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) भी पुणे में अपना स्थापना दिवस मना रही है। एनसीपी अध्यक्ष तटकरे ने बताया कि 2014 से कई बार पार्टी ने एनडीए में जाने का विचार किया था, लेकिन हर बार आखिरी समय में फैसला बदल गया। उन्होंने कहा कि 2023 में अजित पवार के नेतृत्व में पार्टी ने लोगों के कल्याण के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने का फैसला किया। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि यह किसी एक व्यक्ति का निर्णय नहीं था। पार्टी का सामूहिक फैसला था।

एनडीए में शामिल होकर भी नहीं छोड़ी मूल विचारधारा

तटकरे ने आगे कहा कि एनसीपी ने एनडीए में शामिल होकर भी अपनी धर्मनिरपेक्ष और छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले, डॉ। बाबासाहेब अंबेडकर और शाहू महाराज की विचारधारा को नहीं छोड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी की यात्रा जारी रहेगी।

दोनों गुटों के स्थापना दिवस के सवाल बोले तटकरे

पत्रकारों ने जब तटकरे से पूछा कि पुणे में दोनों गुट अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं, इस पर आपका क्या कहना है। सवाल के जवाब में तटकरे ने कहा कि एनसीपी की स्थापना 10 जून 1999 को हुई थी और चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को मान्यता दी है, इसलिए दोनों को स्थापना दिवस मनाने का अधिकार है। लोकसभा सांसद ने यह भी कहा कि दोनों गुटों के फिर से एक होने की कोई बातचीत नहीं चल रही है और पार्टी को ऐसा कोई प्रस्ताव भी नहीं मिला है।

2019 में एनसीपी-कांग्रेस और शिवसेना ने मिलकर बनाई थी सरकार

गौरतलब है कि 2019 में, अविभाजित एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना ने मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाई थी, जिसे महा विकास अघाड़ी (एमवीए) कहा गया। हालांकि, 2022 में एमवीए सरकार गिर गई। 2023 में, उस समय विपक्ष में रहे अजित पवार एनसीपी विधायकों के सत्ताधारी भाजपा-शिवसेना गठबंधन में शामिल हो गए और उपमुख्यमंत्री बने।

दोनों गुटों ने पार्टी का झंडा फहराकर मनाया स्थापना दिवस

इस साल, दोनों गुटों ने अपने-अपने कार्यालयों में पार्टी का झंडा फहराकर स्थापना दिवस मनाया। शरद पवार, सुप्रिया सुले और उनके गुट के नेता पुणे कार्यालय में थे, वहीं तटकरे और अजित पवार गुट के नेता बालेवाड़ी में शिवाजी स्टेडियम में मौजूद थे।

'मेरी आंखों में आंसू हैं', श्रीनगर-कटरा वंदे भारत में यात्रा करके ऐसा क्यों बोले फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 10 जून (एजेंसियां)। कश्मीर में श्रीनगर से कटरा के बीच हाल ही में शुरू की गई वंदे भारत ट्रेन की काफी चर्चा हो रही है। पीएम मोदी ने 6 जून को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। अब मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने भी श्रीनगर से कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन का सफर किया है। इस ट्रेन की यात्रा करने के बाद फारूक अब्दुल्ला काफी खुश और भावुक नजर आए। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर को आखिरकार देश के रेल नेटवर्क से जुड़ते देखकर काफी खुश हैं। फारूक अब्दुल्ला गोल टोपी पहनकर सुबह श्रीनगर के नौगाम रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पर सवार हुए। इसके बाद कटरा में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने उनका स्वागत किया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वह कश्मीर को देश के रेल नेटवर्क से जुड़ता देखकर काफी अभिभूत हैं और उनकी आंखें आंसुओं से भर गई हैं। फारूक अब्दुल्ला ने इस परियोजना में शामिल इंजीनियरों और श्रमिकों को बधाई भी दी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा, ₹मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इसमें काम किया है। मुझे याद है कि डॉ. मनमोहन सिंह जी ने इसमें योगदान दिया था। अटल बिहारी वाजपेयी जी का यह सपना था कि वे रेल में कश्मीर आए मगर वह पूरा नहीं हो सका लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी ने इसे पूरा किया। यह दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है। आज इसमें सफर करते हुए मुझे खुशी हुई। फारूक अब्दुल्ला ने ट्रेन सुविधा की शुरुआत को जनता की सबसे बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा है कि इससे यात्रा आसान होगी, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और विभिन्न क्षेत्रों के बीच प्यार और दोस्ती भी मजबूत होगी।

एक-एक कर ब्लास्ट, 24 घंटे से धधक रही शिप

केरल में बीच समुद्र चल रहा बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन

कोच्चि, 10 जून (एजेंसियां)। केरल तट के पास कार्गो शिप में विस्फोट के बाद आग लग गई, जिसे बुझाने का प्रयास बीते दिन से जारी है। इस अग्निकांड की वजह से उस पर मौजूद 22 क्रू मेंबर में से 18 को बचा लिया गया है। हालांकि 4 अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। आग पर काबू पाने और उसकी बाउंड्री को ठंडा करने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस संबंध में भारतीय तटरक्षक ने जानकारी दी है। भारतीय तटरक्षक ने ताजा बयान जारी कर कहा, 'मिड शिप से लेकर एकोमोडेशन ब्लॉक के आगे कंटेनर बे तक आग और विस्फोट हो रहे हैं। फॉवर्ड-बे में लगी आग अब नियंत्रण में है, हालांकि लगातार घना धुआं अभी भी निकल रहा है। शिप बंदरगाह की ओर लगभग 10-15 डिग्री झुका हुआ है। साथ ही साथ शिप से और कंटेनर समुद्र में गिरने की सूचना मिली है।' उसने कहा, 'भारतीय तटरक्षक शिप्स समुद्र प्रहरी और सचेत आग बुझाने के अभियान और बाउंड्री को ठंडा करने का काम कर रहे हैं। कोच्चि से बचाव दल के साथ आईसीजी शिप समर्थ को तैनात किया जा रहा है।

आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी।' ये रेस्क्यू ऑपरेशन उस समय शुरू किया गया जब सोमवार की सुबह केरल के कन्नूर में अझिक्कल तट से 44 समुद्री मील दूर एक कंटेनर में विस्फोट हो गया। देखते ही देखते सिंगापुर के झंडे वाली कार्गो शिप एमवी वान हाई 503 में आग ने विकराल रूप ले लिया। इस दौरान कई कंटेनर समुद्र में गिर गए।

आईएनएस सूरत ने 18 लोगों को बचाया

ये शिप श्रीलंका के कोलंबो से मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट जा रही थी और उसमें 22 क्रू मेंबर सवार थे। विस्फोट के तुरंत बाद भारतीय तटरक्षक बल को संकट का संकेत मिला और उसने तुरंत बचाव और अग्निशमन उपकरण जुटाए। जैसे ही आग की लपटें तेजी से फैलीं और डेक पर धुआं छा गया, चालक दल ने जलती हुई शिप को लाइफ राफ्ट का इस्तेमाल करके छोड़ दिया। भारतीय नौसेना के आईएनएस सूरत ने इन राफ्ट से सभी 18 बचे लोगों को बचाने में कामयाबी हासिल की और उन्हें सोमवार शाम तक मैंगलोर पोर्ट तक सुरक्षित पहुंचाया।

नगीना सांसद चंद्र शेखर आजाद पर पीएचडी स्कॉलर रोहिणी घावरी ने लगाए बड़े आरोप

'पूरी तरह अपने प्यार में उसको दीवाना बना लो'

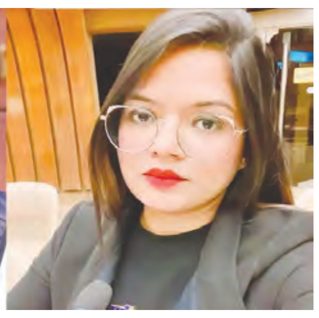

इंदौर, 10 जून (एजेंसियां)। भीम आर्मी के संस्थापक और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नगीना से सांसद चंद्र शेखर आजाद एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इंदौर की रहने वाली एक पीएचडी स्कॉलर डॉ। रोहिणी घावरी ने उनपर गंभीर मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रोहिणी ने अपनी आपबीती शेयर करते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने और चंद्र शेखर के कथित निजी संबंधों को सार्वजनिक किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'चंद्र शेखर ने उन्हें प्रेम में बांधकर उनकी जवानी के कीमती समय बर्बाद कर दिए और जब शादी की बात आई, तब उन्हें छोड़ दिया'

चंद्र शेखर आजाद पर लगाए गए रोहिणी के आरोप

रोहिणी के मुताबिक, यह सिर्फ उनकी कहानी नहीं, बल्कि हजारों लड़कियों की सच्चाई है, जो ऐसे अनुभवों से गुजरती हैं। उन्होंने लिखा, "पहले एक लड़की के लिए सब करो, पूरी तरह अपने प्यार में उसको दीवाना बना लो, उसे भरोसा हो जाए कि तुम ही उसका प्यार हो, फिर उसकी जवानी की वो कीमती वक्त 25 से 30 साल की उम्र के समय जब उसे एक साथी की जरूरत है, वो आप छीन लो। घावरी ने आगे लिखा, जैसे ही वो लड़की आपसे शादी करने का कहे, फिर उसे इस उम्र का सबसे बड़ा ट्रॉमा डिप्रेशन देकर छोड़कर निकल जाओ।

वो लड़की समझ ही न पाए कि ऐसा सबकुछ क्यों हुआ, उस लड़की का शादी रिश्तों पर से विश्वास उठ जाए और फिर पूरी जिंदगी एक विधवा की तरह बेरंग जिंदगी जिए। खुद से सवाल करती रहे कि इतनी ईमानदारी से रिश्ता निभाने के बाद भी ऐसा क्यों हुआ। उन्होंने लिखा, यह समाज भी लड़की के चरित्र पर सवाल उठाए और परिवार भी उसी को दोष दे। उस लड़की का दर्द बढ़ता रहे, वो अकेले सब सहती रहे। लेकिन, जब वो लड़की अपने साथ हुए छल पर बोलना शुरू करे तो उसे ब्लैकमेलिंग षड्यंत्र का नाम दे और गलत समझे। यह सिर्फ मेरी कहानी नहीं, दुनिया की तमाम लड़कियों का दर्द है, जिनके साथ यही होता है और वो सहती रहती है। रोहिणी ने अपनी पोस्ट में आत्मघाती विचारों का भी जिक्र किया और लिखा कि कई लड़कियां इस तरह की धोखाधड़ी और सामाजिक दबाव के चलते आत्महत्या कर लेती हैं। उन्होंने लिखा, "अगर मैं आज अपने लिए नहीं लड़ी, तो देश की बाकी बेटियों के लिए क्या लड़ूंगी? मेरी ईमानदारी ही मेरा सबूत है। यह पोस्ट वायरल हो रही है और सोशल मीडिया पर इसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस पूरे मामले पर अब तक सांसद चंद्र शेखर आजाद की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं, भीम आर्मी ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए इसे बीजेपी की राजनीतिक साजिश करार दिया है। संगठन का कहना है कि यह चंद्र शेखर आजाद की छवि खराब करने की एक सोची-समझी योजना है, जो चुनाव बाद सक्रिय हो रही है।

नालागढ़ में 17 वर्षीय एक प्रवासी युवती कोरोना पॉजिटिव, स्वास्थ्य विभाग ने होम आइसोलेशन में रखा

सोलन, 10 जून (एजेंसियां)। नालागढ़ में एक और कोरोना पॉजिटिव मामला सामने आया है। 17 वर्षीय एक प्रवासी युवती कोरोना पॉजिटिव पाई गई है, जिसे स्वास्थ्य विभाग ने होम आइसोलेशन में रखा है। युवती को खांसी व जुकाम के बाद निजी अस्पताल में कोरोना टेस्ट किया गया था, जिसमें उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। स्वास्थ्य विभाग ने युवती के परिजनों सहित अन्य लोगों के 18 कोरोना टेस्ट किए, जोकि नेगेटिव आए हैं। गौर रहे कि इससे पहले भी नालागढ़ में एक महिला कोरोना पॉजिटिव आई थी, जोकि अब स्वस्थ है। युवती की ट्रैवल हिस्ट्री खंगाली जा रही है। उधर, खंड चिकित्सा अधिकारी नालागढ़ डॉ. कविराज नेगी ने बताया कि 17 वर्षीय युवती कोरोना पॉजिटिव पाई गई है, जिसको होम आइसोलेशन में रखा है। उन्होंने बताया कि उक्त लड़की के परिजनों सहित अन्य लोगों के 18 कोरोना टेस्ट किए गए, जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

पंजाब में कमजोर तबके के सिखों को बनाया जा रहा ईसाई

डीएसजीएमसी ने एसजीपीजी पर बोला हमला

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। पंजाब में हो रहे सिखों के ईसाई मतांतरण पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने सिखों की प्रमुख संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) पर हमला बोला है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सिख धर्म की रक्षा करने में विफल होने के गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा कि पंजाब के आठ से 12 हजार गांवों में ईसाई प्रचारक सिखों का सामूहिक मतातंरण करा रहे हैं। साथ ही दावा किया कि उसने अपने सीमित साधनों के माध्यम से पंजाब में 2,500 सिखों की घर वापसी कराई है और राज्य के हर क्षेत्र में अमृत संचार शिविर लगाने का निर्णय किया है। इसके जरिये पंजाब के सिखों को अपने धर्म के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्हें खंडे बाटे का अमृत पिलाया जाएगा। डीएसजीएनसीके अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने ईसाई प्रचारक पंजाब में गरीब और कमजोर सिखों को लालच देकर ईसाई धर्म में शामिल कर रहे हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पंजाब में ईसाई धर्म का प्रचार इतने उच्च स्तर पर पहुंच गया है, लेकिन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सिख धर्म के प्रचार की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने में विफल रही है।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के 122 करोड़ रुपये के घोटाले में बड़ा खुलासा, ऐसे की गई धोखाधड़ी

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के 122 करोड़ रुपये के घोटाले में चल रही जांच में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) ने कई अहम खुलासे किए हैं। जांच के दौरान पता चला है कि झारखंड से गिरफ्तार आरोपी राजीव रंजन पांडेय ने फर्जी नाम का इस्तेमाल कर मुख्य आरोपी हितेश मेहता से 15 करोड़ रुपये उधार लिए थे। पांडेय ने इस धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए धारावी के निवासी और मेहता के यहां काम करने वाले समीर शेख का सहारा लिया। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, समीर शेख ने मेहता को पांडेय का नाम 'पवन गुप्ता' बताया और यही नाम इस्तेमाल कर पांडेय ने 15 करोड़ रुपये मेहता से लिए थे। समीर शेख ने मेहता से पैसे लेते समय बताया कि पवन गुप्ता उसी ट्रस्ट का मालिक है, जिसमें 15 करोड़ रुपये डाले जाएंगे और इसका सर्टिफिकेट भी वही जारी करेगा। इस दौरान, समीर शेख ने मेहता से पैसे लेने के बाद पांडेय को फोन किया और उसे जानकारी दी। पांडेय ने शेख को घर लौटने का निर्देश दिया। ईओडब्ल्यू ने समीर शेख का बयान दर्ज किया, जिसमें उसने सभी घटनाओं की पुष्टि की है। जांच में यह भी पता चला कि मेहता से 15 करोड़ रुपये सांताक्रुज इलाके में किराए पर लिए गए एक दफ्तर में लिए गए थे। यह दफ्तर पांडेय के एक गुर्गे ने तीन महीने के लिए किराए पर लिया था और हर महीने 25,000 रुपये किराया चुका रहा था। सूत्रों के अनुसार, मेहता और पांडेय के बीच यह डील एक बाबा के माध्यम से हुई थी, जो मेहता के घर में पूजा पाठ का काम करता था। बाबा ने मेहता से कहा कि उसके पास 15 करोड़ रुपये हैं, जिन्हें वह सफेद करना चाहता है और इसके बाद बाबा ने पांडेय के गुर्गों से मेहता को मिलवाया।

पांडेय ने अपना नाम पवन गुप्ता बताया

सांताक्रुज ऑफिस में हुई बैठकों के दौरान मेहता और पांडेय के बीच डील पक्की हुई। बातचीत के दौरान पांडेय ने अपना नाम पवन गुप्ता बताया। ईओडब्ल्यू के अनुसार, इससे पहले बाबा ने मेहता को सातारा में स्थित एक अन्य पार्टी से पुणे में मिलने का समय दिया था, लेकिन बात न बन पाने के कारण वह डील पूरी नहीं हो पाई थी।

ऑनलाइन ठगी का आरोपी बिहार से गिरफ्तार

नूरपुर(कांगड़ा), 10 जून (एजेंसियां)। नूरपुर जिला पुलिस ने पेशेवर ढंग से कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन ठगीके आरोपी को बिहार से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की हैं। पुलिस जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता कुलदीप राज गुप्ता निवासी जसूर ने 08 अप्रैल 2025 को नूरपुर पुलिस थाने बीएनएसएस की धारा 318(4) के तहत अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ी कर ऑनलाइन माध्यम से उसके बैंक खाते से 3,56,799/- रुपये की राशि धोखे से निकाल ली गई। जिला पुलिस नूरपुर द्वारा इस मामले में त्वरित और पेशेवर कार्रवाई करते हुए साक्ष्यों की गहनता से जांच व विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान इस साइबर अपराध में संलिप्त आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष पुलिस टीम का गठन कर उन्हें देश के विभिन्न राज्यों में रवाना किया गया। उपरोक्त विशेष टीम के लगातार प्रयासों के चलते 09 जून 2025 को इस मामले में संलिप्त आरोपी अजीत कुमार पुत्र कांता पासवान निवासी खेतलपुरा थाना सारे, जिला नालंदा, बिहार को खेतलपुरा (बिहार) से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। एसपी नूरपुर अशोक रतन ने बताया कि इस मामले में नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

उन्हें धारावी में कदम रखने नहीं देंगे, उनके सीने पर पैर रखकर ये लड़ाई जीतेंगे :आदित्य ठाकरे

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में मुलुंड स्थित कालिदास सभागृह में शिवसेना (यूबीटी) की ओर से आयोजित एक सभा में पार्टी विधायक प्रमुख आदित्य ठाकरे ने भी भाषण दिया। आदित्य ठाकरे ने अपने भाषण में मुंबई की अस्मिता गौरव पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यह मुंबई हमारी है और हमारी ही रहनी चाहिए। कई उद्योगपति मुंबई आए और उन्होंने इसे अपनाया। अगर आप मुंबई में आना चाहते हैं, तो इसका सम्मान करें, यहां व्यापार करें, लेकिन मेरी मुंबादेवी का भी सम्मान करें। धारावी पुनर्विकास परियोजना को लेकर आदित्य ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि धारावी का विकास होना चाहिए। लेकिन, 22 अक्टूबर 2022 को धारावी का जो टेंडर निकला, उस समय 'भ्रष्टनाथ शिंदे' (व्यंग्यात्मक नाम) ने घोटाला कर सरकार बनाई। उन्होंने सवाल उठाया, धारावी में विकास मालिकों का हो रहा है। उस मालिक का नाम क्या है? जब मुख्यमंत्री ने धारावी का मास्टर प्लान मंजूर किया, उस बैठक में कोई मुंबई प्रेमी था क्या? कोई मुलुंड से था? कोई कुर्ला से था? नहीं, तो क्या यह मास्टर प्लान सिर्फ मालिक के लिए घोषित किया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि मुंबई में एक धारावी थी, लेकिन अब सरकार कई धारावी बनाने की कोशिश कर रही है। ये सरकार धारावी के लोगों को अलग-अलग जगह पुनर्वसित करने की योजना बना रही है। इस दौरान आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर धारावी के सभी नागरिकों को पात्र नहीं ठहराया गया, तो उन्हें धारावी में कदम रखने नहीं देंगे। मैं आदेश देने नहीं, बल्कि आपके साथ लड़ने आया हूं। लड़ाई लड़ते समय कई मुकदमे ठोके जाएंगे, फिर भी हम पीछे नहीं हटेंगे। उनके सीने पर पैर रखकर ये लड़ाई जीतेंगे। जहा यह रैली हुई, वहां के विधायक मिहिर कोटेचा है। विधायक पर निशाना साधते हुए आदित्य ठाकरे ने तंज कसा, ये विधायक कौन हैं? ये कोटेचा नहीं, खोटेचा हैं। ये सच बोल रहे है या झूठ? इसलिए इनका नाम कोटेचा होना चाहिए या खोटेचा? उन्होंने कहा, उन्हें प्रेम पत्र भेजो और पूछो कि तुम बोल रहे थे, उसका क्या हुआ? अब मालिक का विरोध करोगे या नहीं? कुर्ला का क्या हुआ? मदर डेयरी का क्या हुआ? वहां के विधायक तो गुवाहाटी चले गए थे। अब क्या वे जाकर भ्रष्टनाथ शिंदे से सवाल पूछेंगे?3

राजा रघुवंशी मर्डर केस में बड़ा खुलासा: पति की हत्या के बाद 25 मई को शिलांग से इंदौर पहुंची थी सोनम

इंदौर, 10 जून (एजेंसियां)। हत्या के बाद सोनम क्राइम सीन से 10 किलोमीटर दूर तीनों आरोपियों के साथ बातचीत करते हुए सीसीटीवी में कैद हुई। फिर 25 को शिलांग से सिलीगुड़ी के रास्ते ट्रेन से इंदौर पहुची, इंदौर में राज से सोनम की मुलाकात हुई। सोनम इंदौर में किराए के घर मे रूकी थी फिर एक ड्राइवर ने यूपी ड्रॉप किया था, वाराणसी होते हुए ग़ाज़ीपुर पहुची थी। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के पास से मर्डर में इस्तेमाल हथियार लिया था। हनीमून के दौरान सोनम कोई फ़ोटो अपलोड नही की, जिससे पुलिस को शक हुआ और सोनम के हत्या में शामिल होने की लीड मिली थी। सोनम ने पति की हत्या के तुरंत बाद अपनी आंखों के सामने उसे खाई में फेंक दिए जाने के बाद, राजा रघुवंशी के फोन से उसके सोशल मीडिया एकाउंट से 2 बजकर 15 मिनट में एक पोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, सात जन्मों का साथ है। ये पोस्ट उसने यह दिखाने के लिए किया था ताकि परिवार के लोग समझें कि राजा रघुवंशी अभी जिंदा है। राजा के एकाउंट से मर्डर के बाद। सूत्रों के अनुसार, राजा की हत्या 23 मई को हुई थी, उसी दिन दंपति के लापता होने की सूचना मिली थी। सूत्रों ने बताया कि यह पोस्ट दोपहर 2:15 बजे की गई थी। तीन और चार जून को पुलिस को सोनम के हत्या में शामिल होने के बारे में पता चला था। मौके से जो जैकेट मिली थी वो हत्यारे आकाश की थी, वहीं पास में रेन कोट दो सोनम का था और मोबाइल स्क्रीन मिला था जो राजा का था। सोनम ने ही अपना रेन कोट आकाश को दिया था, जिसमें खून के धब्बे थे, आकाश ने उसे मौके पर फेंक दिया था। आनंद की गिरफ्तारी के समय उसने वारदात वाले ही कपड़े पहने थे। जानकारी के मुताबिक राजा पर पहला वार विशाल ने किया था। राजा और सोनम अपने हनीमून के लिए मेघालय में थे। दोनों ने 11 मई को शादी की और जल्द ही 20 मई को अपने हनीमून के लिए निकल गए।

मोदी सरकार के 11 साल

नया भारत शांति की रट नहीं लगाता : सीएम योगी

> ऑपरेशन सिंदूर से मुंहतोड़ जवाब देता है

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल भारत वर्ष के स्वर्णिम काल के रूप में जाना जाएगा। इस कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत को वैश्विक पहचान दी है। कांग्रेस समेत अन्य अस्थिर सरकारों से जो आम जन का विश्वास टूटा था। वैश्विक मंच पर जो भारत की छवि तार तार हुई थी उसे पीएम मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद से मुक्त नेतृत्व ने भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाकर अगले 25 वर्ष की कार्ययोजना प्रस्तुत की है। इन 11 वर्षों ने सामाजिक और संस्कृतिक पक्ष के साथ ही सेवा, सुशासन के साथ आर्थिक मोर्चे पर देश को एक नई पहचान दी है। शासन की नीति स्पष्टता, कार्य प्रणाली की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही शासन की नई पहचान बनी है। विकास केवल नारे नहीं हैं। इन वर्षों ने विरासत और विकास का समन्वय करते हुए देश को दुनिया में नई पहचान दिलाई। अब चेहरा देख कर नहीं बल्कि जरूरत देख कर सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाता है। मुख्यमंत्री योगी मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले 11 साल में राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस को हमने देखा है। यह 11 साल का समय उस वक्त पूरा हो रहा है जब भारत की सामरिक शक्ति को पूरे विश्व ने देखा है। पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेड भारत की सैन्य शक्ति मानी गई है। कोई हम पर युद्ध थोपेगा तो उसका जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर से दिया जाएगा। अब भारत दुनिया में शांति की रट लगाने वाला देश नहीं है बल्कि युद्ध थोपने पर कड़ा जवाब देने वाला देश है।

देश को एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में प्रस्तुत किया गया

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इन 11 वर्षों में भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में प्रदर्शित किया गया है। विकसित भारत के लिए पंच प्रण और 11 संकल्प बताए गए हैं। 11 साल में भारत ने विकसित भारत की आधारशिला पंच प्रण के आधार पर रखी है। समावेशी विकास शुरू किए गए हैं। ढांचागत विकास का मॉडल बनाया है। तकनीक के उपयोग के माध्यम से भ्रष्टाचार पर काबू पाया गया।

पुलिस भर्ती के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देंगे गृहमंत्री अमित शाह, सीएम ने किया आमंत्रित

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। सिपाही नागरिक पुलिस के 60244 पदों पर सीधी भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नियुक्तिपत्र वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिल्ली में गृह मंत्री से भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया। बता दें कि कार्यक्रम में सभी चयनित अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। नियुक्तिपत्र वितरण कार्यक्रम वृंदावन योजना में स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में होना प्रस्तावित है। इसके लिए सभी जिलों के कप्तानों से चयनित अभ्यर्थियों को राजधानी भेजने को कहा गया है। वहीं, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट उनके रहने और खाने-पीने का बंदोबस्त करेगा। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के सभी वरिष्ठ मंत्री, गृह विभाग और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

सीएम ने 5 बच्चों का अन्नप्राशन और नामकरण किया

तिलक लगाकर खीर खिलाई, सभी का नाम सुहेलदेव रखा

बहराइच, 10 जून (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ सुहेलदेव विजयोत्सव के मौके पर मंगलवार को बहराइच पहुंचे। सीएम ने चित्तौरा झील पर बनी 40 फीट ऊंची महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा का लोकार्पण किया। उसके बाद सीएम ने मंच पर 5 बच्चों का अन्नप्राशन और नामकरण किया। बच्चों को गोद में लेकर उनको दुलारा, तिलक किया फिर खीर खिलाई। इस दौरान बच्चों ने धोती-कुर्ता पहन रखा था। इन सभी बच्चों का नाम सुहेलदेव रखा गया है। भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टी सुभासपा मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव विजयोत्सव दिवस मना रही है। आज के दिन महाराजा सुहेलदेव ने मोहम्मद गजनवी के भांजे सालार मसूद गाजी को बहराइच में युद्ध में हराया था।

झील के किनारे महाराजा सुहेलदेव का स्मारक बनाया गया

बता दें, जिला मुख्यालय से 8 किमी दूर गोंडा रोड पर चित्तौरा झील है। झील के किनारे महाराजा सुहेलदेव का स्मारक बनाया गया है। यहां कांस्य से बनी महाराज सुहेलदेव की 40 फीट ऊंची प्रतिमा लगाई गई है। दावा है कि यह प्रतिमा देश की सबसे बड़ी दो पैरों पर खड़ी अश्वारूढ़ प्रतिमा है। इस प्रतिमा का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी की देखरेख में कराया गया है। इसे मूर्तिकार पद्मश्री रामसुतार ने बनाया है। इस स्मारक का पीएम नरेंद्र मोदी ने 16 फरवरी, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास किया था। कार्यक्रम के लिए सिक्योरिटी के कड़े इंतजाम हैं। चित्तौरा को 20 सेक्टर में बांटा गया है। ड्रोन से इलाके की निगरानी की जा रही है। स्मारक स्थल से चारों ओर ढाई किलोमीटर तक के दायरे में पुलिस का पहरा है। कार्यक्रम के लिए दूसरे जिलों से भी फोर्स आ गई है।

पटना में 15 अगस्त से चलेगी मेट्रो ट्रेन :जीवेश मिश्रा

नगर विकास मंत्री बोले- नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव, बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी

समस्तीपुर, 10 जून (एजेंसियां)। समस्तीपुर में बिहार सरकार के मंत्री जीवेश मिश्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 15 अगस्त से पटना में मेट्रो ट्रेन चलेगी। निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। राजधानी पटना को मेट्रो सिटी बनाना है। खुद इस कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

बिहार में चुनावी हलचल के सवाल पर उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमलोग चुनाव लड़ेंगे। 225 सीट जीतकर बिहार में एनडीए की सरकार बनाएंगे। इसमें कहीं कोई दिक्कत नहीं है। जनता एनडीए के साथ है।

तेजस्वी यादव पर साधा निशाना

नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए मंत्री जीवेश मिश्रा ने कहा, 'तेजस्वी यादव पहले अपने परिवार में चल रहे हलचल को संभाल लें। जिस तरह से उन्होंने लालू यादव के साथ मिलकर तेज प्रताप को घर से निकला है। अब तेज प्रताप को ही हुंकार भरना होगा।' दरभंगा में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज के सवाल पर उन्होंने कहा, दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी और एसपी को सीसीटीवी फुटेज खंगालने के निर्देश दिया गया है। जांच तके बाद कार्रवाई होगी।'

बड़ी कार्रवाई : 45 लाख के घोटाले में 36 पूर्व प्रधानों और 21 सचिवों को नोटिस

> धांधली की रकम जमा करने के निर्देश

भदोही, 10 जून (एजेंसियां)। साल 2017-18 में 45 लाख के घोटाले में 36 पूर्व प्रधान और 21 सचिव को नोटिस जारी किया गया है। पूर्व प्रधानों को डीएम शैलेश कुमार और सचिवों को डीपीआरओ संजय मिश्रा ने नोटिस भेजा है। सभी को 15 दिनों का समय जवाब देने के लिए दिया गया है। जवाब न देने पर सभी के खिलाफ रिकवरी नोटिस जारी होगी।

ये है पूरा मामला

जिले में 546 ग्राम पंचायतें हैं। ग्राम पंचायतों को विकास के लिए केंद्र और राज्य से सीधे बजट मिलता है। बजट खर्च करने का अधिकार ग्राम पंचायतों के पास होता है। राज्य वित्त और 15वें वित्त के मद में मिले बजट में ग्राम प्रधान और सचिवों की मिलीभगत से घपले के कई मामले सामने आए हैं। पंचायतों की ओर से खर्च किए गए बजट की समय-समय पर ऑडिट होती है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में जिला लेखा परीक्षा अधिकारी सहकारी समिति पंचायत की ओर से जिले की सभी ग्राम पंचायतों की ऑडिट कराई गई थी। ऑडिट रिपोर्ट में मनरेगा, राज्य वित्त और 15वें वित्त के बजट में जिले की 36 ग्राम पंचायतों में करीब 45 लाख की धांधली पकड़ी गई थी। ऑडिट टीम ने जांच रिपोर्ट डीपीआरओ को सौंपा था। इस दौरान पंचायत राज विभाग ने कई बार पत्र जारी कर संबंधित ग्राम पंचायतों को पैसा जमा करने के निर्देश दिए थे। अब डीएम शैलेश कुमार ने प्रकरण में सख्ती शुरू कर दी है। 36 ग्राम पंचायतों के तत्कालीन प्रधानों और सचिवों को नोटिस जारी कर धांधली की रकम जमा करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम नीतीश की कैबिनेट ने 22 प्रस्ताव पर लगाई मुहर

> इस विभाग में 8093 पदों के सृजन को स्वीकृति

पटना, 10 जून (एजेंसियां)। सीएम नीतीश कुमार ने कुल 22 प्रस्तावों को स्वीकृति दी। आगामी चुनाव से पहले नौकरी को लेकर किए गए अपने वादे को सीएम नीतीश कुमार हर हाल में पूरा करना चाहते हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने कई विभागों में नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस बार सबसे अधिक पंचायती राज विभाग में पद सृजन के प्रस्ताव स्वीकृति दी गई है। इसके तहत पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत कार्यालय में निम्नवर्गीय लिपिक के 8093 पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। पटना के राजवंशी नगर में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 36 नए पदों का सृजन किए गए हैं। इसके अलावा अन्य कई विभाग में भी नए पदों के सृजन के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदर्शन की गई है। आइए जानते हैं सीएम नीतीश कुमार ने और किन-किन प्रस्तावों पर स्वीकृति दी।

1. खेल और युवा विकास

बिहार अधीनस्थ खेल भर्ती नियमावली 2025 को मंजूरी दी गई, जिससे खेल क्षेत्र में भर्ती प्रक्रिया को और पारदर्शी व सुगम बनाया जाएगा। युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए 9 कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जो रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे।

2. महिला सशक्तीकरण

महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए उनकी पसंद के नजदीकी स्थानों पर पदस्थापना की सुविधा प्रदान करने हेतु नीति निर्धारित की गई। यह कदम कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देगा।

3. जनजातीय विकास

प्रधानमंत्री जनजाति आवासीय योजना के तहत जनजातीय समूहों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2,00,000 की राशि आवास निर्माण के लिए प्रदान की जाएगी।

4. स्वास्थ्य सेवा

सरकार की ओर से इन डॉक्टरों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। इसमें लगातार अनुपस्थिति के कारण 7 सरकारी डॉक्टरों को सेवा से बर्खास्त किया गया।

5. जल संसाधन और बुनियादी ढांचा

पटना के बख्तियारपुर प्रखंड में गंगा चैनल के निर्माण को स्वीकृति दी गई, जिससे सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन में सुधार होगा।

6. प्रशासनिक और नियामक सुधार

जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम में संशोधन के तहत 2025 नियमावली को मंजूरी। बिहार गव्य संपदा भर्ती संशोधन नियमावली 2025 को स्वीकृत किया गया। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत समेकित बाल विकास सेवा के लिए बिहार बाल विकास लिपिक संवर्ग संशोधन 2025 को मंजूरी। बिहार नगर पालिका क्षेत्र विज्ञापन संशोधन नियम 2025 को स्वीकृति प्रदान की गई।

7. विमानन और मंत्रिमंडल सचिवालय

वायुयान संगठन के लिए 4 नए पदों को मंजूरी, जिसमें बड़े विमान चालकों की भर्ती शामिल है।

मां बोली-बेटी से रेप हुआ, हमें ही धमका रहे

प्रयागराज में इज्जत की कीमत 10 हजार लगाई; डिप्टी सीएम के बयान से गरमाई जातिगत सियासत

प्रयागराज, 10 जून (एजेंसियां)। मेरी बेटी को गंदे वीडियो दिखाकर रेप किया। लड़के के परिवार से शिकायत की, तो राम बाबू ने बेटे को चप्पलों से पीटा। फिर मेरी बेटी की इज्जत की कीमत 10 हजार लगा दी। पति से सहा नहीं गया, उन्होंने केस दर्ज कराया। अब पुलिस ने ज्यादती करते हुए मेरे पति को ही जेल में बंद कर दिया। कहते हैं तुम्हारे पति ने राम बाबू को जहर देकर मार दिया। साहबवेटी से रेप हुआ, अब हमें ही धमकाया जा रहा है। हम गांव में रह नहीं पा रहे। ये कहना है कौशांबी की 7 साल की बच्ची राधिका (परिवर्तित नाम) की मां का। 28 मई को ईंट भट्ठा पर बच्ची के साथ रेप हुआ। आरोप गांव के धन्नू पर लगा। 29 मई को धन्नू को जेल भेजा गया। 4 जून को धन्नू के पिता राम बाबू ने सैनी थाने के सामने सुसाइड कर लिया।

5 जून को परिवार ने लाश को नेशनल हाईवे-2 पर रखकर जाम लगा दिया। 2 घंटे के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज करके सबको हटा दिया। 6 जून को रामबाबू के परिवार के 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर लिखी गई। क्या बच्ची के साथ रेप के बाद वाकई बेकसूर को जेल भेजा गया, क्यों पिता ने थाने के सामने सुसाइड किया, बच्ची का परिवार अब क्यों दहशत में है? दैनिक भास्कर टीम कौशांबी के मंझनपुर से 18Km दूर सैनी इलाके में पहुंची। एक बेटा, 2 बेटियों के लेकर भटक रही हूं। धन्नू के परिवार के लोग दबंग हैं। हमारे ऊपर दबाव है कि केस वापस ले लें। कितनी बड़ी साजिश कर डाली। मेरी बेटी के साथ रेप के बाद उसके पिता को ही जेल भिजवा दिया।

भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे अफसर, खाली नहीं हो सका सपा कार्यालय-नेताओं ने छह दिन का मांगा समय

पीलीभीत, 10 जून (एजेंसियां)। पीलीभीत में नगर पालिका ईओ के आवास में संचालित समाजवादी पार्टी (सपा) के जिला कार्यालय को खाली कराने को लेकर मंगलवार को गहमागहमी का माहौल रहा। तीन दिन पूर्व ही नगर पालिका ने एक नोटिस सपा कार्यालय के गेट पर चस्पा किया था, जिसमें सपा कार्यालय 10 जून को खाली करने के लिए कहा गया था। इसी को लेकर मंगलवार सुबह से ही शहर के नकटादाना चौराहा स्थित सपा कार्यालय पर हलचल तेज हो गई थी। काफी संख्या में पुलिसबल कार्यालय के पास पहुंच गया। इसकी जानकारी होते ही सपा नेता व कार्यकर्ता भी कार्यालय पर जुट गए। सपा नेताओं की अफसरों से जमकर नोकझोंक हुई। हंगामे की स्थिति बनी रही। नगर पालिका की ओर से नकटादाना स्थित सपा कार्यालय को खाली करने के अंतिम नोटिस के तहत मंगलवार को प्रशासनिक अफसर पुलिस और पीएसी के साथ मौके पर पहुंचे। सिटी मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर, एसडीएम सदर आशुतोष गुप्ता, अधिशासी अधिकारी की मौजूदगी में करीब तीन घंटे तक कार्यालय को खाली कराने को लेकर जद्दोजहद चलती रही। कई बार तनातनी की स्थिति भी बनी। अफसरों की ओर से अनाउंसमेंट कर ईओ आवास खाली करने को लेकर चेतावनी भी दी गई, लेकिन अंत में सपा पदाधिकारी की ओर से छह दिन का समय मांगा गया।

सूटकेस में मिली महिला की लाश

गाजियाबाद, 10 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद में 28 साल की महिला की लाश सूटकेस में मिली है। सूटकेस चादर में लपेटकर फेंका गया था। मंगलवार सुबह 8 बजे इसे कुत्ते खींच रहे थे। आसपास के लोगों को शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस, महिला पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंची है। घटना लोनी बॉर्डर थाना के शिव वाटिका के पास की है। महिला के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं।

गले पर भी निशान है। नाक से खून बहा है। ऐसे में पुलिस मान रही कि गला दबाकर हत्या की गई। लोनी बॉर्डर इलाका बागपत जिले की सीमा और दूसरी तरफ दिल्ली के नजदीक है। ऐसे में माना जा रहा कि दूसरी जगह हत्या कर लाश को यहां फेंका गया। फिलहाल, पुलिस शव की पहचान कराने की कोशिश में जुटी है।

पूर्णिया में 5 साल की बच्ची से रेप, हालत गंभीर

मां बोली-मुंह, प्राइवेट पार्ट से खून निकल रहा था; देर शाम कुरकुरे खरीदने गई थी

पूर्णिया, 10 जून (एजेंसियां)। पूर्णिया में 5 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि रविवार की शाम बच्ची दुकान पर सामान खरीदने जा रही थी। इस दौरान आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ कटीस (19) बच्ची को बहला-फुसलाकर स्कूल के पीछे खेत में ले गया, जहां गंदा काम किया। फिर बच्ची को बेसुध स्थिति में छोड़कर फरार हो गया।

बच्ची दो घंटे बाद भी घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। पीड़ित परिवार बच्ची को खोजते-खोजते बांसबाड़ी में पहुंचे, जहां बच्ची बेहोशी की स्थिति में मिली। घटना धमदाहा थाना क्षेत्र के एक गांव की है। पीड़ित परिवार ने घटना की सूचना ग्रामीणों को दी। फिर रविवार की रात ही पंचायत बैठी, जहां मामले को रफादफा करने की कोशिश की। पीड़ित परिवार पंचायत के फैसले को मानने को तैयार नहीं हुए। इसी दौरान बच्ची की तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से इलाज के बाद पूर्णिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

डाक टिकटों में फर्जीवाड़ा-फाइलों में घूम रही जांच, सुलझ नहीं पा रही गुत्थी

मथुरा, 10 जून (एजेंसियां)। मथुरा के छाता उप डाकघर में फर्जी डाक टिकट चिपकाकर भेजी जा रही डाक की गुत्थी 5 माह बाद भी सुलझ नहीं सकी। डाक विभाग के अधिकारियों ने प्रथम जांच में उप डाकपाल और क्लर्क दोषी पाए जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया। तीन माह में जांच पूरी करने के आदेश पांच महीने बीत जाने के बाद भी जांच फाइलों में ही घूम रही है। अब छाता के ग्राहकों ने डाकघर से दूरी बनानी शुरू कर दी है। उन्हें डाकघर में खाता खुलाने में डर सता रहा है। छाता उप डाकघर में 20 दिसंबर 2024 के आसपास प्रतिदिन 1500 से अधिक डाक बुक होकर दूसरे शहरों में भेजी जा रही थी। जबकि डाकघर में डाक टिकट उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में डाक विभाग के कर्मचारियों के षडयंत्र पर फर्जी टिकट चिपकाकर डाक प्रतिदिन बुक होकर जा रही थी।

मामला 30 दिसंबर को अधिकारियों के संज्ञान में आया तो उप डाकपाल मदन लाल और क्लर्क मोहित को निलंबित कर दिया था। 10 जनवरी 2025 को तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की गई, तीन महीने में पूरी जांच करने के निर्देश दिए थे लेकिन, 5 महीने बीत जाने के बाद जांच फाइलों में घूम रही है। अब डाक घर में जांच की कर्मचारी चर्चा कर रहे हैं। डाक विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के चलते दोनों कर्मचारियों को अभी तक चार्जशीट भी नहीं दी है। उधर, छाता के लोगों को मामले का खुलासा नहीं होने से अब उनका डाकघर की योजनाओं से भरोसा दूर होने लगा है। ग्राहक डाकघर में बचत खाता खुलाने से भी दूरी बना रहे हैं। सोमवार को छाता डाकघर में सुनील, मोनू, दीपू ने बचत खाता बंद कराकर दूसरी जगह खुलाने की बात कही। प्रवर डाक अधीक्षक विजेंद्र ने बताया कि छाता उप डाकघर में टिकट मामले की जांच चल रही है। जल्द ही जांच की रिपोर्ट मिलने वाली है।

अखिलेश के करीबी महेंद्र राजभर पर हमला

जौनपुर, 10 जून (एजेंसियां)। अखिलेश यादव के करीबी महेंद्र राजभर पर मंगलवार को हमला हो गया। जौनपुर में महाराजा सुहेलदेव विजयोत्सव कार्यक्रम में एक नेता ने पहले महेंद्र राजभर की तारीफ में भाषण दिया। फिर माला पहनाई। इसके बाद उनके गाल पर कई तमाचे जड़ दिए। उस वक्त लोग मोबाइल से वीडियो बना रहे थे, पूरा घटना कैमरे में कैद हो गई। अचानक हुए इस हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। महेंद्र राजभर ने भी थप्पड़ मारने वाले पर हमला करना चाहा, लेकिन कार्यकर्ताओं ने दोनों को अलग-अलग किया। इस दौरान धक्का-मुक्की जमकर हुई। आरोपी का नाम बृजेश राजभर और वाराणसी के बावतपुर का रहने वाला है। वह महेंद्र राजभर की सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी का पूर्व प्रदेश अध्यक्ष है। हमले के बाद वह वाराणसी फरार हो गया।

शाहजहांपुर हादसा : कार में तड़प रहे थे घायल, युवक ने 500 रुपये लेकर बताया अस्पताल का रास्ता; तीन की गई थी जान

शाहजहांपुर, 10 जून (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में लखनऊ-बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोजा क्षेत्र में सुबह खड़े ट्रक से तेज रफ्तार कार टकरा गई थी। हादसे में नैनीताल जा रहे गोरखपुर के शिवम (37 वर्ष), उनके दो वर्षीय बेटे माधवन व बहन श्वेता द्विवेदी (42 वर्ष) की मौत हो गई थी। हादसे के बाद लोगों ने अमानवीयता दिखाई। राहगीरों ने मदद नहीं की तो एक युवक ने अस्पताल का रास्ता बताने के बदले 500 रुपये लिए थे। शाहजहांपुर में लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर रोजा थाना क्षेत्र के जमुका गांव के पास सोमवार सुबह हुए हादसे के बाद लोग मदद के लिए आगे नहीं बढ़े। पीछे दूसरे वाहन से आ रहे परिजनों ने बताया कि उन्होंने खुद सरिया से कार की खिड़की तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। अपनी गाड़ी से अस्पताल के लिए चले तो एक युवक ने रास्ता बताने के नाम पर 500 रुपये ले लिए। सुबह करीब छह बजे ट्रक में कार टकराने से गोरखपुर के बेलीपार थाने के मलांव निवासी कारोबारी शिवम पांडेय, उनके दो वर्षीय बेटे माधवन और खोराबार थाना क्षेत्र के मालवीय नगर निवासी बहन श्वेता द्विवेदी की मौत हो गई। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजनों के अनुसार, राहगीरों ने उनकी कोई मदद नहीं की। पोस्टमॉर्टम हाउस पर मिले शिवम के रिश्तेदार अमृतेश ने बताया कि हादसे के बाद कुछ समझ नहीं आ रहा था।

अमृतेश ने बताया कि कोई उनकी मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। सरिया से खिड़की को तोड़कर घायल परिवार के लोगों को बाहर निकाला। अपनी ही गाड़ी से अस्पताल के लिए लेकर चल दिया। लोगों से रास्ता पूछा तो हर कोई कह देता कि सीधे चले जाओ। बहुत तकलीफ हुई जब एक युवक को रास्ता बताने के लिए 500 रुपये देने पड़े। राजकीय मेडिकल कॉलेज में शिवम पांडेय के चालक अंगद का रो-रोकर हाल बेहाल था। वह कभी मोर्चरी पर जाता तो कभी जमीन पर बैठकर रोने लगता। गोरखपुर से आए, लोगों ने उसे संभालने की कोशिश की, लेकिन उसकी आंख के आंसू नहीं थम रहे। उसके मुंह से एक ही बात निकल रही थी कि शिवम राजा जैसे थे। उनके साथ परिवार की तरह रहता था। यह सब कैसे हो गया, कुछ पता ही नहीं चला। कार की स्पीड भी ज्यादा नहीं थी। स्पीड करीब 60-70 रही होगी।

गोरखपुर के बड़े कारोबारी थे शिवम पांडेय

शिवम पांडेय गोरखपुर के बड़े बिजनेसमैन थे। उनकी फैक्टरी है। कई अन्य काम चलते हैं। गोरखपुर से शाहजहांपुर राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे परिजन शवों को देख बिलख पड़े। पैर लड़खड़ाए तो साथ में आए, लोगों ने संभाला। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने तीनों शवों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

सीएम भजनलाल शर्मा बोले

'जल का कोई विकल्प नहीं, प्रदेश का लगभग 72 प्रतिशत भाग अतिदोहित श्रेणी में'

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत सीएम भजनलाल शर्मा ने अजमेर में विभिन्न विकास कार्यों का लोकापर्ण व शिलान्यास किया। इसे बाद वे पुष्कर गए जहां उन्होंने ब्रम्हा मंदिर में पूजा अर्चना भी की। उन्होंने कहा कि तीर्थराज पुष्कर की इस पावन धरा पर पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां स्थित ब्रह्मा जी का मंदिर और सावित्री माता का मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरूआत गंगा दशहरा के अवसर पर की गई। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी पर गंगा मां का अवतरण हुआ था तथा सभी जलाशयों में स्वयं गंगा मां अवतरित होती हैं। प्राचीन ग्रंथों में भी मां गंगा को पुण्य सलिला, मोक्ष प्रदायिनी एवं महानदी कहा गया है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में कम सतही जल के कारण भूजल पर दबाव बढ़ता जा रहा है। भूजल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण प्रदेश का लगभग 72 प्रतिशत भाग अतिदोहित श्रेणी में आ गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जल संरक्षण की परंपराएं सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा रही हैं। बावड़ियां, जोहड़, तालाब, और कुंए जैसी संरचनाएं राजस्थान की जल संरक्षण परंपराओं का जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों के स्वरूप को पुनः बहाल करना और जल संरक्षण के लिए जन जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से जल संरक्षण अब एक जन आंदोलन बन रहा है। यह अभियान निश्चित तौर पर प्रदेश में जल संरक्षण में एक नई क्रांति लाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को समझते हुए डेढ साल में पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना से प्रदेश के 17 जिलों के लोगों को पेयजल मिलेगा और लगभग 4.74 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इसी तरह, शेखावाटी अंचल में यमुना जल समझौता से क्षेत्र के लोगों को पानी की निर्बाध आपूर्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य में अगले चार साल में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा।

गहलोत-पायलट मिले, गुर्जर उग्र हुए

संयोग या साजिश? भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने उठाए सवाल

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। मदन राठौड़ ने ये भी जोड़ा कि वसुंधरा राजे की सरकार में भी गुर्जर आंदोलन हुआ था और अब भजनलाल शर्मा की सरकार के शुरुआती महीनों में ही फिर वही हालात बन रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अगर यह आंदोलन गहलोत और सचिन पायलट की हालिया मुलाकात के बाद भड़का है, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या यह सिर्फ संयोग है या इसके पीछे कोई सियासी प्रयोग?

राजस्थान में गुर्जर आरक्षण की चिंगारी एक बार फिर सुलगती नजर आई, लेकिन इस बार मामला सरकार के आश्वासन पर शांत हो गया कम से कम ऊपर से। भरतपुर के पीलूपुरा में हुई गुर्जर महापंचायत भले ही शांतिपूर्वक समाप्त हो गई हो, लेकिन इसके तुरंत बाद कुछ युवाओं द्वारा दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक को जाम करना नए सियासी बवाल की वजह बन गया है। गुर्जर समाज की इस महापंचायत का नेतृत्व विजय बैंसला ने किया, जो खुद गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष और दिवंगत कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे हैं। ध्यान देने वाली बात यह भी रही कि महापंचायत उसी जगह आयोजित हुई, जहां 2008 में कर्नल बैंसला ने ऐतिहासिक आंदोलन की नींव रखी थी। लेकिन इस बार मामला थोड़े वक्त में ठंडा पड़ गया, हालांकि ट्रैक पर बैठी भीड़ ने एक बार फिर हलचल पैदा कर दी।

बीजेपी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में राठौड़ ने कहा कि गुर्जर आंदोलन जब भी होता है, भाजपा की सरकार में ही क्यों होता है? कांग्रेस की सरकार में ऐसा क्यों नहीं होता? क्या यह सब कुछ प्रायोजित नहीं है?

राठौड़ ने ये भी जोड़ा कि वसुंधरा राजे की सरकार में भी गुर्जर आंदोलन हुआ था और अब भजनलाल शर्मा की सरकार के शुरुआती महीनों में ही फिर वही हालात बन रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अगर यह आंदोलन गहलोत और सचिन पायलट की हालिया मुलाकात के बाद भड़का है, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या यह सिर्फ संयोग है या इसके पीछे कोई सियासी प्रयोग?

विजय बैंसला को लेकर बयान में नरमी, लेकिन चेतावनी भी

जब उनसे पूछा गया कि विजय बैंसला खुद बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं, तो राठौड़ ने कहा, विजय बैंसला ने समाज के मंच से मांग उठाई है, जो उनका हक है। लेकिन अपनी मांगों को मनवाने के लिए आमजन को परेशान करना, रेलवे ट्रैक जाम करना, ये सही तरीका नहीं है। आंदोलन का अधिकार सबको है, लेकिन लोकतंत्र में अनुशासन भी जरूरी है।

जनजीवन नहीं हो अस्त-व्यस्त– सरकार का सख्त रुख

राठौड़ ने साफ कहा कि सरकार ने लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ने नहीं दिया। उन्होंने हमारी सरकार पूरी तरह सतर्क थी। आंदोलन करने का हक सभी को है, लेकिन शांति बनाए रखते हुए। रेलवे ट्रैक या सड़कें जाम करके किसी भी मांग को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने यह भी दोहराया कि सरकार समाज के साथ संवाद में विश्वास रखती है, लेकिन ट्रैक रोकने जैसे कदमों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आरपीएससी के नए चेयरमैन होंगे डीजीपी यू आर साहू

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जारी किए आदेश

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पर यू आर साहू को नियुक्त किया है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर दिए है। गौरतलब है कि यू आर साहू प्रदेश के पुलिस महकमे में डीजीपी के पद पर सेवाएं दे रहे है। माना जाता है कि साहू प्रशासनिक अनुभवी और सख्त निर्णय लेने का मादा रखते है। ऐसे में सरकार उनका फायदा आरपीएससी के चैयरमेन के तौर पर उठाएगी।

भजनलाल सरकार ने पिछले साल सीनियर आईपीएस ऑफिसर उत्कल रंजन साहू को राजस्थान पुलिस के नए मुखिया यानी पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी दी गई थी। यूआर साहू वर्ष 1988 बैच के आईपीएस हैं।

राजस्थान पुलिस में सबसे सीनियर आईपीएस हैं। वे ओडिशा के रहने वाले हैं। दिसंबर 2020 में उनका प्रमोशन डीजी रैंक पर हुआ था।

गहलोत ने साधा था निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट कर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'चुनाव से पूर्व युवाओं को गुमराह करने एवं हमारे ऊपर झूठे आरोप लगाकर भ्रम फैलाने के लिए आरपीएससी में सकारात्मक परिवर्तन कर परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया को तेज करने का वादा किया था। दुर्भाग्यपूर्ण ये है कि भाजपा सरकार 10 महीने में आरपीएससी का नया चेयरमैन तक नियुक्त नहीं कर सकी है और न ही सदस्यों के रिक्त पदों को भर सकी है।

साहू राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

डीजीपी यू आर साहू प्रदेश के 8 जिलों में धौलपुर, बाड़मेर, हनुमानगढ़, सीकर बांसवाड़ा, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा और जोधपुर में एसपी रह चुके हैं। वर्ष 2005 में जोधपुर एसपी रहते हुए उन्हें पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। वसुंधरा राजे के कार्यकाल में जनवरी 2014 से लेकर दिसंबर 2018 तक वे इंटेलिजेंस में एडीजी रह चुके हैं। इस दौरान वर्ष 2016 में उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बड़ा फैसला

ड्यूटी को लेकर शिक्षकों पर होगी सख्ती

बीकानेर, 10 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बड़ा फैसला। अब शैक्षणिक स्टाफ को शिक्षा विभाग के अलावा अन्य विभागों में नहीं लगाया जा सकेगा। जयपुर में हाल ही हुई शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की बैठक में यह निर्णय लिया है। अक्सर देखा गया है कि शिक्षक अपनी ड्यूटी शिक्षा विभाग की बजाय अन्य विभागों में लगवा लेते थे। इस पर सख्ती बरतते हुए आदेश दिए गए हैं कि यदि कोई शिक्षक लंबे समय से अन्य विभाग में तैनात है, तो उसे तुरंत कार्यमुक्त कर मूल विद्यालय में भेजा जाए। यदि निर्वाचन या अन्य आवश्यक कार्यों के लिए शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है, तो यह सुनिश्चित किया जाए कि शिक्षण कार्य प्रभावित न हो।

विद्यार्थियों का असेसमेंट करवाने के निर्देश

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा पांच जिलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद विद्यालय खुलते ही विद्यार्थियों का असेसमेंट करवाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

विशेष मामलों में स्थानांतरण पर विचार

जब तक शिक्षा विभाग में स्थानांतरण पर रोक लागू है, तब तक विशेष परिस्थितियों में स्थानांतरण पर विचार किया जाएगा। इनमें कैंसर पीड़ित कर्मचारी, डायलिसिस पर चल रहे रोगी, 100 प्रतिशत नेत्रहीन, गंभीर दिव्यांगता वाले कर्मचारी शामिल हैं।

तहसीलदार ने नामान्तरण खोलने के लिए मांगे पैसे

सीएम तक पहुंचा मामला

सीकर, 10 जून (एजेंसियां)। सरकार के राजस्व से जुड़े मामलों में फरियादियों को राहत देने के लिए भले ही ऑनलाइन व्यवस्था कर दी हो लेकिन मिलीभगत का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब नेछवा तहसील में नामान्तरण खोलने की एवज में पैसे मांगने से जुड़ा मामला सामने आया है। इसमें फरियादी छोटूलाल ने नामान्तरण खुलने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को शिकायत दी है।

शिकायत में नेछवा तहसीलदार अविनाश चौधरी पर पांच लाख रुपए मांगने के आरोप भी लगाए है। सीएम को दी लिखित शिकायत में बताया कि पहले तहसीलदार ने जबरन जमीन खरीदने का दवाब बनाया। इस दौरान उन्होंने 45 लाख रुपए का ऑफर भी दिया। मैने जमीन के भावों के हिसाब से मूल्य कम होने की बात कहते हुए उनका ऑफर ठुकरा दिया और जमीन का बेचान किसी दूसरे को कर दिया।

आरोप है कि इसके बाद जब मैं उनके कार्यालय में जमीन का नामान्तरण खुलवाने के लिए गया था गालिया दी और धमकाया। इसके बाद भी नामान्तरण नहीं खोला। इसके बाद फरियादी ने स्थानीय जनप्रतिनिनिधि, भाजयुमो अध्यक्ष स्वदेश शर्मा सहित अन्य को पूरे मामले के बारे में बताया। इसके बाद भाजपा नेताओं ने इस मामले में सीएम कार्यालय को फोन कर मामले के बारे में बताया। सीएम कार्यालय के आदेश के लगभग चार घंटे बाद फरियादी का नामान्तरण खुला। अब तक तहसीलदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने पर सीएम को लिखित में शिकायत दी है।

साहब...खोखर के नंबर से किया वाट्सएप कॉल

फरियादी छोटूलाल ने सीएम को बताया कि मेरे पास किसी खोखर नाम के व्यक्ति का 15 मई को वाट्सएप कॉल भी आया था। खोखर ने नेछवा तहसीलदार से मेरी बातचीत भी कराई। इस दौरान तहसीलदार ने सड़क के किनारे वाली जमीन को खरीदने का ऑफर भी दिया था।

इस मामले में प्रशासनिक व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। बड़ा सवाल यह है कि जब सीएम कार्यालय से फरियादी का नामान्तरण खुलवाने के लिए उच्चस्तरीय अधिकारियों के पास फोन आया तो मामले की जांच क्यों नहीं कराई गई। यदि मामले की जांच कराई जाती तो शायद फरियादी को सीएम कार्यालय में शिकायत देने नहीं जाना पड़ता।

नेछवा तहसीलदार की पिछले कई दिनों से शिकायत मिल रही थी। इस मामले में सीएम कार्यालय को शिकायत कर फरियादी का पहले नेछवा में नामान्तरण खुलवाया गया। तहसीलदार की कार्यशैली में सुधार नहीं होने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से फरियादी को मिलवाकर शिकायत दी है। मुख्यमंत्री ने जल्द इस मामले की जांच कराकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

किसानों और पशुपालकों को लेकर भाजपा सरकार असंवेदनशील : अशोक गहलोत

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। मंगला पशु बीमा योजना को लेकर कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर हमला किया। अशोक गहलोत ने कहा दिखावा करने के लिए भाजपा गौ भक्त पार्टी बनती है पर असल में इनका चरित्र अलग है। अशोक गहलोत अपने सोशल मीडिया अकांउट X पर लिखा कि राजस्थान के पशुपालक याद कर रहे हैं कि एक तरफ कांग्रेस सरकार थी जिसमें लम्पी से जान गंवाने वाली गायों के पालकों को 40,000 रुपए प्रति गाय दिए थे एवं भविष्य के लिए कामधेनु पशु बीमा योजना शुरू की।

किसी भी पशुपालकों को नहीं मिला योजना का लाभ

अशोक गहलोत ने आगे कहाकि भाजपा सरकार ने इस योजना को बन्द कर मंगला पशु बीमा योजना की घोषणा की। पहले इस योजना की शर्तें ऐसी थीं कि पशुपालकों ने दिलचस्पी नहीं ली। अब कई जिलों में योजना में पंजीकरण के बाद गायों तथा अन्य पशुओं की मृत्यु होने पर भी आज तक किसी भी पशुपालकों को योजना का लाभ नहीं मिला है।

पूरी तरह असंवेदनशील है भाजपा सरकार

अशोक गहलोत ने कहाकि दिखावा करने के लिए भाजपा गौ भक्त पार्टी बनती है पर असल में इनका चरित्र अलग है। यह दिखाता है कि भाजपा सरकार किसानों और पशुपालकों को लेकर पूरी तरह असंवेदनशील है एवं उन्हें कोई लाभ नहीं देना चाहती।

टोंक में बनास नदी में बड़ा हादसा

नहाने गए 11 युवक डूबे, आठ की मौत

टोंक, 10 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले में रविवार दोपहर बनास नदी के पुराने पुल के पास बड़ा हादसा हुआ। जयपुर से घूमने पहुंचे 11 युवक जयपुर से घूमने पहुंचे 11 युवक नहाने के लिए बनास नदी में उतरे, लेकिन तेज बहाव और नदी की गहराई के कारण वे डूबने लगे। इस दर्दनाक हादसे में 8 युवकों की मौत हो गई, जबकि 3 अभी भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गए। मृतकों को तुरंत टोंक के सआदत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने आठों को मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि ये युवक पिकनिक मनाने के लिए आए थे और मस्ती के दौरान नदी में नहाने उतरे थे। तेज बहाव के कारण वे नियंत्रण खो बैठे और नदी में डूब गए। युवकों की अचानक से चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद को दौड़े और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। नदी से आठ युवकों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक वे जीवित नहीं थे।

लापता तीन युवकों को खोजने के लिए स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स की टीम को भी बुलाया गया है। गोताखोर लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हुए हैं। प्रशासन और पुलिस ने घटनास्थल पर भारी सुरक्षा व्यवस्था की है। वहीं सआदत अस्पताल के बाहर मृतकों के परिजन और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा है। मृतकों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

पूर्व में भी हुआ था ऐसा ही हादसा

यह हादसा पिछले साल हुए एक बड़े हादसे की याद दिलाता है, जब मानसून के दौरान भरतपुर में एक तालाब की पाल टूटने से सात बच्चों की मौत हो गई थी। टोंक में हुई इस त्रासदी ने एक बार फिर नदी में नहाने की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन ने नदी के किनारे सुरक्षा उपायों को और कड़ा करने की बात कही है।

फर्जी सिलिकोसिस एक्स-रे मामले में रेडियोग्राफर सहित चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने ऐसे की कार्रवाई

धौलपुर, 10 जून (एजेंसियां)। धौलपुर जिला मुख्यालय स्थित सामान्य चिकित्सालय में सिलिकोसिस के फर्जी एक्स-रे अपलोड करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में चिकित्सालय का वरिष्ठ रेडियोग्राफर सुरेन्द्र सिंह त्यागी भी शामिल है। पुलिस जांच में सामने आया है कि ई-मित्र संचालक रामबृज कुशवाह द्वारा एक्सरे मशीन से फर्जी एक्स-रे कर सुरेन्द्र त्यागी की एसएसआई आईडी का उपयोग करते हुए सिलिकोसिस पोर्टल पर 106 फर्जी रिकॉर्ड अपलोड किए गए। पुलिस के अनुसार, इस फर्जीवाड़े के तहत प्रति केस 20-20 हजार रुपये की डील तय हुई थी, जिसमें दलाल और रेडियोग्राफर को हिस्सेदारी दी जाती थी। थाना प्रभारी हरिनारायण मीणा ने बताया कि इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें रामबृज कुशवाह पुत्र

रामनाथ कुशवाह (32), निवासी करीमपुर का पुरा, थाना सैंपऊ सकूर खान पुत्र रहीम खान रंगरेजा (29), निवासी कुम्हेरी, थाना सैंपऊ, सौरभ पुत्र सुनहेरी जाटव (25), निवासी पुरैनी, थाना सैंपऊ, सुरेन्द्र सिंह त्यागी पुत्र बाबूलाल त्यागी (50), निवासी पिपहेरा, थाना कौलारी शामिल हैं।

श्रीगंगानगर देशभर में सबसे गर्म, आसमान से बरसे अंगारे, अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में हीटवेव के चलते श्रीगंगानगर बीते देशभर में सर्वाधिक गर्म रहा। प्रदेश के छह जिलों में भी आसमान से बरसती आग के कारण दिन का तापमान 45 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया। भीषण लू चलने के कारण शहरों में दिन में मानों अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात बने हुए हैं और शहरों में दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है। कोटा में पिछले 24 घंटे में लू के कारण दो लोगों की मौत होने हो गई।मौसम विभाग ने 12 जून तक प्रदेश के 5 शहरों में भीषण हीटवेव जारी रहने और अधिकतम तापमान में रिकॉर्ड बढ़ोतरी होने की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग की सूचना के अनुसार श्रीगंगानगर में वर्ष एक जून 2018 को अधिकतम तापमान 49.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं वर्ष 2019 में भी शहर का अधिकतम तापमान 49.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो चुका है। बीते चार साल में दूसरी बार 8 जून को शहर का अधिकतम तापमान सर्वाधिक 47.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं भी जिले का अधिकतम तापमान 47.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार श्रीगंगानगर के अलावा बीकानेर 45.8, चूरू 45.6, फलोदी 45.2, जैसलमेर 45.3 और कोटा में 45.4 डिग्री सेल्सियस अधिकतम रिकॉर्ड किया गया। दिन में आसमान साफ रहने और धूप की झुलसाती तपिश से लोग बेहाल रहे और दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। सूर्यास्त के बाद भी गर्म हवा के थपेड़ों से लोग परेशान रहे।

अब तक 254 कोरोना वायरस केस, दिशा-निर्देश जारी

भरतपुर, 10 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सहित देश के कुछ हिस्सों में एक बार फिर कोरोनावायरस और श्वसन संबंधी बीमारी के मामलों में हल्की वृद्धि देखी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस पर संज्ञान लेते हुए सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय के अनुसार अभी तक सामने आए अधिकतर मामले हल्के लक्षण वाले हैं। केन्द्र सरकार का दावा है कि इसमें चिंता की विशेष बात नहीं है, लेकिन एहतियात बरतना जरूरी है।

राजस्थान में जारी किए गए दिशा-निर्देश

स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश के बाद निदेशक (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं जयपुर ने सभी प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक मेडिकल कॉलेज तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को श्वसन रोग/कोविड-19 के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में रोगों के संबंध में अस्पतालों में मॉकड्रिल एवं तैयारियों की समीक्षा करने की बात कही है।

सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और स्वास्थ्य अधिकारियों को लिखे पत्र

केन्द्र स्तर से सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और स्वास्थ्य अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा है कि वर्तमान में देशभर में 1621 से ज्यादा सक्रिय कोविड-19 के मामले हैं। इनमें से ज्यादातर मामले केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों से हैं। वर्तमान में जो ओमिक्रॉन वेरिएंट सक्रिय हैं, उनमें जेएन-1, एक्सएफजी और एलएफ-7-9 शामिल हैं। ये वेरिएंट सामान्यतः बुखार, खांसी और गले में खराश जैसे हल्के लक्षण वाले हैं, जो कुछ ही दिनों में स्वतः ठीक हो जाते हैं। केन्द्र सरकार ने दोहराया है कि यह कोई घबराने की स्थिति नहीं है, बल्कि समय रहते तैयारी और सावधानी बरतना जरूरी है।

यह जारी किए निर्देश

1- अस्पतालों में तैयारियों की समीक्षा की जाए। विशेषकर ऑक्सीजन, दवाएं, पीपीई किट, आइसोलेशन बेड और आईसीयू की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश हैं।

2- एसएआरआई (गंभीर श्वसन संक्रमण) और आईएलआई (इन्लुएंजा जैसी बीमारी) मामलों की सैंपलिंग की जाए।

3- पॉजिटिव पाए गए मामलों के नमूने जीनोम अनुक्रमण के लिए क्षेत्रीय लैब्स में भेजे जाएं।

4- जिलों में ट्रेंड पर नजर रखने के लिए आईडीएसपी के तहत निगरानी यूनिट सक्रिय रहें।

5- कोविड से जुड़ा हर डेटा नियमित रूप से आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड किया जाए।

आमजन से यह आह्वान

1- आमजन में हाथ धोने, खांसी-छीक के शिष्टाचार और सार्वजनिक जगहों पर थूकने से परहेज जैसी स्वच्छता आदतों को बढ़ावा दिया जाए।

2- बुजुर्गों, पहले से बीमार लोगों और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचने की सलाह दी जाए।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों से मिले पीएम मोदी सदस्यों ने साझा किए विदेश दौरों के अनुभव

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम उन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की, जिन्होंने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए दुनिया के कई देशों की राजधानियों का दौरा किया। यह दौरे ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए थे।

इन प्रतिनिधिमंडलों ने अपने दौरों का अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किया। केंद्र सरकार पहले ही इन सात प्रतिनिधिमंडलों के काम की सराहना कर चुकी है। इन प्रतिनिधिमंडलों में 50 से अधिक लोग शामिल थे, जिनमें ज्यादातर मौजूदा सांसद थे। इन प्रतिनिधिमंडलों में पूर्व सांसद और पूर्व राजनयिक भी शामिल थे। इन दलों ने 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ के मुख्यालय का दौरा किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहले ही इन प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की है और उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को प्रभावी तरीके से दुनिया के सामने रखने के लिए उनकी सराहना की है।

चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने किया, जिनमें दो बीजेपी के, एक जेडीयू के और एक शिवसेना के सांसद शामिल थे। वहीं तीन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व विपक्षी सांसदों ने किया, जिनमें एक-एक कांग्रेस, द्रमुक और राकांपा (शरदचंद्र पवार) से थे। भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, कांग्रेस के शशि थरूर, जेडीयू के संजय झा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, द्रमुक की कनिमोई और राकांपा (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया।

सरकार ने इन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को यह संदेश देने के लिए भेजा था कि आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट है। इस अभियान में कांग्रेस सांसद शशि थरूर और एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता भी शामिल हुए और उन्होंने मिलकर भारत का पक्ष विदेश में रखा। प्रतिनिधिमंडलों में शामिल प्रमुख पूर्व सांसदों में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद और सलमान खुर्शीद भी थे।

22 अप्रैल को हुआ था पहलगाम आतंकी हमला :

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला हुआ था। जिसमें 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे। इन लोगों की हत्या करने से पहले आतंकवादियों ने इनकी धर्म की पहचान की थी। इस घटना के करीब दो हफ्ते बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

इस सैन्य अभियान के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इन हमलों में सैकड़ों आतंकवादी मारे गए। इसके बाद आतंकवादियों के बचाव में उतरी पाकिस्तानी सेना ने भारत पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले की कोशिश की, लेकिन भारत की एस-400 और आकाशतीर जैसी रक्षा प्रणालियों ने इन्हें आसमान में खाक कर दिया। यही नहीं, भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दस से ज्यादा एयरबेस को भी ध्वस्त किया। इसके बाद पाकिस्तान के सैन्य महानिदेशक (डीजीएमओ) के आग्रह पर युद्धविराम पर सहमति बनी।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया। इसके तहत कई सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को दुनिया के विभिन्न देशों में भेजा गया, ताकि वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान को बेनकाब किया जा सके। इनमें भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था। इस प्रतिनिधिमंडल ने कई यूरोपीय देशों की यात्रा की और यूरोपीय साझेदारों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से यात्रा के बाद भारत लौटा। इस प्रतिनिधिंडल ने फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, ब्रसेल्स और जर्मनी का दौरा किया।

पीएनबी के एमडी का हैदराबाद दौरा आज

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अशोक चंद्र का 11 जून को हैदराबाद अंचल का दौरा हो रहा है। बैंक द्वारा बताया गया है कि अशोक चंद्र हैदराबाद आगमन के प्रथम चरण में तेलंगाना राज्य के स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और एमएसएमई के लिए प्रजा भवन, बेगमपेट में बैंक द्वारा आयोजित एक समर्पित लोकसंपर्क (आउटरीच) कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। एमडी के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत की गई है ताकि बैंक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और एमएसएमई उद्यमियों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ अपना जुड़ाव प्रदर्शित कर सके। इस अवसर पर एसएचजी के आयोजन में कुल 300 एसएचजी समूह सदस्य तथा 200 एमएसएमई उद्यमियों की उपस्थिति रहेगी। साथ ही, बैंक ऋण से लाभान्वित एमएसएमई तथा एसएचजी उद्यमियों द्वारा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे चरण में दिव्यांग जनों एवं दृष्टिबाधित लोगों के प्रति समर्पित संस्था को सीएसआर सहायता भी प्रदान की जाएगी। अशोक चंद्र द्वारा स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित सभा को भी संबोधित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पंजाब नैशनल बैंक अपनी 10,000 से अधिक शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के साथ देश का सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक है, जो तेलंगाना के सभी 33 जिला मुख्यालयों और प्रमुख शहरों में 140 से अधिक शाखाओं के साथ ग्राहकों को बेहतर सेवा देने हेतु प्रतिबद्ध है।

इंजीनियरिंग काउंसलिंग जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू होगी : बालकिष्टा रेड्डी

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) के अध्यक्ष वी. बालकिष्टा रेड्डी ने कहा कि इंजीनियरिंग काउंसलिंग जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू होगी और काउंसलिंग प्रक्रिया 14 अगस्त तक पूरी हो जाएगी। मंगलवार को यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि कुछ शिक्षण संस्थान बिना अनुमति के चल रहे हैं और टीजीसीएचई ने पाया है कि छात्र बिना जानकारी के इन संस्थानों में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, इन संस्थानों को नोटिस जारी किए गए हैं और उन्हें तुरंत नोटिस का जवाब देने के लिए कहा गया है। बालकिष्टा रेड्डी ने कहा, संस्थानों का कहना है कि उन्होंने डीम्ड यूनिवर्सिटी के साथ समझौता किया है और छात्रों से फीस वसूली जा रही है। हालांकि, डीम्ड यूनिवर्सिटी का मामला अदालत के अधिकार क्षेत्र में है। उन्होंने आगे कहा कि बी श्रेणी की सीटों का मुद्दा अभी स्पष्ट नहीं हुआ है और टीजीसीएचई ने बी श्रेणी की सीटों के आवंटन के संबंध में राज्य सरकार को एक पत्र लिखा है।

अग्निवीर की पासिंग आउट परेड पूरी सैन्य शालीनता के साथ आयोजित

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्निवीर बैच-05/24 की पासिंग आउट परेड 1 ईएमई सेंटर, सिकंदराबाद में पूरी सैन्य शालीनता और पारंपरिक राजसी पोशाक के साथ आयोजित की गई। कुल 1,024 अग्निवीरों ने सफलतापूर्वक अपना बेसिक और एडवांस मिलिट्री ट्रेनिंग पूरी की, जिसके साथ ही उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियर्स (ईएमई) कोर में औपचारिक रूप से शामिल कर लिया गया। परेड की समीक्षा 1 ईएमई सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर प्रशांत बाजपेयी ने की।

नए शामिल अग्निवीरों को संबोधित करते हुए कमांडेंट ने कठोर प्रशिक्षण प्रक्रिया के दौरान उनके समर्पण, लचीलेपन और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने उनसे सशस्त्र बलों की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता को बनाए रखते हुए, अटूट ईमानदारी के साथ राष्ट्र की सेवा करने का आग्रह किया।

असाधारण प्रदर्शन के सम्मान में, उत्कृष्ट अग्निवीरों को कमांडेंट द्वारा पदकों से सम्मानित किया गया। एवी विष्णु सोनी को ड्रिल/परेड कमांडर में सर्वश्रेष्ठ चुना गया, जबकि एवी पृथ्वीजीत कुमार को समग्र सर्वश्रेष्ठ अग्निवीर से सम्मानित किया गया। ईएमई कोर के अग्निवीरों को तकनीकी विशेषज्ञों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, जो परिचालन तत्परता के लिए महत्वपूर्ण परिष्कृत सैन्य उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला को संचालित करने और बनाए रखने के लिए उन्नत कौशल से लैस हैं। यह मील का पत्थर कार्यक्रम समकालीन युद्धक्षेत्र आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी रूप से कुशल और मिशन के लिए तैयार सैनिकों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना की चल रही प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विज्ञान सहयोग वैश्विक एकजुटता की कुंजी : धर्मेंद्र प्रधान

संगारेड्डी, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग के माध्यम से विश्व बंधुत्व (वैश्विक एकजुटता) हासिल किया जा सकता है। वे युवा वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विज्नरीज़ का संगम: वैश्विक परिवर्तन के लिए विज्ञान को सशक्त बनाना को संबोधित कर रहे थे, जिसका आयोजन ग्लोबल यंग एकेडमी (जीवाईए), इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंस (आईएनवाईएएस), इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-हैदराबाद (आईआईटी-एच) द्वारा यहां कंडी स्थित आईआईटी-एच परिसर में किया जा रहा है।

8 से 14 जून तक चलने वाले इस सप्ताह भर के कार्यक्रम में 60 देशों के 135 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि और 65 राष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिससे वास्तव में विविधतापूर्ण और समावेशी मंच की स्थापना हुई है। इसमें जीवाईए की वार्षिक आम बैठक भी शामिल है, जो वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में उभरते नेताओं के बीच गहन संवाद और रणनीतिक जुड़ाव को सुगम बनाती है।

मंगलवार को दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए प्रधान ने कहा कि भारत वैश्विक ज्ञान आंदोलन में सबसे आगे है, जिसकी शिक्षा प्रणाली लचीली होने के साथ-साथ सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित है।

उन्होंने इस यात्रा के महत्वपूर्ण घटकों के रूप में अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा और प्रतिभा के आदान-प्रदान पर प्रकाश डाला। अंत में, उन्होंने विज्ञान को पुनर्जीवित करने वाला और विकसित भारत के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग बताया, जहां आर्थिक ताकत वैज्ञानिक उत्कृष्टता द्वारा पूरित होती है। आईएनएसए के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष शर्मा ने भी संबोधित किया।

पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी), वैश्विक कल्याण के लिए स्वास्थ्य और पोषण, उद्योग 5.0: मानव-मशीन इंटरफेस को बढ़ाना, और वैश्विक परिदृश्य में नवाचार और उद्यमिता पर चर्चा और विषयगत सत्र आयोजित किए गए। जीवाईए के सह-अध्यक्ष येंसी फ्लोरेस बुएसो, आईआईटी-एच में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. बीवीआर मोहन रेड्डी, आईआईटी-एच के निदेशक प्रो. बीएस मूर्ति और अन्य लोग मौजूद थे।

बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग आदित्य ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए बिजनेस मीट का आयोजन किया। यह बैठक भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

यह बैठक होटल इलायची, मिनिस्टर रोड सिकंदराबाद में आयोजित की गई थी और इस बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदावा थे। अध्यक्ष सुजाता नांबियार के साथ सलाहकार विनोद कुमार, सुदेश पाटिल, श्रीकांत रियानी, पंकज वर्मा, सुभाष हरल, अनामिका पाटिल जैसे अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाया। बैठक संस्थापक गीतेश काटे के नेतृत्व में हुई।

गौशाला श्री पंचायती अखाड़ा में गौमाता सेवा पर्व व गौपुत्र हनुमान जन्मोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गौशाला श्री पंचायती अखाड़ा, पुराना पुल में गौमाता सेवा पर्व एवं गौपुत्र हनुमान जन्मोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूज्य गुरुजी महंत योगी प्रशांत दास महाराज के दिव्य सान्निध्य में सभी श्रद्धालुओं ने गौमाता के अमृतमयी दूध का ऋण चुकाने का पवित्र संकल्प लिया। वह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि धर्म, सेवा और कृतज्ञता का उत्सव था श्रद्धा, सेवा और प्रेमपूर्वक, गौपुत्र हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर पूज्य गुरुजी महंत योगी प्रशांत दास महाराज ने कहा कि गौमाता की सेवा करने वाले व्यक्ति के पास लक्ष्मी जी का वास होता है। गौमाता के बिना जीवन की कल्पना नहीं की सकती है। इस अवसर पर श्रीराधा-कृष्ण अभिषेक, महाकीर्तन, गौमाता की महाआरती, महाभोज प्रसादी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में दीपाली अग्रवाल, बर्खा अग्रवाल, पूनम चंद, घनश्याम, हीरा लाल, मनोज शर्मा, शुभम सुगंध, अभिषेक, हेमंत, गोविंद, शांति, सरोज, सुगंध, उदय सोनी, एकता, कोमल, निशा, पूजा, नीतू, कंचन शर्मा, कंचन मौसून, शिल्पा, शक्ति, रेखा, आशा, अंजू, चाँदनी, कोमल अग्रवाल, छाया, राधिका, सरिता, एषा, मीना, अन्नू आदि सभी गौसेवक भाइयों एवं बहनों ने भाग लिया। सभी के प्रेम, स्नेह और योगदान से यह धर्मयज्ञ सफल हुआ।

जामबाग के पार्षद राकेश जयसवाल ने नामपल्ली में अपने डिवीजन के लाभार्थियों को कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक चेक प्रदान किया। अवसर पर विश्वेश्वर राव सहित बडी संख्या में लाभार्थी भी उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा द्वारा लोनावाला भ्रमण कार्यक्रम

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा के द्वारा इस वर्ष सावन की सैर कार्यक्रम के अंतर्गत तीन रात-चार दिनों का लोनावाला भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

वर्ष 2023-25 और 25-27 के पदाधिकारीयो की शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर में संपन्न विचार-विमर्श और निर्णय के उपरांत सुनिश्चित किए गए इस कार्यक्रम में शाखा के सदस्य और परिजन 1 अगस्त की रात्रि हैदराबाद से रवाना होकर 4 अगस्त की प्रातः वापस हैदराबाद पहुंचेंगे। इस भ्रमण कार्यक्रम के संयोजक रोशन लाल मित्तल के अनुसार शाखा के गठन के पश्चात पहली बार सावन की सैर का कार्यक्रम शहर से बाहर अन्य शहर में सदस्यों की सदैव रुचि को ध्यान में रख कर रखा गया है। इस कार्यक्रम में लोनावाला के प्रसिद्ध नारायणी धाम मंदिर, विख्यात मोम संग्रहालय के साथ ही लोनावाला के मधुर मौसम का आनंद लिया जा सकेगा। अब तक 35 सदस्यों ने उक्त भ्रमण कार्यक्रम में अपना पंजीकृत कराया है। शाखा के सभी उपस्थित पदाधिकारीयों ने ट्रेन की टिकट और ठहरने हेतु स्थान की सीमितता को ध्यान में रखते हुए शाखा के सदस्यों को पहले आओ के आधार पर शीघ्र इस भ्रमण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण करवाने का अनुरोध किया है। इस अवसर पर अनिल गर्ग, रोशनलाल मित्तल, डॉ. दिलीप पंसारी, विजय कुंछल, प्रतीक अग्रवाल और रश्मि अग्रवाल उपस्थित थे।

नए ई-पीओएस अपडेट से पीडीएस चावल की आपूर्ति धीमी

लाभार्थियों को लंबी कतारों का करना पड़ रहा है सामना

करीमनगर, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ई-पीओएस एप्लीकेशन में हाल ही में किए गए बदलाव के कारण राशन कार्डधारकों को चावल वितरण में देरी हो रही है, जिससे लाभार्थियों को जिले भर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। मौजूदा योजना के तहत, राज्य और केंद्र सरकार दोनों के योगदान से प्रति व्यक्ति छह किलोग्राम चावल मुफ़्त दिया जा रहा है। इससे पहले, कार्डधारक का विवरण ई-पीओएस मशीन में अपलोड होने के बाद पूरा चावल कोटा एक बार में स्वीकृत हो जाता था। ई-पीओएस एप्लीकेशन में हाल ही में हुए बदलावों के कारण, राज्य और केंद्र के कोटे को अब अलग-अलग मंज़ूरी दी जा रही है। इससे प्रक्रिया में काफ़ी कमी आई है। राशन डीलरों को अब प्रत्येक कोटे के लिए अलग-अलग विवरण अपलोड करना होगा, जिससे प्रत्येक परिवार के लिए दो अलग-अलग मंज़ूरी की आवश्यकता होगी।

उदाहरण के लिए, चार लोगों के एक परिवार को 24 किलो चावल मिलना चाहिए, लेकिन पहले उन्हें एक ही बार में पूरा चावल मिल जाता था। अब, राज्य और केंद्र के कोटे अलग-अलग संसाधित होने के कारण, 20 किलो और 4 किलो कोटा अलग-अलग संसाधित किया जाता है। नतीजतन, कार्डधारकों को एक महीने के कोटे के लिए दो बार अंगूठे का निशान देना पड़ता है। इस महीने के वितरण में तीन महीने का अग्रिम कोटा शामिल है, इसलिए प्रत्येक लाभार्थी का विवरण प्रत्येक महीने के लिए अलग-अलग अपलोड किया जाना चाहिए, कुल छह बार, और प्रत्येक लेनदेन के लिए अंगूठे का निशान प्रदान किया जाना चाहिए। यह दोहराव वाली प्रक्रिया बड़ी देरी का कारण बन रही है। इससे भी बदतर यह है कि सर्वर की समस्याएं समस्या को और बढ़ा रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप लंबी कतारें लग रही हैं और कार्डधारकों में निराशा है।

एक राशन डीलर ने बताया कि चावल लेने के लिए पूरा महीना होने के बावजूद, कई लाभार्थी संभावित कमी के डर से दुकानों की ओर भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोगों को इस बात का पता नहीं है कि वे महीने के दौरान कभी भी अपना कोटा भागों में एकत्र कर सकते हैं। यह घबराहट अनावश्यक भीड़ और सिस्टम पर दबाव पैदा कर रही है।

तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग ने दूसरे दिन भी सुनवाई जारी रखीं

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद तेलंगाना पिछड़ा वर्ग सूची से छूटी हुई 26 जातियों को शामिल करने के लिए दूसरे दिन सुबह 11 बजे से शाम 5:00 बजे तक जन सुनवाई की। सुनवाई में पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन, सदस्य श्री रापोलू जयप्रकाश, तिरुमलगिरी सुरेंदर, बाला लक्ष्मी रंगू, उप निदेशक यू. श्रीनिवास राव, विशेष अधिकारी जी. सतीश कुमार और अनुसंधान अधिकारी जी. लक्ष्मीनारायण उपस्थित थे। सुनवाई के दौरान आयोग ने 56 अभ्यावेदनों की जांच की। गवारा, तुरपुकापु (गजुलकापु), सेट्टीबलिजा, नागवमसम और कोप्पुलावेलामा के प्रतिनिधि आयोग के समक्ष उपस्थित हुए और अनुरोध किया कि उनकी जातियों को तेलंगाना पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल किया जाए। इस अवसर पर सेट्टी बलिजा जाति की ओर से आंध्र प्रदेश के राज्यसभा सांसद श्री पाका वेंकट सत्यनारायण और आंध्र प्रदेश के श्रम मंत्री श्री वासमसेट्टी सुभाष ने बात की। वहीं, तेलंगाना बीसी 'ए' समूह से संबंधित विभिन्न जातियों के प्रतिनिधियों ने आयोग से अपील की कि हटाई गई 26 जातियों को सूची में शामिल न किया जाए। आयोग कार्यालय में कल भी जनसुनवाई जारी रहेगी।

ज्वार खरीद के लिए किसानों ने की तत्काल भुगतान की मांग

आदिलाबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार द्वारा खरीदे गए ज्वार के भुगतान में देरी का आरोप लगाते हुए किसानों ने मंगलवार को बाजारहाथनूर मंडल केंद्र में तहसीलदार कार्यालय के सामने धरना दिया और बकाया राशि का तत्काल भुगतान करने की मांग की। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि राज्य सरकार ने कई महीने पहले उनसे ज्वार खरीदा था, लेकिन अभी तक उसका भुगतान नहीं किया है।

उन्होंने देरी पर गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि देश को भोजन देने वालों को असुविधा पहुंचाना अन्याय है। सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए उन्होंने लंबित बकाया भुगतान के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि देरी ने आगामी वनकालम कृषि सत्र के लिए उनकी तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे उन्हें बीज और उर्वरक खरीदने के लिए निजी साहूकारों से उच्च ब्याज दरों पर उधार लेना पड़ रहा है। किसानों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की भी आलोचना की, जिन्होंने वादा किया था कि 15,000 रुपये प्रति एकड़ की बढ़ी हुई रैतु भरोसा फसल निवेश सहायता जारी नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने इस महत्वपूर्ण आश्वासन को पूरा करने में विफल होकर उन्हें धोखा दिया है। यदि सरकार ने उनकी दुर्दशा की अनदेखी जारी रखी तो तीव्र विरोध प्रदर्शन की चेतावनी देते हुए किसानों ने राजस्व अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपकर उनकी समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

धोनी आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में शामिल

ये उपलब्धि पाने वाले 11वें भारतीय; बोले- मेरे लिए गर्व की बात

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। आईसीसी ने इसकी घोषणा की।

धोनी यह सम्मान पाने वाले 11वें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। आईसीसी ने धोनी के करियर को लेकर कहा, ₹17,266 इंटरनेशनल रन, 829 शिकार और 538 मैच... ये आंकड़े सिर्फ उनकी प्रतिभा ही नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता, फिटनेस और लंबे करियर का प्रमाण हैं।

वहीं, धोनी ने इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में नाम आना एक बहुत बड़ा सम्मान है। दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम देखना मेरे लिए गर्व की बात है। यह पल मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।₹

5 पुरुष और 2 महिला क्रिकेटर लिस्ट में शामिल

ICC की ओर से हॉल ऑफ फेम 2025 की लिस्ट में कुल 7 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इनमें 5 पुरुष और 2 महिला खिलाड़ी हैं। पुरुष खिलाड़ियों में दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला,

भारत के महेंद्र सिंह धोनी, ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन, दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ और न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी शामिल हैं।

वहीं, महिला क्रिकेटरों में पाकिस्तान की सना मीर और इंग्लैंड की सारा टेलर को यह सम्मान मिला है।

आईसीसी बोला- मुश्किल परिस्थिति में कप्तान बने, टीम को जिताया

आईसीसी ने बताया कि 2007 में जब भारत ओडीआई वर्ल्ड कप में जल्दी बाहर हो गया था, तब मुश्किल परिस्थिति में T20 वर्ल्ड कप के लिए धोनी को कप्तान बनाया गया। उस युवा टीम में रोहित शर्मा, आरपी सिंह, दिनेश कार्तिक और रॉबिन उथप्पा जैसे नए चेहरे थे। धोनी ने इन खिलाड़ियों के साथ ऐसा आत्मविश्वास दिखाया कि भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता।

जय शाह ने बधाई दी

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि हॉल ऑफ फेम के जरिए हम उन खिलाड़ियों को सम्मान देते हैं जिन्होंने शानदार खेल दिखाकर क्रिकेट को खास बनाया और नई पीढ़ियों को प्रेरित किया।

जय शाह ने कहा, ₹इस साल हमें 7 बेहतरीन खिलाड़ियों को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल करने का मौका मिला है। मैं आईसीसी की तरफ से सभी को दिल से बधाई देता हूं। उम्मीद है यह सम्मान उनके लिए एक यादगार पल होगा।₹

तीनों आईसीसी ट्रॉफी जिताने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान

धोनी अब तक के एकमात्र भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने भारत को तीनों आईसीसी ट्रॉफी – 2007 टी20 वर्ल्ड कप, 2011 ओडीआई वर्ल्ड कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जिताई हैं। उनके नेतृत्व में भारत टेस्ट में भी नंबर-1 टीम बना। हालांकि उन्होंने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन आईपीएल में अब भी खेल रहे हैं।

ना गिल, ना करुण नायर, दिग्गज क्रिकेटर पनेसर ने कहा

सुदर्शन टेस्ट में विराट कोहली का 'परफेक्ट' रिप्लेसमेंट

खेल डेस्क, 10 जून (एजेंसियां)। जब से दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है, तब से ही टीम इंडिया में उनके रिप्लेसमेंट को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस मुद्दे पर अब इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने भी अपनी राय रखी है और उस खिलाड़ी का नाम बताया है तो जो टेस्ट में विराट की जगह ले सकता है।

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद भारत की टेस्ट बल्लेबाजी में एक बड़ा अंतर पैदा हो गया है। विराट लंबे समय से भारत के लिए टेस्ट में नंबर चार पर बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन अब टीम को उनका रिप्लेसमेंट तैयार करना होगा। कई क्रिकेट स्पेशलिस्ट का मानना है कि क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में उनकी जगह लेने के लिए भारतीय कप्तान शुभमन गिल बेस्ट रहेंगे, जबकि कुछ लोगों ने केएल राहुल का भी नाम सुझाया है। हालांकि इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर का मानना है कि विराट की जगह लेने के लिए साई सुदर्शन बेस्ट रहेंगे।

पनेसर ने सुदर्शन को भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार बताया है और कहा है कि वह नंबर चार पर विराट की भूमिका निभाएंगे। पनेसर ने 'इनसाइडस्पोर्ट' से कहा, 'इस समय टीम में कुछ अच्छे युवा खिलाड़ी हैं। एक खास बल्लेबाज सरे का खिलाड़ी साई सुदर्शन भी है। वह बहुत आक्रामक और निडर दिखता है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसने इंग्लिश परिस्थितियों में और सरे के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि वह भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार हो सकता है और नंबर चार पर विराट कोहली की भूमिका निभा सकता है। मैं विराट की विरासत को आगे बढ़ते देखना चाहता हूं। जिस तरह से उन्होंने टेस्ट क्रिकेट खेला, मैं युवा भारतीय टेस्ट खिलाड़ियों को भी वैसा ही खेलते देखना चाहता हूं।'

सरे के लिए खेल चुके हैं सुदर्शन

बता दें कि सुदर्शन ने 2023 में काउंटी टीम सरे के लिए खेला था और एलेक्स स्टीवर्ट से अपनी कैप हासिल की थी। इससे पहले भारत के नए कप्तान गिल ने संकेत दिया था कि टीम मैनेजमेंट 13 जून से शुरू होने वाले भारत के इंट्रा-स्क्वाड मैच के बाद बैटिंग ऑर्डर पर फैसला लेगा। उन्होंने कहा, 'हमने अभी तक इस पर फैसला नहीं किया है। हमारे पास अभी भी कुछ समय है। हम इंट्रा स्क्वाड मैच खेलेंगे और लंदन में 10 दिवसीय कैंप लगाएंगे। इसलिए हमारे पास अभी भी थोड़ा समय है। मुझे लगता है कि हम वहां जाने के बाद बैटिंग ऑर्डर पर फैसला कर सकते हैं।'

पैट कमिंस ने कर दी बड़ी मांग

बदलाव चाहते हैं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

मेलबोर्न, 10 जून (एजेंसियां)। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मुकाबला इस बार ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच में होने वाला है। ये मुकाबला 11 जून से इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया दूसरी बार इस खिताब पर कब्जा करना चाहेगी। वहीं फाइनल मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने बड़े बदलाव की बात कही है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के वेन्यू को लेकर पैट कमिंस का बड़ा बयान सामने आया है।

कमिंस ने इस बदलाव की कही बात

रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के वेन्यू को लेकर कहा "जो टीम पिछले चक्र की विजेता हो, उसको अगले सत्र का फाइनल होस्ट करनी जिम्मेदारी मिलनी चाहिए। हालांकि ये भी अच्छा है कि हर चक्र का फाइनल लॉर्ड्स में होता है ये काफी अच्छा मैदान है और

ऐसा लग रहा है कि एक ही वेन्यू पर खेलना आसान काम है।"

टेस्ट क्रिकेट में दोनों टीमों के आंकड़े

टेस्ट फॉर्मेट में अभी तक ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच 123 मैच खेले जा चुके हैं। जिनमें से ऑस्ट्रेलिया ने 54 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि साउथ अफ्रीका को महज 26 मैचों में ही जीत मिली है। इसके अलावा 21 मैच ड्रॉ हुए हैं। हालांकि पिछले 10 सालों से साउथ अफ्रीका का ऑस्ट्रेलिया पर पलड़ा भारी रहा है। साल 2015 से अभी तक दोनों टीमों के बीच 10 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से 5 मैचों में अफ्रीका और 4 में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी है।

वहीं टेम्बा बावुमा का कप्तानी में साउथ अफ्रीका लगातार कमाल का प्रदर्शन कर रही है। बावुमा की कप्तानी में अभी तक साउथ अफ्रीका एक भी टेस्ट मैच नहीं हारी है, ऐसे में अब साउथ अफ्रीका की नजरें पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के खिताब पर होगी।

भारत के सुमित नागल एटीपी चैलेंजर सर्किट के पहले ही दौर में हारे

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। भारत के स्टार एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल का खराब प्रदर्शन जारी है और उन्हें एटीपी चैलेंजर सर्किट टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा है। छठी वरीयता प्राप्त नागल को इस क्ले कोर्ट प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में फ्रांस के गैरवरीय खिलाड़ी ज्योफ्रे ब्लैंकेनॉक्स के खिलाफ 4-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। नागल पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में एक ब्रेक से पिछड़ रहे थे जब उन्होंने आठवें गेम में विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर स्कोर बराबर किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में खींचने की उम्मीद जगाई। ब्लैंकेनॉक्स और नागल को अपनी सर्विस बचाने में संघर्ष करना पड़ा और दूसरे सेट का फैसला टाईब्रेकर के जरिए हुआ जिसमें स्थानीय खिलाड़ी ने बाजी मारी। यह 2025 सत्र में चैलेंजर सर्किट पर नागल की छठी बार पहले दौर में हार थी। उन्होंने सत्र की शुरुआत शीर्ष 100 में की थी लेकिन अब उनकी रैंकिंग गिरकर 170 पर आ गई है।

इंडिया ए-इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा अनऑफिशियल ड्रॉ

कोटियन-कम्बोज की फिफ्टी, 8वें विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप की

लंदन, 10 जून (एजेंसियां)। इंडिया-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट ड्रॉ हो गया। इंडिया-ए ने अपनी दूसरी पारी में 400 रन का आंकड़ा पार कर लिया। तनुष कोटियन और अंशुल कम्बोज ने फिफ्टी लगाई। दोनों ने 149 रन की पार्टनरशिप की और दूसरा सेशन खत्म होने तक स्कोर 7 विकेट के नुकसान पर 417 रन तक पहुंचा दिया।

तीसरे सेशन में इंडिया-ए ने अपनी पारी डिक्लेयर कर दी, इस तरह इंग्लैंड लायंस को 439 रन का टारगेट मिला हालांकि मैच का आखिरी दिन था।

सभी खिलाड़ियों ने रन बनाए

नॉर्थैम्प्टनशायर में इंडिया-ए ने चौथे दिन 163/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ध्रुव जुरेल और नीतीश कुमार रेड्डी ने पारी संभाली और स्कोर 200 के पार पहुंचाया। जुरेल 28 और रेड्डी 42 रन बनाकर आउट हो गए।

शार्दूल ठाकुर ने फिर 3 चौके और 2 चौके लगाकर 34 रन बनाए और स्कोर 300 के करीब ले गए।

इंडिया-ए ने 268 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से तनुष कोटियन और अंशुल कम्बोज ने दूसरा सेशन खत्म होने तक कोई और विकेट नहीं गिरने दिया। कोटियन 90 और कम्बोज 51 रन बनाकर नॉटआउट रहे, दोनों के बीच 149 रन की पार्टनरशिप भी हो गई।

जॉर्ज हिल को 3 विकेट

इंग्लैंड लायंस के जॉर्ज हिल ने 3 विकेट लिए। क्रिस वोक्स और एडवर्ड जैक को 2-2 विकेट मिले। इंडिया-ए ने 438 रन की बढ़त बनाई। पहली पारी में टीम ने 348 रन बनाए थे, वहीं इंग्लैंड लायंस 327 रन ही बना सकी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दोहराई गलती, पेनल्टी कॉर्नर बना कमजोरी

नीदरलैंड से मिली लगातार दूसरी हार

खेल डेस्क, 10 जून (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग के मुकाबले में नीदरलैंड से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले शनिवार को भी भारतीय टीम को नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम के लिए पेनल्टी कॉर्नर एक बार फिर कमजोरी बना। भारतीय टीम इस मैच में नौ पेनल्टी कॉर्नर में से महज एक गोल में बदल सकी। सात जून को पहले मैच में बढत बनाने के बावजूद 1-2 से हारी भारतीय टीम दूसरे मैच में भी उन्हीं गलतियों को दोहराती दिखी। भारत को पूरे मैच में नौ पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से सिर्फ एक पर जुगराज सिंह ने 54वें मिनट में गोल किया। भारत के लिए पहला गोल अभिषेक ने 20वें मिनट में किया था। नीदरलैंड के लिए थीज वैन डैम ने 24वें मिनट में, टी होडेमेकर्स ने 33वें और यिप यानसेन ने 57वें मिनट में गोल दागे। एफआईएच प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में आठ मैचों में 15 अंक लेकर भारत तीसरे स्थान पर है।

आईएसएसएफ विश्व कप में भारतीयों का डेब्यू

अनुभवी इलावेनिल से पदक की उम्मीदें

म्यूनिख, 10 जून (एजेंसियां)। दो बार की पदक विजेता इलावेनिल वालारिवन से मंगलवार को आईएसएसएफ के साल के तीसरे विश्व कप के पहले दिन पदक की सबसे ज्यादा उम्मीदें होगी क्योंकि उनके अलावा देश के निशानेबाज महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में पहली बार इस आयोजन में भाग लेंगे।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए निशानेबाजों की 22 सदस्यीय दल भेजी है। इसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के

अलावा किरण अंकुश जाधव दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भाग लेंगी।

भारत पहले दिन दो पदक स्पर्धाओं में विश्व कप में पदार्पण करने वाले तीन खिलाड़ियों को मैदान में उतार रहा है। इसमें राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू महिला स्पर्धा में तथा आदित्य मालरा और निशांत रावत पुरुष स्पर्धा में इस स्तर पर पहली बार किस्मत आजमायेंगे। भारत की दूसरी एयर राइफल निशानेबाज आर्या बोरसे भी सीनियर स्तर पर अपने शुरुआती साल में है। वह हालांकि शानदार फॉर्म में है। उसने ब्यूनस आयर्स और लीमा में वर्ष के पहले दो विश्व कप चरणों में क्रमशः एक व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई तथा दो मिश्रित टीम रजत पदक जीते।

निकोलस पूरन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

कहा- यह फैसला लेना काफी मुश्किल था, टी-20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज के टॉप स्कोरर

हवाना, 10 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 29 साल की उम्र में उन्होंने यह फैसला किया। पूरन वेस्टइंडीज के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह फैसला लेना काफी मुश्किल था, लेकिन उन्होंने काफी सोच-विचार के बाद यह फैसला लिया है। वेस्टइंडीज के लिए उन्होंने आखिरी वनडे श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2023 में खेला था। वहीं, आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर 2024 में खेला था।

इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट किया

पूरन ने अपने पोस्ट में लिखा, मैरून जर्सी पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर अपना सब कुछ देना। मेरे लिए इसका क्या मतलब है, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने आगे लिखा, टीम का कप्तान बनना एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा।

2016 में इंटरनेशनल डेब्यू किया

पूरन ने 2016 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज के लिए टी-20 खेलते हुए इंटरनेशनल डेब्यू किया। इसके तीन साल बाद उन्होंने ब्रिजटाउन, बारबाडोस में इंग्लैंड के खिलाफ पहला वनडे मैच खेला।

106 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 2,275 रन बनाए

पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए 61 वनडे और 106 टी-20 मैच खेले। 61 वनडे मैचों में उन्होंने 39.66 के औसत और 99.15 के स्ट्राइक रेट से 1983 रन बनाए। इस फॉर्मेट में उन्होंने 11 अर्धशतक और 3 शतक लगाए। उन्होंने 2019 वर्ल्ड कप में भी वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया था।

पूरन को अपने इंटरनेशनल करियर के दौरान कभी भी टेस्ट मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब वह दुनिया भर के टी-20 लीग में खेलते हुए नजर आएंगे।

4 मैचों के लिए सस्पेंड हुए थे

पूरन का करियर कई उतार-चढ़ावों से भरा रहा। 2019 में अफगानिस्तान के खिलाफ बॉल-टेम्परिंग के आरोप में उन्हें 4 मैचों के लिए सस्पेंड भी किया गया था। हालांकि, उन्होंने जल्द ही वापसी की और टीम की कप्तानी भी की। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया था। 2022 में उन्हें वाइट-बॉल टीम का कप्तान बनाया गया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

सिर्फ भारत ही नहीं, इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट टीम ग्लेमोर्गन के लिए खेल चुके हैं शुभमन गिल

खेल डेस्क, 10 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सितारे शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद खास होने जा रहा है. इस बार वे न केवल बल्लेबाजी से टीम का नेतृत्व करेंगे, बल्कि पहली बार टेस्ट फॉर्मेट में भारत की कप्तानी की कमान भी संभालेंगे. यह जिम्मेदारी उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है. इससे पहले इंग्लैंड की धरती पर गिल ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभाव छोड़ा है, और अब उनकी नजरें कप्तान के तौर पर भी अपनी छाप छोड़ने पर हैं. खास बात यह है कि गिल इंग्लैंड की एक टीम के लिए भी खेल चुके हैं, जिसके बारे में काफी कम फैंस जानते हैं.

दरअसल, साल 2022 में शुभमन गिल ने इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट टीम ग्लेमोर्गन के लिए खेला था. ये पहला मौका था जब गिल काउंटी चैंपियनशिप में खेलने उतरे थे. इस दौरान उन्होंने 3 फर्स्ट क्लास मैचों में हिस्सा लिया और अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा. गिल ने 61 के शानदार औसत से 244 रन बनाए, जिसमें उनकी तकनीकी मजबूती और अनुकूलन क्षमता साफ दिखी थी. इंग्लैंड की पिचों पर स्विंग और उछाल भरी परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन ने यह संकेत दिया कि वे भविष्य में

इस चुनौतीपूर्ण मैदान पर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं.

यह अनुभव उनके लिए इस बार के टेस्ट दौरे की तैयारी में अहम साबित होगा. हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में गिल के आंकड़ें इंग्लैंड में कुछ खास नहीं हैं. वह भारत के लिए 3 टेस्ट मैच खेलते हुए इंग्लैंड में 14.66 की औसत से 88 रन ही बना सके हैं. ऐसे में गिल की नजर इस बार अपने इन आंकड़ों को सुधारने पर रहने वाली है.

भारतीय क्रिकेट में नए दौर की शुरुआत

शुभमन गिल को टेस्ट कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपना भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का एक बड़ा कदम है. यह फैसला तब लिया गया, जब सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया. ऐसे में अब गिल की कप्तानी में भारतीय टीम में कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिलेगा, जो इस दौरे को एक नई शुरुआत बना सकते हैं. उनके साथ करुण नायर, साई सुदर्शन जैसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी गेंदबाज टीम को मजबूती देंगे. ऐसे में फैंस यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि क्या गिल इंग्लैंड की कठिन परिस्थितियों में अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से चमत्कार कर सकते हैं.

तेलंगाना के बिजली कर्मचारियों के लिए एक करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा : भट्टी

बिजली कर्मचारियों को दुर्घटना बीमा प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन

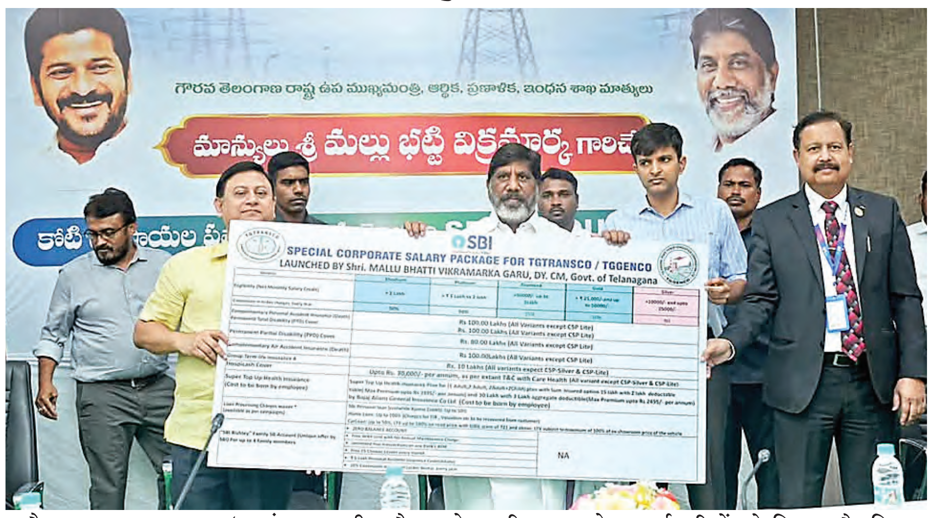

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि 51,868 बिजली कर्मचारियों को 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा प्रदान करने के लिए बैंकरों के साथ सरकार का समझौता ज्ञापन तेलंगाना के इतिहास में एक ऐतिहासिक पहल है। मंगलवार को प्रजा भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में बैंकरों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली कर्मचारियों के परिवारों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए बनाई गई इस योजना से उन्हें व्यक्तिगत रूप से बहुत संतुष्टि मिली है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिजली कर्मचारी दिन-रात, यहां तक कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी अपनी जान जोखिम में डालकर काम करते हैं। उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस बीमा योजना की कल्पना की गई थी। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग राज्य की जीडीपी वृद्धि का एक प्रमुख चालक है। उन्होंने कहा, लाइनमैन से लेकर सीएमडी तक सभी कर्मचारियों का परिवार होता है। पद चाहे कोई भी हो, जब बात परिवार की आती है, तो सभी एक ही बंधन और जिम्मेदारी साझा करते हैं। अगर घर के मुखिया के साथ कोई अप्रत्याशित दुर्घटना हो जाती है, तो परिवार को अव्यवस्था और व्यवधान का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थितियों को रोकने के लिए हमने यह दुर्घटना बीमा योजना शुरू की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना, जो कर्मचारी के लिए शून्य लागत पर आती है, कर्मचारियों के बीच आत्मविश्वास और सुरक्षा पैदा करती है और सरकार में विश्वास को मजबूत करती है। उन्होंने कहा, हम इस तरह की कल्याणकारी पहल को अपनी जिम्मेदारी मानते हैं। उन्होंने कहा कि एसबीआई खाते वाले कर्मचारी न केवल दुर्घटना बीमा से लाभान्वित होंगे, बल्कि उन्हें विवाह और शिक्षा ऋण जैसी वित्तीय सहायता भी मिलेगी। भट्टी विक्रमार्क ने उल्लेख किया कि जो लोग स्थायी विकलांगता से पीड़ित होते हैं, वे 80 लाख रुपये तक के मुआवजे के पात्र होंगे। अपने खाते में शून्य शेष राशि होने पर भी, कर्मचारी इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। एटीएम कार्ड या चेकबुक के लिए कोई शुल्क नहीं होगा। प्राकृतिक मृत्यु की स्थिति में 10 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा, जिसमें कर्मचारी और उसके परिवार के चार सदस्यों को 20 लाख रुपये तक का संयुक्त कवरेज दिया जाएगा। नई योजना कर्मचारियों को शिक्षा और विवाह संबंधी जरूरतों के लिए वित्तीय राहत प्रदान करेगी। भट्टी ने कहा कि यह योजना (जो बिजली विभाग के सभी कर्मचारियों पर लागू होती है - सबसे निचले कैडर से लेकर सीएमडी तक) मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार के लिए एक संतोषजनक पहल है। उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य विकास में बिजली क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, बिजली उत्पादन के लिए उतनी ही आवश्यक है जितनी ऑक्सीजन मानव अस्तित्व के लिए है। जिस तरह ऑक्सीजन की आपूर्ति में थोड़ी सी रुकावट घातक हो सकती है, उसी तरह बिजली की एक छोटी सी रुकावट भी बड़े परिणाम पैदा कर सकती है। 2025 में बिजली की अधिकतम मांग 17,162 मेगावाट तक पहुंच गई, जो 2023 की तुलना में लगभग 2,000 मेगावाट अधिक है। बढ़ी हुई मांग के बावजूद, बिजली विभाग के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत की बदौलत निर्बाध आपूर्ति बनाए रखी गई, जिसके लिए उन्होंने बधाई दी। बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, राज्य न केवल बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए बल्कि प्रदूषण मुक्त हरित ऊर्जा को शामिल करने के लिए संरचित योजनाओं को लागू कर रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि एक दशक तक, तेलंगाना में एक समर्पित बिजली नीति का अभाव था, जिसके कारण राज्य दूसरों की तुलना में पिछड़ गया। इस कमी को पूरा करते हुए, सरकार ने सत्ता में आने के तुरंत बाद 2025 नई हरित ऊर्जा नीति पेश की। इसका उद्देश्य न केवल राज्य के संसाधनों का उपयोग करना है, बल्कि पूरे देश में हरित ऊर्जा का दोहन करना भी है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि 2030 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा उत्पन्न करने का लक्ष्य है। बिजली उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ आपूर्ति ढांचे को भी उन्नत किया जा रहा है, ताकि 75 प्रतिशत आपूर्ति लक्ष्य को पूरा किया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इस गर्मी में 2,000 मेगावाट की अतिरिक्त मांग के बावजूद, बिना किसी रुकावट के बिजली की आपूर्ति की गई। कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग के सीएमडी संदीप कुमार सुल्तानिया, ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

छात्र बस पास शुल्क में 50 प्रतिशत वृद्धि की निंदा

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय लोकतांत्रिक छात्र संगठन (एआईडीएसओ), तेलंगाना राज्य परिषद ने मंगलवार को टीजीएसआरटीसी के छात्र बस पास शुल्क में 50 प्रतिशत की वृद्धि करने के छात्र विरोधी निर्णय की निंदा करते हुए कहा कि यह निर्णय गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा।

एआईडीएसओ की केंद्रीय समिति के सदस्य बी राजशेखर, एआईडीएसओ के राज्य उपाध्यक्ष एम नितीश, हैदराबाद जिला समिति के सचिव एन नागराजू और सदस्य कार्तिक और मनोहर ने एक बयान में कहा कि कई छात्र बस पास का शुल्क वहन करने में असमर्थ हैं, जिससे उन्हें कॉलेज और संस्थानों में जाने में बाधा आ रही है। शुल्क वृद्धि से उनकी मुश्किलें और बढ़ेंगी।

एआईडीएसओ राज्य समिति ने मांग की है कि इस निर्णय को तत्काल वापस लिया जाए तथा छात्रों और उनके परिवारों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को कम करने के लिए पास के लिए उचित मूल्य निर्धारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि वे पूरे राज्य में अपना आंदोलन तेज करेंगे।

हरीश राव के खिलाफ चुनाव याचिका खारिज

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हरीश राव को आज तेलंगाना उच्च न्यायालय से राहत मिली। न्यायालय ने चक्रधर गौड़ द्वारा उनके खिलाफ दायर चुनाव याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि हरीश राव ने अपने चुनावी हलफनामे में सही विवरण नहीं दिया है। बीआरएस पार्टी से हरीश राव, कांग्रेस से हरिकृष्ण और बसपा से चक्रधर गौड़ ने सिद्दीपेट में 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ा था।

हालांकि, चक्रधर गौड़ ने एक याचिका दायर कर आरोप लगाया कि इस चुनाव में जीतने वाले हरीश राव ने हलफनामे में पूरी जानकारी गोपनीय रखी। उन्होंने कहा कि हलफनामे में राव के बेटे का विवरण नहीं बताया गया था। उच्च न्यायालय ने मामले को फिर से उठाते हुए इसे खारिज कर दिया। इस अवसर पर बोलते हुए हरीश राव ने कांग्रेस और रेवंत रेड्डी को विपक्षी नेताओं के खिलाफ पक्षपात की राजनीति बंद करने की सलाह दी। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं को किए गए वादों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध मामलों से डरने की कोई जरूरत नहीं है और कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी का पाखंड उजागर हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह लोगों की ओर से राज्य सरकार से सवाल पूछते रहेंगे।

यूएई की कंपनियां तेलंगाना में 2,125 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यूएई की दो जानी-मानी वैश्विक कंपनियों शैवा ग्रुप और तरानीस कैपिटल ने तेलंगाना की पांच फर्मों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी में कुल 2,125 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है, जिससे राज्य में 5,020 नौकरियों के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इन एमओयू पर मंगलवार को सचिवालय में तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों में शामिल तेलंगाना की पांच कंपनियां रिवीलेशन बायोटेक, मैनाकिन बायो, स्वोबोधा इन्फिनिटी इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स, एक्सिजेंट ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड और येंट्रा टेक कंट्रोल्स हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार निवेश लाने और तेलंगाना के युवाओं के लिए सार्थक रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केवल 18 महीनों में, राज्य सरकार ने 60,000 से अधिक सरकारी पदों को भरा है और 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। परिणामस्वरूप, 1 लाख से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में नौकरी मिली है। आज, हम तेलंगाना के युवाओं के लिए 5,020 नए रोजगार के अवसरों के सृजन के साथ इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित करते हैं। इसके अलावा, यह सिर्फ शुरूआत है।

अगले तीन वर्षों में, शैवा समूह और तरणिस कैपिटल ने बायोटेक, एआई, डेटा सेंटर, रक्षा, ऊर्जा, फिनटेक और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त 24,000 करोड़ रुपये का निवेश करने में रुचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बायोटेक क्षेत्र में, उनका ध्यान कम चीनी वाले खाद्य समाधान, मधुमेह विरोधी उत्पादों और खाद्य प्रबंधन प्रौद्योगिकियों में नवाचारों पर होगा, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार करना है।

श्रीधर बाबू ने कहा, सार्वजनिक क्षेत्र में, ये कंपनियां फोर्थ सिटी और एआई सिटी जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना केवल एक राज्य नहीं है, यह असीम अवसरों की भूमि है। नवाचार, रचनात्मकता और वैश्विक साझेदारी का केंद्र है। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, सरकार विकास, नवाचार और उद्यम का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध सबसे मजबूत सहयोगी के रूप में खड़ी है।

लाइटहाउस फाउंडेशन के चेयरमैन ने जीएचएमसी कमिश्नर से मुलाकात की

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लाइटहाउस कम्युनिटीज फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. गणेश नटराजन ने हैदराबाद के सभी क्षेत्रों में लाइटहाउस कौशल विकास केंद्रों के विस्तार पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर, उन्होंने वंचित युवाओं के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ाने और कौशल विकास और कैरियर-तैयारी कार्यक्रमों के लिए लाइटहाउस कम्युनिटीज फाउंडेशन के सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

तेलंगाना में भारी बारिश का अलर्ट जारी

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आसपास के जिलों सहित तेलंगाना के कई क्षेत्रों में अगले तीन से चार दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। मंगलवार को हैदराबाद में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से कम रहा, लेकिन तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक तेलंगाना में भारी बारिश का अनुमान जताया है। पूर्वानुमान में 13 जून तक कई जिलों के लिए भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है और तेलंगाना के लगभग सभी स्थानों पर गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की पीली चेतावनी जारी की गई है।

सप्ताह भर के पूर्वानुमान के आधार पर, 17 जून तक बारिश, गरज के साथ बौछारें और तेज़ हवाएं जारी रहने की संभावना है। जिन जिलों के लिए गरज के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, उनमें महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलम्बा गदवाल, आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरिसिल्ला, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यपेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, यादाद्रि भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक और कामारेड्डी शामिल हैं। मौसम विभाग ने 13 जून को तेलंगाना के सभी जिलों में भारी तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40 किमी प्रति घंटे से 50 किमी प्रति घंटे) चलने का येलो अलर्ट जारी किया है।

मंत्रियों ने अधिकारियों के साथ आषाढ़ बोनालू पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर एमसीएचआरडी में आषाढ़ मास बोनालू समारोह-2025 पर अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की।

समीक्षा बैठक में गदवाल की मेयर विजयलक्ष्मी, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, बंदोबस्ती विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामअय्यर, डीजीपी जितेन्द्र, बंदोबस्ती निदेशक वेंकट राव, सीपी सीवी आनंद, जिला कलेक्टर और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्रियों ने कहा कि आषाढ़ मास बोनालू के अवसर पर देवी की कृपा सभी पर बनी रहे। पिछले दिनों क्या समस्या थी। अब क्या व्यवस्था करनी है, इस पर कार्ययोजना बनाई जाए। पहला बोनालू 26 जून से गोलकोंडा में शुरू होगा।

बलकमपेट, उज्जैन महाकाली, लाल दरवाजा बोनालू होंगे। अब तक बुनियादी ढांचे के तौर पर 20 करोड़ रुपये आवंटित किए जा चुके हैं। मंदिरों को दिए जाने वाले चेक राजस्व एवं बंदोबस्ती के साथ समन्वयित किए जाएं तथा त्यौहारों से पहले पूरे किए जाएं। अधिकारियों को नौकरी करने के बजाय सेवा भाव से काम करना चाहिए।

उज्जैन महाकाली, लाल दरवाजा तथा बालकम्पेट येल्लम्मा त्यौहारों पर कार्ययोजना तैयार करें। सांस्कृतिक कार्यक्रम, सूचना एवं जनसंपर्क तथा बोनालू का उद्घाटन किया जाना चाहिए। हैदराबाद के ऐतिहासिक बोनालू को भव्य रूप से मनाया जाना चाहिए। अधिकारियों को समय-समय पर जीएचएमसी की सफाई, राजस्व, प्रकाश व्यवस्था, जल सुविधाओं तथा नियंत्रण कक्षों की निगरानी करनी चाहिए। पुलिस, कानून एवं व्यवस्था को बिना किसी समस्या के सभी विभागों के साथ समन्वय करना चाहिए। अधिकारियों को बिना किसी चूक के एहतियाती कदम उठाने चाहिए।

अम्मा के आशीर्वाद से सभी शुभ कार्य हों। संपूर्ण कार्यक्रम सफल हो। यदि सभी अधिकारी इसे जिम्मेदारी से संभालेंगे, तो बोनाला के माध्यम से हैदराबाद का सम्मान दोगुना हो जाएगा। सभी को हैदराबाद में आयोजित इस उत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए काम करना चाहिए।

बढ़ते मौसमी फ्लू के बीच कोविड के 10 नए मामले आए सामने

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले एक सप्ताह से हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य जिलों में कोविड-19 और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। लक्षण हल्के ही बने हुए हैं, लेकिन हैदराबाद के निजी अस्पताल, क्लीनिक और नर्सिंग होम कोविड संक्रमण में वृद्धि की रिपोर्ट कर रहे हैं। तेलंगाना के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग (डीपीएच) ने पिछले सात हफ़्तों में 10 कोविड-पॉज़िटिव मामलों की पुष्टि की है। एक निजी अस्पताल श्रृंखला की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ ने कहा, पिछले 48 घंटों में मैंने तीन अलग-अलग परिवारों से नौ कोविड-पॉजिटिव मामले देखे हैं। उन्होंने कहा, सभी का इलाज आउट पेशेंट विभाग में किया जा रहा है। उन पॉजिटिव मामलों में से दो शिशु हैं। हालांकि, लक्षण बहुत हल्के हैं, लगभग हल्के फ्लू जैसे- वास्तव में, अक्सर गंभीर फ्लू से भी हल्के होते हैं। कुल मिलाकर मामले लगातार बढ़ रहे हैं, भारतीय एसएआरएस सीओवी 2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) ने एक नए एक्सएफजी वैरिएंट के लगभग 163 मामलों की सूचना दी है। नया वैरिएंट तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और गुजरात सहित राज्यों में रिपोर्ट किया गया है। एक्सएफजी एक ओमिक्रॉन सब-वेरिएंट है जिसमें प्रतिरक्षा से बचने की मजबूत क्षमता है, जो इसे फैलने की अनुमति देता है। गांधी अस्पताल में एक गंभीर देखभाल और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ.एम. किरण ने सलाह दी, स्पष्ट संकेत हैं कि लक्षण गंभीर नहीं हैं, हालांकि मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। अन्य देखभाल करने वालों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर, लोगों को घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है।

कोविड संक्रमण के अलावा, निजी और सरकारी अस्पतालों के बाह्य रोगी विभागों में वायरल बुखार और इन्फ्लूएंजा के मामलों में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है।

सरूरनगर में एक व्यक्ति ने बेवफाई के शक में कर दी अपनी पत्नी की हत्या

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को सरूरनगर के भाग्यनगर कॉलोनी में घर में हुए विवाद के बाद एक महिला की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पीड़िता की पहचान एम अमृता (30) के रूप में हुई है, जो निजी कर्मचारी मारिया दास (35) की पत्नी है। दोनों आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी के कोमनपल्ली के मूल निवासी हैं। दंपति पिछले तीन सालों से सरूरनगर में रह रहे थे।

जानकारी के अनुसार, दंपति के बीच एक-दूसरे की निष्ठा पर संदेह करने के कारण अक्सर झगड़े होते रहते थे। जब से अमृता कथित तौर पर मोबाइल फोन पर कॉल करके ज़्यादा समय बिताने लगी थी, तब से झगड़े बढ़ गए थे। मारिया दास शनिवार को काम पर गई थीं और मंगलवार को घर लौटीं तो उन्होंने कथित तौर पर अमृता को किसी अज्ञात व्यक्ति से फोन पर बात करते हुए पाया।

इस बात से नाराज मारिया दास ने अमृता से बहस की। उसने दुपट्टा पकड़ा और उसका गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। उसने शव को बिस्तर पर छोड़ दिया और उसके परिवार वालों को हत्या की जानकारी दी। सरूरनगर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया है। मारिया दास को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने अभी तक उसकी गिरफ्तारी की घोषणा नहीं की है।

बची हुई दवाओं से छुटकारा पाने के लिए नए दिशा-निर्देश

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी अलमारी में पड़ी उन एक्सपायर और अवांछित दवाओं का क्या किया जाए? हम अक्सर उन्हें जमा करके रखते हैं, यह नहीं जानते कि उन्हें सुरक्षित तरीके से कैसे निपटाया जाए। हैरानी की बात है कि ऐसी दवाइयों का एक वर्ग है जिसे आसानी से शौचालय में बहाया जा सकता है!

जी हां, उन्हें अलमारी में धूल जमा होने देने या गलती से गलत हाथों में पड़ने देने की बजाय, जैसे कि किसी छोटे बच्चे या परिवार के किसी सदस्य के हाथों में, जिसके लिए वह दवा नहीं लिखी गई थी, ऐसी दवाओं को शौचालय में बहा देना बेहतर है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने हाल ही में 'अप्रयुक्त/समाप्त हो चुकी दवाओं का निपटान' शीर्षक से एक दिशानिर्देश दस्तावेज़ जारी किया है, जिसमें 'फ्लश सूची' जारी की गई है।

इस सूची में दवाओं का एक सेट निर्दिष्ट किया गया है जिसे लोग शौचालय में फ्लश कर सकते हैं, ताकि उन्हें असुरक्षित स्थानों पर रखने से रोका जा सके।

हाल ही में जारी दिशा-निर्देश में कहा गया है कि कुछ दवाइयां ऐसी हैं जो विशेष रूप से हानिकारक हो सकती हैं और कुछ मामलों में, सिर्फ़ एक खुराक से ही घातक हो सकती हैं, अगर उन्हें उस व्यक्ति के अलावा किसी और द्वारा इस्तेमाल किया जाए जिसके लिए दवा निर्धारित की गई थी। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि एक्सपायर हो चुकी, अवांछित या अप्रयुक्त दवाओं की सूची तैयार की गई है, जिन्हें घर में लोगों और पालतू जानवरों के लिए खतरे से बचाने के लिए सिंक या शौचालय में फ्लश कर देना चाहिए।

सीडीएससीओ, जो औषधि अनुमोदन और क्लिनिकल परीक्षणों के लिए नियामक निकाय है, ने राज्य सरकारों और औषधि विक्रेताओं/फार्मासिस्टों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों को 'ड्रग टेक बैक' कार्यक्रमों का समन्वय और आयोजन करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

एएफएमएस महानिदेशक ने सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद में स्वास्थ्य सेवा उन्नयन की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशक, सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, एवीएसएम, वीएसएम ने सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद की समीक्षा की। उनका दौरा सेवारत कर्मियों, दिग्गजों और उनके परिवारों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए सशस्त्र बलों के समर्पण को दर्शाता है। समीक्षा के दौरान, उन्हें हाल ही में हुई कई प्रगतियों के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें प्रमुख रूप से अत्याधुनिक प्रयोगशाला निदान और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड सिस्टम, उन्नत गंभीर देखभाल सुविधाएं, सर्जरी, आर्थोपेडिक्स और निवारक चिकित्सा में विस्तारित विशेष सेवाएं शामिल हैं।

अस्पताल का दौरा करते समय, वाइस एडमिरल सरीन ने अस्पताल की चिकित्सा, नर्सिंग और प्रशासनिक टीमों की व्यावसायिकता और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यहां नैदानिक उत्कृष्टता और सेवा की भावना के उच्च मानक सशस्त्र सेना समुदाय के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाते हैं और शांति काल और संचालन के दौरान सैन्य अस्पतालों के महत्व की पुष्टि की, रोगियों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और दयालु देखभाल में निरंतर निवेश का आग्रह किया। डीजी एएफएमएस की यात्रा ने मनोबल बढ़ाने का काम किया, जिसने सैन्य स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता और नवाचार के लिए सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाओं की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.